THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

सऊदी अरब रवाना होंगे विदेश मंत्री

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और सऊदी अरब के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर सऊदी अरब रवाना होंगे। विदेश मंत्री 10 सितंबर से 12 सितंबर तक सऊदी अरब की तीन दिवसीय यात्रा करेंगे।

इस दौरान वह सऊदी अरब के अपने समकक्ष प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद के साथ सामरिक भागीदारी परिषद के तहत राजनीति, सुरक्षा, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग समिति (पीएसएससी) की पहली मंत्रिस्तरीय बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में बताया कि विदेश मंत्री बनने के बाद एस जयशंकर की यह सऊदी अरब की पहली आधिकारिक यात्रा होगी।

वर्ष-27 अंक : 177 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद पूर्णिमा, 15 2079 शनिवार, 10 सितंबर 2022 प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

नूपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट से राहत

गिरफ्तारी की मांग वाली याचिका पर विचार से इनकार, पिटिशनर से कहा इसे वापस लो

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग करने वाली याचिका को वापस लेने का सुझाव दिया। चीफ जस्टिस यूयू ललित की अगुआई वाली पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा, ऐसी याचिका करना बहुत ही सरल लगता है, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम होते हैं। हमारा सुझाव इसे वापस लेने का है।

26 मार्च को एक टेलीविजन चैनल पर नूपुर शर्मा ने पैगंबर मोहम्मद के बारे में टिप्पणी की थी। इसके बाद देश में एक बड़ा विवाद और हिंसा शुरू हो गई थी। कई मुस्लिम देशों ने भी अपना विरोध दर्ज कराया था इसके बाद भाजपा ने शर्मा की टिप्पणियों से खुद को अलग कर उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था।

19 जुलाई को भी गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी :

19 जुलाई को सुनवाई में कोर्ट ने 10 अगस्त तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने 8 राज्यों और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने राज्यों को निर्देश दिया था कि नूपुर शर्मा के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए।

1 जुलाई को कोर्ट ने कहा, सिर्फ आप जिम्मेदार :

इससे पहले 1 जुलाई को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर शर्मा को कड़ी फटकार लगाई थी। कोर्ट ने पैगंबर पर उनकी टिप्पणी के बाद हुई हिंसा के लिए उनको अकेले ही जिम्मेदार ठहराया था। कोर्ट ने तब कहा था कि नूपुर ने टेलीविजन पर धर्म विशेष के खिलाफ उकसाने वाली टिप्पणी की। उन्होंने लोगों की भावनाएं भड़काई हैं और देशभर में जो कुछ भी हो रहा है, उसकी जिम्मेदार नूपुर ही हैं। उन्होंने देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया है। कोर्ट ने कहा कि अपने बयान पर माफी भी उन्होंने शर्तों के साथ ही मांगी, वह भी तब, जब लोगों का गुस्सा भड़क चुका था। यह उनकी जिद और घमंड दिखाता है। कोर्ट ने कहा कि इससे क्या फर्क पड़ता है कि वे एक पार्टी की प्रवक्ता हैं।

वे सोचती हैं कि उनके पास सत्ता का समर्थन है और वे कानून के खिलाफ जाकर कुछ भी बोल सकती हैं। 27 मई को एक टीवी डिबेट में नूपुर शर्मा ने पैगंबर पर विवादित टिप्पणी की, जिसके बाद देशभर में उनके बयान का विरोध शुरू हो गया। वहीं कुछ इस्लामिक देशों ने भी आपत्ति जताई।

चार्ल्स-III बने ब्रिटेन के नए किंग

2.23 किलो सोने का मुकुट, 70 साल बाद ब्रिटेन का राष्ट्रगान बदलेगा

लंदन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ-II के निधन के बाद उनके बेटे प्रिंस चार्ल्स नए किंग बन गए हैं। अब उन्हें किंग चार्ल्स-III के नाम से जाना जाएगा। नए किंग के रूप में उन्हें क्या कहा जाएगा, यही नए चार्ल्स-III का पहला फैसला है। परंपरा के मुताबिक वे अपने लिए चार नाम (चार्ल्स, फिलिप, अर्थर, जॉर्ज) में से किसी एक नाम को चुन सकते थे। उनकी पत्नी कैथरीन को डचेस ऑफ कॉर्नवाल के नाम से जाना जाएगा।

सेरेमोनियल बॉडी के बीच लंदन में होगा आधिकारिक ऐलान :

महारानी के निधन के 24 घंटों के भीतर लंदन स्थित सेंट जेम्स पैलेस में एक सेरेमोनियल बॉडी (असेशन काउंसिल) के बीच चार्ल्स को आधिकारिक तौर पर राजा घोषित किया जाएगा। इस काउंसिल में वरिष्ठ सांसद, सीनियर सिविल सर्वेंट्स, कॉमनवेल्थ हाई कमिश्नर और लंदन के लॉर्ड मेयर शामिल होंगे।

सामान्य तौर पर 700 से ज्यादा लोग इस कार्यक्रम में शामिल होते हैं, लेकिन इस बार इतनी संख्या की गुंजाइश नहीं दिख रही है, क्योंकि शॉर्ट नोटिस पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 1952 में जब एलिजाबेथ-II क्वीन बनीं थीं, तब करीब 200 लोग गवाह बने थे। पारंपरिक रूप से राजा इसमें शामिल नहीं होता है। इस कार्यक्रम में सबसे पहले प्रिवी काउंसिल के लॉर्ड प्रेसिडेंट पेनी मोर्डंट एलिजाबेथ-II के निधन की घोषणा करेंगे। यह घोषणा ऊंची आवाज में होगी। इसके बाद कई प्रेयर्स होंगी, महारानी की उपलब्धियों को भी बताया जाएगा। साथ ही नए किंग की खूबियों को भी गिनाया जाएगा। इस घोषणा पत्र पर प्रधानमंत्री, कैंटरबरी के आर्कबिशप और लॉर्ड चांसलर सहित कई सीनियर ऑफिसर साइन करेंगे। इसी कार्यक्रम में यह भी तय किया जाएगा कि नए किंग के सत्ता संभालने के बाद क्या कुछ बदलाव किए जाएंगे। आमतौर पर एक दिन बाद असेशन काउंसिल की फिर से बैठक होती है। इसमें किंग भी शामिल होते हैं। इस दौरान कोई शाही शपथ ग्रहण कार्यक्रम नहीं होता है। हालांकि 18वीं शताब्दी से चली आ रही परंपरा के मुताबिक किंग चर्च ऑफ स्कॉटलैंड को संरक्षित (प्रिजर्व) करने की शपथ लेंगे। इसके बाद सेंट जेम्स पैलेस की बालकनी से एक सार्वजनिक घोषणा की जाएगी। एक अधिकारी, जिसे गार्टर किंग ऑफ आर्म्स कहा जाता है, वो घोषणा करेगा, प्रिंस चार्ल्स-III ब्रिटेन के नए किंग हैं। इसके बाद ब्रिटेन का राष्ट्रगान गाया जाएगा। 1952 के बाद पहली बार ऐसा होगा जब ब्रिटेन के राष्ट्रगान का शब्द होगा 'गॉड सेव द किंग'। इससे पहले गॉड सेव द क्वीन था। इसके बाद हाइड पार्क, लंदन टॉवर और नौसैनिक जहाजों से तोपों की सलामी दी जाएगी।

किंग बनने के बाद भी ताज के लिए करना पड़ेगा इंतजार :

कोरोनेशन यानी ताजपोशी के लिए अभी चार्ल्स को इंतजार करना पड़ सकता है, क्योंकि इसकी तैयारियों में वक्त लगेगा। इससे पहले क्वीन एलिजाबेथ को भी करीब 16 महीने इंतजार करना पड़ा था। फरवरी 1952 में उनके पिता का निधन हुआ, लेकिन जून 1953 में उनकी ताजपोशी हुई थी। बता दें कि यह सरकार का कार्यक्रम होता है और इसका खर्च भी सरकार को ही करना होता है। पिछले 900 सालों से कोरोनेशन वेस्टमिंस्टर एब्बे में किया जा रहा है। विलियम द कॉन्करर पहले सम्राट थे, जिन्हें वहां ताज पहनाया गया था। चार्ल्स 40वें सम्राट होंगे। इस दौरान कैंटरबरी के आर्कबिशप सेंट एडवर्ड्स के क्राउन को चार्ल्स के सिर पर रखेंगे, जो सोने का बना मुकुट होता है।

अगले बरस तू जल्दी आ ...

प्रसिद्ध खैरताबाद गणेश प्रतिमा को भव्य जुलूस के साथ विसर्जन के लिये ले जाते भक्तगण। गौरतलब है कि शुक्रवार को टैंकबंड तथा अन्य जलाशयों में लाखों की गणेश प्रतिमाएं विसर्जित की गयीं।

ब्रिटेन में 12 और भारत में एक दिन शोक

लंदन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ-II का निधन हो गया है। उन्होंने 6 फरवरी 1952 में ब्रिटेन का शासन संभाला था। 8 सितंबर को उनके निधन के बाद प्रोटोकॉल के मुताबिक अंतिम संस्कार की तैयारियां की जा रही हैं। क्वीन एलिजाबेथ का अंतिम संस्कार शाही परंपरा के मुताबिक, 10वें दिन यानी 19 सितंबर को किया जाएगा। अंतिम संस्कार से जुड़ी परंपराएं 12 दिन तक चलेंगी। भारत सरकार ने भी क्वीन के निधन पर एक दिन 11 सितंबर को शोक की घोषणा की है। स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल से उनका पार्थिव शरीर लंदन लाया जाएगा। यहां वेस्टमिंस्टर ऐबे में उनका अंतिम संस्कार होगा। महारानी को पति प्रिंस फिलिप के बाजू में दफनाया जाएगा।

स्कॉटलैंड से लंदन तक महारानी की अंतिम यात्रा :

क्वीन एलिजाबेथ का पार्थिव शरीर स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल से लंदन के बकिंघम पैलेस पहुंचेगा। वहां से इसे वेस्टमिंस्टर हॉल लाया जाएगा। इस दौरान मिलिट्री परेड होगी। शाही परिवार के सदस्य भी इस सफर में शामिल रहेंगे।

हम चीन जाना चाहते थे लेकिन मोदी सरकार ने जाने नहीं दिया : ममता

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत दौरे के कार्यक्रम से पश्चिम बंगाल को जानबूझकर दूर रखने का आरोप भी लगाया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह चीन जाना चाहती थीं लेकिन उन्हें जाने नहीं दिया गया। ममता बनर्जी के इस बयान पर सोशल मीडिया यूजर्स ने कई तरह की प्रतिक्रियाएं दी हैं।

मोदी सरकार पर किया प्रहार :

ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार ने उनकी विदेश यात्राओं में कई बार बाधा उत्पन्न की थी। उन्होंने दावा किया कि चीन द्वारा निमंत्रण दिया गया था लेकिन उन्हें मोदी सरकार ने वहां जाने की इजाजत नहीं दी। बंगाल सीएम ने अपने कैबिनेट सहयोगियों, सांसदों और विधायकों से लेटर हेड में नौकरी की सिफारिशें करने से परहेज करने को कहा है।

इसके साथ ही उन्होंने अपने नेताओं को सलाह दी कि वह महत्वपूर्ण मामलों पर फोन और व्हाट्सएप पर बात करते हुए सतर्क रहें। संतोष मिश्रा नाम के ट्विटर यूजर ने लिखा कि चली जाइए कृपया, उधर पता चल जाएगा कि रिफ्यूजी को कितना सम्मान दिया जाता है। आरुषा राठौर नाम की एक ट्विटर यूजर ने सवाल किया, आखिर चीन जाने वाले विपक्ष को मोदी सरकार ने क्यों रोका था? ऐसा क्या राज है, जो छुपाना चाहते हैं। विनोद कुमार नाम के ट्विटर यूजर पूछते हैं, अमेरिका, रूस, इग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी और इजरायल इत्यादि क्यों नहीं। चीन ही क्यों?

रंजीत शाह नाम के एक यूजर ने कमेंट किया कि मैडम को चीन भेज दीजिए, वैसे भी देश विरोधी अभियान में ममता बनर्जी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। राजकुमार नाम के ट्विटर हैंडल से लिखा गया, जो पड़ोसी भारत के दुश्मन हैं, वहीं जाने की होड़ क्यों लगी रहती है। गद्दारों के लिए फंडिंग तो वहीं से होती है ना। दीपक दुबे नाम के एक यूजर ने लिखा कि अरे यार इन्हें तो 1 दिन का टिकट देकर चले जाने देना चाहिए था।

गृह मंत्री के खिलाफ टीएमसी ने शुरू किया टीशर्ट कैंपेन

कोलकाता, 9 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की ओर से टीशर्ट कैंपेन शुरू किया गया है। इन टीशर्टों पर शाह की तस्वीर को कार्टून के रूप में छापा गया है और उनका मजाक उड़ाने के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। टीएमसी की ओर से कार्यकर्ताओं के लिए टीशर्टों को काले, पीले और सफेद रंगों में छपवाया गया है। पार्टी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने बताया, इसकी शुरूआत राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के बयान से हुई और यह सोशल मीडिया पर ट्रेंड बन गया। फिर यह टी-शर्ट पर आया। उन्होंने बताया, पहले यह टीशर्ट ऑनलाइन उपलब्ध थे, लेकिन अब ये थोक बाजार में मिल रहे हैं। टीएमसी नेता ने बताया, टीशर्टों के नए डिजाइन को लेकर अभिषेक बनर्जी खुद कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष पर राहुल का पहला बयान

अगर चुनाव नहीं लड़ा तो मुझसे पूछना, बता दूंगा... मैं जानता हूं क्या करना है

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस में अध्यक्ष के चेहरे पर जारी सियासी सस्पेंस के बीच शुक्रवार को राहुल गांधी का बयान आया है।

तमिलनाडु में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल ने कहा कि वे चुनाव लड़ेंगे या नहीं, इस पर चुनाव बाद जवाब देंगे। उन्होंने आगे कहा, मैंने इस पर अपना फैसला कर लिया है, मेरे मन में अब कोई भ्रम नहीं है। चुनाव नहीं लड़ा, तो आपको जवाब दूंगा।

एक सवाल के जवाब में राहुल ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस पार्टी निकाल रही है और मैं पार्टी का मेंबर हूं। इसलिए मैं इस यात्रा में शामिल हूं। उन्होंने कहा, यात्रा का मकसद साफ है, हम देश के लोगों को जोड़ने के लिए निकले हैं। राहुल ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा से मुझे इस देश और अपने बारे में समझ आ जाएगी। मैं 2-3 महीने में समझदार हो जाऊंगा।

2019 में छोड़ा था अध्यक्ष का पद

राहुल गांधी 2017 में कांग्रेस के अध्यक्ष बनाए गए थे, लेकिन 2019 में लोकसभा चुनाव हारने के बाद राहुल ने पद से इस्तीफा दे दिया था। राहुल ने कहा था कि कांग्रेस में जिम्मेदारी लेनी होगी, इसलिए मैं पद छोड़ रहा हूं और किसी को अध्यक्ष बनाया जाए।

अध्यक्ष कौन, तीन नाम सबसे आगे :

सोनिया गांधी : 2019 में जब राहुल ने कुर्सी छोड़ी तो पार्टी में किसी नाम पर सहमति नहीं बनने के बाद सोनिया को कमान सौंपी गई। पुराने और नए नेताओं के बीच सर्वमान्य होने की वजह से 2024 तक इन्हीं के पास कुर्सी रहने की अटकलें लगाई जा रही है।

राहुल गांधी : कांग्रेस अध्यक्ष की रेस में सबसे आगे राहुल गांधी का नाम है। हालांकि, राहुल कई बार अध्यक्ष बनने से इनकार कर चुके हैं। राहुल पार्टी अध्यक्ष के अलावा कांग्रेस संगठन में महासचिव और उपाध्यक्ष रह चुके हैं। अशोक गहलोत : गांधी परिवार से किसी के अध्यक्ष नहीं बनने की स्थिति में अशोक गहलोत को कांग्रेस की कमान मिल सकती है। गहलोत राजस्थान के मुख्यमंत्री हैं और पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। पार्टी के बड़े ओबीसी चेहरा होने के साथ-साथ संगठन का भी काफी अनुभव है।

19 अक्टूबर को मिलेगा कांग्रेस को नया अध्यक्ष :

कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए 17 अक्टूबर को वोटिंग होगी और 19 अक्टूबर को काउंटिंग होगी। चुनावी शेड्यूल के मुताबिक 22 सितंबर को चुनाव संबंधी नोटिफिकेशन जारी होगा। 24 सितंबर से 30 सितंबर तक नॉमिनेशन किए जा सकेंगे। हालांकि, अगर अध्यक्ष पद के लिए सिर्फ एक उम्मीदवार होता है तो ऐसी स्थिति में रिजल्ट की घोषणा 30 सितंबर को ही की जा सकती है।

मारे गए आतंकवादी के लिए नमाज पढ़ने को लेकर बोला जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट

प्रार्थना करना राष्ट्र-विरोधी गतिविधि नहीं

जम्मू कश्मीर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मारे गए आतंकियों के अंतिम संस्कार के दौरान नमाज पढ़े जाने को लेकर जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा है कि मारे गए आतंकियों के लिए नमाज पढ़ा जाना राष्ट्र विरोधी गतिविधि नहीं है। अदालत ने कहा कि यह इस तरह की गतिविधि नहीं है कि उन्हें भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत दी गई सुरक्षा के अनुसार उनकी निजी आजादी से वंचित किया जाए।

जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट में जस्टिस अली मोहम्मद माग्रे और जस्टिस एमडी अकरम चौधरी की पीठ विशेष न्यायाधीश अनंतना (गैरकानूनी गतिविधिया (रोकथाम) अधिनियम के लिए नामित न्यायालय) द्वारा 11 फरवरी, 2022 और 26 फरवरी, 2022 को पारित आदेशों के खिलाफ सरकार द्वारा दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

बता दें कि नवंबर 2021 में हिजबुल मुजाहिदीन संगठन का एक स्थानीय आतंकवादी सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के दौरान मारा गया था। इस आतंकी के जनाजे के दौरान पढ़ी गई नमाज को लेकर मस्जिद शरीफ के इमाम जाविद अहमद शाह सहित देवसर, कुलगाम के कुछ ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इन लोगों को निचली अदालत से जमानत मिली हुई थी।

जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट ने निचली अदालत द्वारा दिए गए जमानत के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसके मौलिक अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता है। ऐसे में मारे गए आतंकवादी के अंतिम संस्कार में नमाज पढ़ा जाना राष्ट्रविरोधी गतिविधि नहीं है।

वहीं अदालत ने आरोपियों की जमानत बरकरार रखते हुए सरकार की याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि मामले की जांच के दौरान आरोपी-प्रतिवादियों के खिलाफ ऐसा कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला, जिससे उन्हें जमानत न दिया जाए।

पत्रकार कप्पन को दो साल बाद जमानत

हाथरस केस में हिंसा भड़काने की साजिश के आरोप में गिरफ्तारी हुई थी

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हाथरस मामले में हिंसा भड़काने की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार पत्रकार सिद्दीकी कप्पन को जमानत दी।

यूपी पुलिस ने 2020 में कप्पन को गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने आगे कहा कि जमानत के 6 हफ्ते के दौरान सिद्दीकी को दिल्ली में ही रहना होगा, उसके बाद वह अपने घर केरल जा सकता है। इस दौरान लोकल थाने में कप्पन को हाजिरी लगानी होगी।

केंद्र ने 2024 तक सड़क दुर्घटनाओं

मौतों को 50 प्रतिशत तक कम करने का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र ने सभी राज्य परिवहन मंत्रियों और अधिकारियों से 2024 के अंत तक सड़क दुर्घटनाओं और मौतों को 50 प्रतिशत तक कम करने की दिशा में मिलकर काम करने का आह्वान किया है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के मुद्दे को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। सड़क दुर्घटनाओं की लगातार समीक्षा की जानी चाहिए और इससे निपटने के उपाय किए जाने चाहिए।

मंत्री ने इंजीनियरिंग छात्रों को सड़कों की सुरक्षा ऑडिट करने के लिए ट्रेनिंग देने का प्रस्ताव रखा, जिसके आधार पर मंत्रालय द्वारा कार्रवाई की जा सकती है।

गुरुवार को बेंगलुरू में राज्य परिवहन मंत्रियों के साथ एक संवाद सत्र में, राज्य परिवहन और पीडब्ल्यूडी मंत्रियों ने राजमार्ग बुनियादी ढांचे से संबंधित अपने मुद्दों को उठाया और अपनी समस्याओं को साझा किया और केंद्र सरकार से उनका समाधान करने का आग्रह किया।

सत्र में भाग लेने वाले राज्य मंत्रियों में गोविंददास कोंथुजम (मणिपुर), प्रफुल्ल कुमार मलिक (ओडिशा), सतपाल महाराज (उत्तराखंड), हरभजन सिंह (पंजाब), भजन लाल जाटव (राजस्थान), समदुप लप्चा (सिक्किम), ए.वी. वेलु (तमिलनाडु), नीलेश काबरा (गोवा), अरविंद चौहान (महाराष्ट्र) शामिल थे। मणिपुर के कौंथुजम ने कहा कि राज्य में 90 प्रतिशत क्षेत्र पहाड़ी है और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के संबंध में भूमि अधिग्रहण में समस्याएं हैं।

लेकिन हम इन समस्याओं को हल करने की कोशिश कर रहे हैं और जल्द ही हमें जमीन मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि हम अन्य राज्यों की तरह हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना चाहते हैं। सिक्किम के मुद्दों के बारे में बात करते हुए, समदुप लपचा ने कहा कि राज्य संसाधनों की कमी का सामना कर रहा है और पर्यटन ही अर्थव्यवस्था का एकमात्र स्रोत है। उन्होंने कहा, हम पर्यटन पर टिके हैं। बांकुरा से सिक्किम के लिए वैकल्पिक सड़क मिल जाए तो अच्छा होगा।

कांग्रेस ने आज गुजरात बंद का किया आह्वान

अहमदाबाद, 9 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात कांग्रेस ने महंगाई और बेरोजगारी के विरोध में आज शनिवार को राज्य में सांकेतिक बंद का आह्वान किया है। कांग्रेस ने ट्रेडर्स और अन्य व्यापारियों से सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक अपने शटर बंद करने की अपील की है।

पार्टी की प्रदेश यूनिट के अध्यक्ष जगदीश ठाकोर ने लोगों से महंगाई, बेरोजगारी के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने और संविदा कर्मियों को नियमित नौकरी दिलाने के लिए बंद में शामिल होने की अपील की।

ठाकोर ने आरोप लगाया कि 4,36,663 योग्य युवा बेरोजगार हैं, कुछ 4,58,976 बेरोजगार युवा राज्य रोजगार कार्यालय में पंजीकृत हैं, जबकि 4.50 लाख सरकारी पद खाली है। सैकड़ों ग्राम पंचायतें ग्राम सेवक अधिकारियों के बिना काम कर रही हैं, सैकड़ों सरकारी पुस्तकालयों में नियमित स्टाफ नहीं हैं और 27,000 से अधिक शिक्षक पद खाली हैं।

राजू श्रीवास्तव ने 6 घंटे तक खोली आंखें, तबीयत में हो रहा सुधार

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव को दिल्ली के एम्स में भर्ती हुए एक महीना हो गया है। वो तब से लगातार वेंटिलेटर पर हैं और उनकी तबीयत ठीक नहीं हो पाई है। राजू के परिवार और करीबी उनकी तबीयत से जुड़े अपडेट फैंस को देते रहते हैं। अब उनके भाई ने बताया कि राजू ने 7 सितंबर की रात 2 बजे से लेकर अगली सुबह 8 बजे तक राजू ने आंखें खोली।

उन्होंने ये भी बताया कि राजू को 99 डिग्री बुखार आ गया था, जिसके कारण उन्हें वेंटिलेटर पर ही रहने दिया गया। इसी के साथ बताया गया कि वेंटिलेटर के सारे पाइप संक्रमण के खतरे से बचने के लिए बदल दिए गए हैं। पिछले कुछ दिनों से राजू की तबीयत में सुधार की खबरें आ रही हैं, जिसके बाद उनके फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि वो जल्द ठीक होकर सबके बीच लौटेंगे। भाई द्वारा दी गई जानकारी के बाद डॉक्टर्स का कहना है कि वो पहले भी राजू कई बार आंखें खोल चुके हैं। डॉक्टर्स ने राजू की पत्नी शिखा श्रीवास्तव को बताया कि वो पहले भी ऐसे आंखें खोल चुके हैं, लेकिन उनका ब्रेन अब भी हरकत नहीं कर रहा है, जिसे देखते हुए ये कहना ठीक नहीं होगा कि राजू ठीक हो गए हैं।

राजू के ब्रेन के ऊपरी हिस्से तक ऑक्सीजन न पहुंचने के कारण उनका दिमाग हरकत नहीं कर रहा है। इसी बीच पिछले एक महीने में उन्हें चार बार बुखार आ चुका है। कई दिनों से कहा जा रहा था कि राजू को वेंटिलेटर से हटाया जा सकता है, लेकिन राजू के भाई के मुताबिक बार-बार बुखार आने के कारण उन्हें अब भी वेंटिलेटर पर रखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने 17 साल के नाबालिग की याचिका पर यूपी सरकार को नोटिस

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 17 साल के एक लड़के की याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है, जिसमें उसने अपने पिता को लीवर दान करने की अनुमति मांगी है। याचिकाकर्ता नाबालिग के पिता को लीवर ट्रांसप्लांट की जरूरत है और हालत गंभीर है। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को सुनवाई की अगली तारीख 12 सितंबर को उपस्थित रहने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि लीवर दान किया जा सकता है या नहीं, यह देखने के लिए नाबालिग का प्रारंभिक परीक्षण किया जाना है।

महारानी एलिजाबेथ के निधन के बाद

ब्रिटेन में बहुत कुछ बदल जायेगा क्या होंगे नए बदलाव

महारानी का 96 वर्ष की उम्र में हुआ निधन

बता दें कि ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का गुरुवार को 96 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। एलिजाबेथ द्वितीय ब्रिटेन पर सबसे लंबे समय तक राज करने वाली शाही हस्ती हैं। उन्होंने 70 साल तक ब्रिटेन पर शासन किया। बकिंघम पैलेस ने एक बयान जारी कर कहा,'आज दोपहर बाल्मोरल में महारानी का निधन हो गया। किंग और क्वीन कंसोर्ट आज शाम बाल्मोरल में रहेंगे। वे कल लंदन लौटेंगे।' महारानी की मौत के बाद उनके सबसे बड़े बेटे प्रिंस चार्ल्स अब ब्रिटेन के किंग बन गए हैं।

लंदन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। 70 वर्षों तक ब्रिटेन के साम्राज्य पर राज करने वाली रानी एलिजाबेथ द्वितीय का गुरुवार को स्कॉटलैंड के बालमोरल कैंसल में निधन हो गया। वह ब्रिटेन में सबसे लंबे समय तक राज करने वाली महारानी थीं। महारानी का अंतिम संस्कार उनके निधन के 10 दिन बाद होगा। एलिजाबेथ द्वितीय ने साल 1952 में ब्रिटेन की महारानी के रूप में सिंहासन ग्रहण किया था।

संविधान में किया जायेगा संशोधन

महारानी के निधन के बाद उनके बेटे प्रिंस चार्ल्स को महाराजा बनाया गया है। महारानी के निधन के बाद ब्रिटेन में काफी कुछ बदलाव आएंगे। ब्रिटेन के राष्ट्रगान के बोल संविधान में संशोधन के बाद बदल दिए जाएंगे। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मौत के साथ ही राष्ट्रगान में अब 'गॉड सेव द क्वीन' की जगह 'गॉड सेव द किंग' में बदला जाएगा। इसके साथ ही राष्ट्रगान में 'रानी' को 'राजा' और 'सी' व 'हियर' के स्थान पर 'हि' और 'हिम' के साथ रिप्लेस्ड किए जाने के अलावा बाकी पूरा गीत पहले जैसे ही रहेगा। बता दें कि महारानी एलिजाबेथ का 96 वर्ष की आयु में 8 सितंबर को निधन हो गया। वह 70 वर्षों तक सत्ता में रहने वाली दुनिया की सबसे उम्रदराज महारानी थीं।

1952 में किंग की जगह किया क्वीन

'गॉड सेव द किंग' वास्तव में ऑरिजिनल यूनाइटेड किंगडम का नेशनल एंथम है। यह 1745 में लिखा गया था और रॉयल फैमिली की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार 19वीं शताब्दी की शुरुआत में इसका इस्तेमाल यूके के राष्ट्रगान के रूप में जाना जाने लगा। किंग जॉर्ज वीआई के सम्मान में गीत 'भगवान बचाओ राजा' थे। 1952 में रानी ने सिंहासन ग्रहण किया, उसके बाद ईश्वर ने रानी को बचाया गया जाने लगा था।

ब्रिटेन में छापी जाएगी नई करेंसी

इसके साथ ही ब्रिटेन में नई करेंसी छापी जाएगी। अभी तक नोटों पर रानी का फोटो छापा जाता था लेकिन अब उनके निधन के बाद ब्रिटेन के नए राजा किंग चार्ल्स की तस्वीर छापी जाएगी। इसके साथ ही आदेशों के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले पुराने स्टैंप भी नए बनेंगे और सुरक्षा बलों के प्रतीक चिन्ह में भी अब रानी की जगह किंग होंगे।

गृहमंत्री अमित शाह तक पहुंच चुकी नूर मुस्तफा की शिकायत, माइनिंग से जुड़ा है केस

दुमका, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दुमका में दो नाबालिग लड़कियों की हत्या को लेकर सवालों के घेरे में आए एसडीपीओ नूर मुस्तफा की शिकायत केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तक पहुंच चुकी है। इसके बाद भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने झारखंड सरकार के माइनिंग और वन विभाग के साथ ही दुमका डीसी को शिकारीपाड़ा में कोयला व पत्थर के अवैध खनन में दुमका के एसडीपीओ नूर मुस्तफा अंसारी की संलिप्तता के आरोप की जांच कर रिपोर्ट मांगी है। शिकारीपाड़ा के कुलकुलीडंगाल गांव के चुनका टुडू ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भेज कर शिकारीपाड़ा में कोयला और पत्थर के हो रहे व्यापक पैमाने पर तस्करी से हो रहे करोड़ों की राजस्व की क्षति और अवैध उगाही की जांच की मांग की थी। इस पत्र में दुमका के एसडीपीओ नूर मुस्तफा अंसारी के विरुद्ध कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। दुमका न्यायालय में नोटरी के समक्ष किए शपथ पत्र की प्रति भी भेजी थी। गृह मंत्री को भेजे पत्र की प्रति केन्द्रीय पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और झारखंड सरकार को भी भेजा था।

उपायुक्त ने एसपी से मांगी रिपोर्ट

झारखंड सरकार के सचिव खान एवं भूतत्व विभाग, सचिव पर्यावरण विभाग और दुमका के उपायुक्त को पत्र भेज कर अवैध कोयला एवं स्टोन माइनिंग के मामले में नूर मुस्तफा अंसारी के विरुद्ध लगे आरोपों की जांच कर रिपोर्ट मांगी है। भारत सरकार के पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का यह पत्र 5 जुलाई 2022 का है।

आखिर मिशन 2024 के लिए 144 सीटों पर ही क्यों फोकस कर रही भाजपा

कैसे पूरा होगा 350 का टारगेट

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में अभी करीब 2 साल बाकी हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। खबर है कि पार्टी 2019 चुनाव में हारी हुई 144 सीटों पर खास फोकस करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इन सीटों पर योजना को लेकर मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की थी।

अब सवाल है कि आखिर भाजपा राज्यों में प्रदर्शन को छोड़कर सीटों की ओर ही क्यों देख रही है? भाजपा आगामी आम चुनाव में ऐसी सीटों पर ध्यान लगा रही हैं, जहां वह दूसरे या तीसरे नंबर पर रही थी। अब इन सीटों पर मजबूती के लिए पार्टी ने हर मंत्री को करीब 2-3 सीटें आवंटित कर मैदान में उतारा है।

पहले समझें 2019 के हाइलाइट्स

भाजपा ने 2019 लोकसभा चुनाव में 10 राज्यों में लोकसभा की सभी सीटें अपनी नाम कर ली थीं। इनमें राजस्थान और गुजरात का नाम शामिल है। जबकि, केरल और तमिलनाडु जैसे 11 राज्यों में पार्टी खाता भी नहीं खोल सकी थी। इनके अलावा महाराष्ट्र और बिहार ऐसे राज्य हैं, जहां भाजपा के अच्छे प्रदर्शन में उसके सहयोगी दलों ने भी अहम भूमिका निभाई थी।

ये हो सकते हैं संभावित कारण भरपाई

महाराष्ट्र में शिवसेना में फूट, बिहार में जनता दल यूनाइटेड और पंजाब में अकाली दल का नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस से बाहर जाना से भाजपा के लिए स्थिति बदल सकती है। इसके अलावा

जानकार सत्ता विरोधी लहर का भी जिक्र करते हैं। उनका मानना है कि इन दोनों कारणों के चलते भाजपा को कुछ सीटों का नुकसान हो सकता है और पार्टी भरपाई के लिए हारी हुई सीटों पर दांव लगाने की तैयारी कर रही है।

लोकसभा बनाम विधानसभा चुनाव

एक और वजह यह भी है कि पार्टियां लोकसभा में सीटों और विधानसभा में राज्यों पर फोकस करती हैं। दरअसल, किसी राज्य में कम जनाधार वाली पार्टी पूरे राज्य में मेहनत कर ले और अपना वोट प्रतिशत भी थोड़ा बढ़ा ले, लेकिन अगर वह सीटें नहीं जीत पाती तो उसके प्रदर्शन पर खास असर नहीं पड़ता। जानकारों कहते हैं कि इसके चलते दल विधानसभा में पूरे राज्य पर फोकस करते हैं और लोकसभा में सीटों पर ध्यान लगाते हैं। 2019 में 10 राज्यों में पूरी लोकसभा सीटें जीत चुकी भाजपा अपना आंकड़ा बढ़ाने के लिए दूसरे राज्यों की ओर ध्यान लगा रही है। दरअसल, जिन सीटों पर भाजपा दो-तीन नंबर पर रही थी, वहां दल को प्रदर्शन के बल पर आंकड़े संभालने में मदद मिल सकती है। वहीं, महाराष्ट्र, बिहार में बदले समीकरणों को भी साधने में भाजपा के लिए यह ट्रिक मददगार साबित हो सकती है।

350 का टारगेट लेकर चल रही है भाजपा

2014 में 282, 2019 में 300 पार हासिल कर चुकी भाजपा अब भाजपा 350 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य बना रही है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत कहते हैं, 'मुझे लगता है कि इस बार यह यात्रा 350 के पार जाकर खत्म होगी। बिहार में हमने 35 सीटों जीतने का लक्ष्य रखा है। भाजपा 100 फीसदी प्रदर्शन करेगी। इतिहास पहले भी दोहराया गया है और इस बार फिर दोहराया जाएगा। इस बार नया रिकॉर्ड होगा।'

कौवे के श्राप से गाय नहीं मरती

बारामती में भाजपा की अमेठी जैसी प्लानिंग पर बरसी एनसीपी

पुणे, 9 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र भाजपा के मुखिया चंद्रशेखर बावनकुले ने शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के लोकसभा क्षेत्र बारामती का दौरा किया है। उसके बाद से ही इस पर राजनीति तेज हो गई है और इसे शरद पवार फैमिली को घेरने की भाजपा की कोशिशों के तौर पर देखा जा रहा है। पहले ही भाजपा ने जिन 16 सीटों की फोकस बढ़ाने के लिए लिस्ट तैयार की है, उसमें बारामती को शामिल किया था। ऐसे में अब बावनकुले के दौरे ने सियासी पारा और चढ़ा दिया है। वहीं एनसीपी भी हमलावर हो गई है और अजीत पवार ने तंज कसते हुए कहा है कि कभी कौवे के श्राप से गाय नहीं मरती। मीडिया से बात करते हुए शुक्रवार को अजीत पवार ने कहा, 'क्या आप एक मराठी कहावत जानते हैं, कौवे के अभिशाप से कभी गाय नहीं मरती।' उन्होंने कहा कि यह सच

है कि भाजपा के नए अध्यक्ष बारामती आते हैं तो काफी चर्चा होती है।

इसकी वजह यह है कि वे यहां आए तो उसकी खबर बनी। कहीं और गए होते तो ऐसा नहीं होता। अजीत पवार ने कहा कि नए अध्यक्ष को शायद कुछ नया चाहिए। इसलिए वह बारामती आकर चर्चा पाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उन्हें कुछ अलग करना चाहिए। दरअसल इस बात के भी कयास लग रहे हैं कि 2024 के आम चुनाव में बावनकुले यहां से उतर सकते हैं। इस पर भी जवाब देते हुए अजीत पवार ने कहा कि अगर आप संगठन में काम कर रहे थे और पार्टी के करीब थे। फिर आपको 2019 में उम्मीदवार के रूप में क्यों खारिज कर दिया गया। आपकी पत्नी को भी मौका क्यों नहीं मिला।

यह तो आपकी पार्टी के ही भीतर का मामला है। पवार ने कहा कि कोई भी बारामती आए, यहां सभी का स्वागत है, बारामती में काम बोलता है। उन्होंने कहा कि हमसे ज्यादा काम करने वालों को बारामती लाओ, बारामती की जनता उसे जरूर मानेगी। गौरतलब है कि गुरुवार को भी अजीत पवार ने तंज कसते हुए कहा था कि मेरे और मेरी बहन (सुप्रिया सुले) के लिए चुनाव क्षेत्र क्या होगा क्योंकि अब तो हम वहां हारने जा रहे हैं। मैं भाजपा से पूछना चाहता हूं कि क्या हमारे चुनाव लड़ने के लिए भी कोई क्षेत्र बचेगा।

दिल्ली के आजाद मार्केट में 4 मंजिला इमारत गिरी

मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के आजाद मार्केट में बड़ा हादसा हुआ है। यहां एक 4 मंजिला बिल्डिंग के गिर गई। बिल्डिंग के मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। बचाव अभियान के दौरान चार घायलों को निकालकर उन्हें असपताल में भर्ती कराया गया है।

घटना शुक्रवार सुबह की है। दिल्ली के आजाद मार्केट में शीश महल में निर्माणाधीन यह बिल्डिंग सुबह भरभराकर गिर गई। जिसमें 7 लोग इसके मलबे में फंस गए। मौके पर रहत और बचाव कार्य के लिए फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौजूद हैं। वहीं मामले की जानकरी देते हुए फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी ने बताया कि, मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन चालू है। जानकारी के मुताबिक करीब 6-7 मजदूर फंसे हुए हैं। 5 घायलों को अस्पताल रेफर किया गया है। एनडीआरएफ की टीम भी पहुंच गई है। हम लाइव डिटेक्टर के जरिए भी पता लगा रहे हैं।

चांदनी चौक में लगी थी आग

वहीं इससे पहले 5 सितंबर को चांदनी चौक स्थित कूचा नटवा इलाके में रविवार रात को कपड़ा मार्केट में भीषण आग लग गई थी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर कई इमारतों को अपनी चपेट में ले लिया था। बिल्डिंग के सामने की ओर से लगी आग इमारत की पीछे संकरी गली में बनी दुकानों तक पहुंच गई। ऐसे में दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में खासी मशक्कत करने पड़ी थी। हालांकि इस आग में किसी भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई थी।

आग में लगभग 150 दुकान व गोदाम जल गए थे

चांदनी चौक की दुकानों में लगी इस आग को करीब 16 घंटे बाद दमकल की 50 गाड़ियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया गया था। आग में कपड़े की करीब 150 दुकान व गोदाम जल गए थे। कारोबारियों का कहना है कि सौ करोड़ का माल जलकर राख हो गया। शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका है।

पत्नी के साथ जबरन संबंध बलात्कार है या नहीं?

19 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मैरिटल रेप यानी पति का पत्नी से जबरन संबंध बलात्कार है या नहीं इस पर सुप्रीम कोर्ट 16 सितंबर पर सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सभी याचिकाओं को एक साथ सुना जाएगा। दरअसल, 11 मई को दिल्ली हाईकोर्ट के 2 जजों ने अलग-अलग फैसला दिया था जिसके बाद अब सुप्रीम कोर्ट तय करेगा ये बलात्कार है या नहीं। बता दें, भारतीय कानून में मैरिटल रेप अपराध नहीं है। हालांकि, एक लंबे समय से इसे अपराध घोषित करने की मांग कई संगठन कर रहे हैं। दिल्ली हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता ने याचिका दायर कर इसे आईपीसी की धारा 375 (दुष्कर्म) के तहत वैवाहिक दुष्कर्म के तौर पर लिए जाने की मांग की थी। हाईकोर्ट में दोनों जजों की इस मामले पर सहमति नहीं थी जिसके बाद कोर्ट ने 3 जजों की बेंच में भेजने का निर्णय लिया।

दोनों जजों का मानना था

बता दें, हाईकोर्ट में जज राजीव शकधर ने इसे वैवाहिक बलात्कार अपवाद को रद्द करने का समर्थन किया तो वहीं हरि शंकर जज का कहना था कि आईपीसी के तहत अपवाद असंवैधानिक नहीं है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे के अनुसार, देश में 29 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं हैं जो पति द्वारा यौन हिंसा का सामना करती हैं। बताया ये भी गया कि, ग्रामीण और शहरी इलाकों में ये अंतर और ज्यादा है। गांवों में 32 तो वहीं शहरी हिस्सों में 24 प्रतिशत महिलाए इसका शिकार होती हैं।

भाजपा ने अब शिंदे गुट को चौंकाया

उद्धव कैंप के बड़े नेता को पार्टी जॉइन कराया; फडणवीस से होगी शिकायत

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में में बीते महिनों में बड़ा उलटफेर देखने को मिला था। एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे को तगड़ा झटका दिया और प्रदेश की गद्दी संभाली। एकनाथ शिंदे के साथ शिवसेना के 40 विधायक, 10 निर्दलीय और 12 सांसद आए। इसके अलावा शिवसेना के कई पदाधिकारी भी शिंदे गुट में शामिल हुए। शिवसेना छोड़ने का सिलसिला आज भी जारी है। हालांकि, अब इसमें एक नया ट्विस्ट आया है। उद्धव का साथ छोड़ने वाले अधिकांश नेता बेझिझक शिंदे गुट का दामन थाम रहे थे, लेकिन अब उन्हें भारतीय जनता पार्टी से भी कोई परहेज नहीं है। भजपा भी उनका खुले दिल से स्वागत कर रही है। हालांकि, बीजेपी के इस कदम से शिंदे गुट के कई नेता असहज दिख रहे हैं। हम बात कर रहे हैं अमरावती जिले के शिवसेना के उद्धव ठाकरे धड़े के मौजूदा जिलाध्यक्ष राजेश वानखेड़े का। उन्होंने गुरुवार को बीजेपी का दामन थामा। उनके साथ अमरावती जिला परिषद के सदस्य, पंचायत समिति के सदस्य और कुछ पूर्व नगरसेवक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए। आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले अमरावती में चंद्रशेखर बावनकुले के बयान को लेकर बीजेपी-शिवसेना में विवाद बढ़ गया था। चंद्रशेखर बावनकुले ने हाल ही में यह भी संकेत दिया था कि सांसद नवनीत राणा और विधायक रवि राणा भी भाजपा में शामिल होंगे। इतना ही नहीं, उन्होंने यहां तक कह दिया कि अमरावती से अगला सांसद और बडनेरा से अगला विधायक भाजपा का होगा। शिंदे गुट में शामिल हुए शिवसेना नेता आनंदराव अडसुल भाजपा प्रदेश के इस बयान से खफा हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि अगर राज्य में गठबंधन बनाए रखना है तो बीजेपी को संयम से बोलना चाहिए। अमरावती बुलढाणा शिवसेना का निर्वाचन क्षेत्र है, इसलिए भाजपा विधायक और भाजपा सांसद का दावा करना गलत है। आनंदराव अडसुल ने कहा कि चंद्रशेखर बावनकुले को यह ध्यान रखना चाहिए कि सरकार में हम उनके साथ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह देवेंद्र फडणवीस से बावनकुले के बयान की शिकायत करेंगे।

अग्निपथ को 1947 में हुए समझौते का उल्लंघन बता रहा नेपाल

सेना में गोरखों की भर्ती पर संशय बरकरार

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अग्निपथ योजना के जरिए सेना में नेपाली गोरखों की भर्ती को लेकर संशय बरकरार है। हालांकि, भारत की तरफ से नेपाल को बताया जा चुका है कि नई योजना में पहले की ही तरह गोरखों की भर्ती जारी रहेगी। लेकिन नेपाल ने इसे 1947 में हुए त्रिपक्षीय समझौते का उल्लंघन बताया है। इसके चलते नेपाल गोरखों की भर्ती की इजाजत नहीं दे रहा है। आजादी के वक्त भारत-नेपाल और ब्रिटेन के बीच हुए समझौते के तहत दोनों देशों की सेनाओं में गोरखा नौजवानों की भर्ती पर सहमति जताई गई थी। तब से सात गोरखा रेजिमेंट में लगातार नेपाली गोरखा भर्ती होते रहे हैं। लेकिन अग्निपथ योजना में हुए बदलावों को लेकर नेपाल खुश नहीं है। उसने इसमें पेंशन और सेवाकाल से जुड़े मुद्दे उठाए हैं।

1947 में हुए समझौते का उल्लंघन बता रहा नेपाल

नेपाल में इसे 1947 में हुए समझौते का उल्लंघन बताया जा रहा है। खबर है कि सरकार को समर्थन दे रही कम्युनिस्ट पार्टियां सरकार पर समझौते से बाहर निकलने के लिए दबाव डाल रही हैं। इस बीच, सेना प्रमुख मनोज पांडे ने भी नेपाल का दौरा किया है। हालांकि, उनका दौरा नेपाल सेना के निमंत्रण पर था, लेकिन समझा जाता है कि इस मुद्दे पर भी चर्चा हुई होगी। हालांकि, आधिकारिक तौर पर इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

भर्ती की दो तारीखें हो चुकी हैं रद्द

इस बारे में पूछने पर सेना की तरफ से कहा गया है कि अभी नेपाल में गोरखों की भर्ती को लेकर कोई नई तारीख तय नहीं की गई है। पहले दो तिथियां तय हुई थीं, लेकिन नेपाल से अनुमति न मिलने के कारण वह रद्द कर दी गई थीं। अग्निपथ योजना में जहां सिर्फ चार साल के लिए अग्निवीरों की भर्ती का प्रावधान है, वहीं इसमें रेजिमेंट के अनुसार भर्ती प्रक्रिया भी नहीं होगी।

सेना में 30 हजार नेपाली गोरखा जवान कार्यरत

भारतीय सेना में इस समय करीब 30 हजार नेपाली गोरखा जवान कार्यरत हैं। नेपाल में 1.125 लाख पूर्व सैनिक हैं, जिन्हें रक्षा मंत्रालय से नियमित रूप से पेंशन मिलती है। भारत में ही नहीं ब्रिटेन सेना में भी आज गोरखा जवानों को बेहतरीन सिपाही माना जाता है।

सोनाली फोगाट मौत केस

सुप्रीम कोर्ट ने कर्लीज रेस्तरां में तोड़फोड़ पर रोक लगाई, गोवा सरकार को नोटिस

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा नेता सोनाली फोगाट की मौत के मामले में एक ओर जहां गोवा सरकार को झटका लगा है, वहीं कर्लीज रेस्टोरेंट को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने गोवा में स्थित कर्लीज रेस्तरां में जारी तोड़फोड़ पर फिलहाल रोक लगा दी है। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने गोवा सरकार को नोटिस जारी किया है और रेस्तरां से जुड़े सारे दस्तावेज और तस्वीरों को तलब किया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने रेस्तरां को फिलहाल कॉमर्शियल गतिविधि ना करने के आदेश दिए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने इस रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ पर रोक ऐसे वक्त में लगाई है, जब गोवा सरकार ने रेस्तरां को तटीय नियमन क्षेत्र (सीआरजेड) के नियमों के उल्लंघन के कारण ढहाने की प्रक्रिया शुक्रवार सुबह शुरू कर दी। सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले पर अगले शुक्रवार को सुनवाई करेगा। कर्लीज नामक यह रेस्टोरेंट उत्तरी गोवा के प्रसिद्ध अंजुना बीच पर स्थित है। मौत से कुछ घंटों पहले सोनाली फोगाट इसी रेस्तरां में पार्टी कर रही थीं। इसी कारण यह रेस्तरां हाल में सुर्खियों में रहा था। इस रेस्तरां के मालिक एडविन नून्स फोगाट की मौत के मामले में गिरफ्तार किए गए पांच लोगों में शामिल थे और उन्हें बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। एक अधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन का विध्वंस दस्ता अंजुना पुलिस कर्मियों के साथ सुबह करीब साढ़े सात बजे समुद्र तट पर सीआरजेड नियमों का उल्लंघन करके 'निर्माण के लिए निषिद्ध क्षेत्र' में बने रेस्तरां को गिराने पहुंचा। गोवा तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण (जीसीजेडएमए) ने इमारत को ढहाने का 2016 में आदेश दिया था, जिसे रेस्तरां मालिक ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में चुनौती दी थी, लेकिन उन्हें एनजीटी से कोई राहत नहीं मिल पाई थी, जिसके बाद इसे ढहाने की कार्रवाई शुरू की गई।

सोनाली फोगाट मौत मामले में कौन-कौन गिरफ्तार

सोनाली की मौत मामले में फोगाट के निजी सहायक सुधीर सांगवान, एक अन्य सहयोगी सुखविंदर सिंह, रेस्तरां के मालिक एडविन नून्स, कथित ड्रग तस्कर दत्ताप्रसाद गांवकर और रामदास मांड्रेकर को गिरफ्तार किया जा चुका है। साथ ही, कर्लीज रेस्तरां के मालिक नून्स, गांवकर और मांड्रेकर को पणजी को सात दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।

सुविचार: मनुष्य को अज्ञान में रखना सम्भव है किन्तु उसे अज्ञानी नहीं बताया जा सकता

जल्द ही नई राष्ट्रीय पार्टी के गठन की घोषणा कर सकते हैं केसीआर : टीआरएस

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस सुप्रीमो और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव राष्ट्रीय राजनीति में जल्द प्रवेश कर सकते हैं तथा इसके लिए एक नई राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी शुरू करने की संभावना है। राष्ट्रीय राजनीति में उनके भव्य प्रवेश की औपचारिक घोषणा शीघ्र ही की जाएगी और इस ऐतिहासिक आयोजन का स्थान राज्य की राजधानी होगी। सत्तारूढ़ दल के सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री के रूप में तेलंगाना सरकार का नेतृत्व जारी रखते हुए चंद्रशेखर राव पर राष्ट्रीय राजनीति में नेतृत्व करने की ऐतिहासिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए दबाव बढ़ रहा है। सूत्रों ने कहा कि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री के कुमारस्वामी 11 सितंबर को हैदराबाद आएंगे और वह औपचारिक रूप से केसीआर के लिए अपना समर्थन देंगे। अपनी रणनीति के तहत, तेलंगाना के पार्टी जिलाध्यक्षों ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से एक निर्णय लिया जिसमें केसीआर से राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करने और राष्ट्र का नेतृत्व करने का आग्रह किया गया। यहां प्रगति भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सरकारी सचेतक बालका सुमन ने तेलंगाना के पार्टी जिलाध्यक्षों के साथ कहा कि देश के लिए केसीआर नेतृत्व की तत्काल आवश्यकता है, क्योंकि केंद्र में भाजपा सरकार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रही है और इसके अलावा देश हर क्षेत्र में बर्बाद हो रहा है। टीआरएस मंचेरियल जिलाध्यक्ष और विधायक बालका सुमन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को विकास के 100 साल पीछे धकेल दिया गया है और देश का कोई भी वर्ग वर्तमान केंद्र सरकार से खुश नहीं है।

प्रगति भवन में टीआरएस के पार्टी जिलाध्यक्षों के साथ मीडियाकर्मियों से बात करते हुए सरकारी सचेतक बालका सुमन।

टीआरएस नेताओं ने कहा कि चंद्रशेखर राव से देश को चलाने और इसे भाजपा की राजनीतिक चाल से बचाने की जिम्मेदारी लेने की सर्वसम्मत मांग रही है। सत्तारूढ़ दल के नेताओं का तर्क है कि यह केसीआर के राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश का उपयुक्त समय है, क्योंकि कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल होने के अपने कर्तव्य का निर्वहन करने में पूरी तरह से विफल रही है। कांग्रेस पार्टी नेतृत्व संकट से त्रस्त है और वरिष्ठ नेताओं के अंतहीन परित्याग और तथाकथित 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान इसके अप्रभावी प्रदर्शन ने राष्ट्र को यह समझाने में विफल रहे कि कांग्रेस एक राजनीतिक दल के रूप में अपनी स्थिति पर जोर दे सकती है जो इसका सामना करने में सक्षम है।

विधायक बालका सुमन ने कहा कि केसीआर ने तेलंगाना आंदोलन के दौरान देश के विभिन्न दलों के अन्य समान विचारधारा वाले नेताओं को साथ लेकर अपनी क्षमताओं को साबित किया। इसके अलावा, उन्हें अपने पूरे राजनीतिक जीवन में साहसिक कदम उठाने के लिए भी जाना जाता है। पार्टी नेताओं ने कहा कि समझा जाता है कि कुछ सेवानिवृत्त सिविल सेवकों और बुद्धिजीवियों ने चंद्रशेखर राव से आग्रह किया कि यह उनके लिए एक राष्ट्रीय पार्टी शुरू करने का उपयुक्त समय है, क्योंकि भाजपा नेतृत्व अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग और दुरुपयोग करने के लिए दृढ़ है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए टीआरएस सुप्रीमो जल्द ही एक राष्ट्रीय पार्टी की घोषणा कर सकती हैं।

जी. यादगिरी जेडआरटीआई के प्रधानाचार्य का कार्यभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान (जेडआरटी), मौलालि के प्रधानाचार्य का जी. यादगिरी ने कार्यभार ग्रहण कर लिया। रेलवे में उन्होंने वर्ष 1992 में स्टेशन मास्टर के रूप में अपनी सेवा की शुरूआत की। उन्होंने वर्ष 2004 जून से 2010 दिसंबर तक जेडआरटी में प्रशिक्षक के रूप में काम किया। समूह 'बी' अधिकारी के रूप में चयनित जी यादगिरी ने सहायक संचालन प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल में वर्ष 2010 में काम किया। इसके बाद मंडल संचालन प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल के रूप में वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्नत वर्ष 2015 में हुई। वे आईआरटीएस 'जेएजी ग्रेड' की समूह 'ए' सेवा में अगस्त माग वर्ष 2022 में आए। वे जेडआरटी में तैनाती से पूर्व सिकंदराबाद मंडल के कोचिंग संचालन, सुरक्षा और प्रशासन की देखरेख का कार्यभार सभांल रहे थे।

मुनुगोड़े उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी बनी पलवई श्रावन्ती

नलगोंडा, हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने मुनुगोडे विधानसभा क्षेत्र के लिए आगामी उपचुनाव के लिए पलवई श्रावंती के नाम की कांग्रेस की उम्मीदवार के रूप में घोषणा की है।

इसके साथ, जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने पार्टी उम्मीदवार के चयन में स्पष्ट रूप से टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी पर बढ़त हासिल कर ली है। रेवंत रेड्डी अपने अनुयायी चमाला कृष्ण रेड्डी के लिए टिकट की पैरवी कर रहे थे, लेकिन शुरू से ही वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं के जाना रेड्डी, एन. उत्तम कुमार रेड्डी और रामरेड्डी दामोदर रेड्डी ने श्रावंती की उम्मीदवारी का समर्थन किया।

श्रावंथी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पलवई गोवर्धन रेड्डी की बेटी हैं, जो मुनुगोड़े से पांच बार आंध्र प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए थे। वह एआईसीसी सदस्य हैं और तेलंगाना के उच्च न्यायालय में अधिवक्ता हैं। उन्होंने 1999 के चुनावों में मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र के लिए कांग्रेस के प्रचार प्रबंधक के रूप में काम किया। उन्होंने 2014 के विधानसभा चुनाव में भी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था और 27,441 वोट हासिल कर दूसरे स्थान पर रहीं।

टीपीसीसी प्रमुख ने मुनुगोडु से पार्टी उम्मीदवार को बधाई दी

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने पार्टी आलाकमान द्वारा पार्टी के उम्मीदवार के रूप में घोषित किए जाने पर पार्टी नेता पलवई श्रावंती को आज बधाई दी। उन्होंने कहा कि पार्टी सुप्रीमो सोनिया गांधी ने उपचुनाव के लिए श्रवणथी के नाम को मंजूरी दी है।

मैं बहन पलवई श्रावंती को बधाई दे रहा हूं। हमारे प्रिय नेता और उनके पिता स्वर्गीय पलवई गोवर्धन रेड्डी का आशीर्वाद हमेशा हमारे साथ रहेगा। एक समाचार रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए कि उनके अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और टीआरएस एमएलसी के. कविता के साथ व्यावसायिक संबंध हैं, टीपीसीसी प्रमुख ने कहा कि वह 2 फरवरी, 2010 को एक निदेशक के रूप में कंपनी में शामिल हुए और 13 फरवरी, 2010 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दिन। उन्होंने कहा कि कंपनी को 2013 में बिना कोई कारोबार किए बंद कर दिया गया था।

इस तरह की झूठी खबरें फैलाने के लिए भाजपा उम्मीदवार कोमातीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी पर निशाना साधते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि मुनुगोडु निर्वाचन क्षेत्र में उन्हें हार का सामना करने से कोई नहीं बचा सकता।

निजाम ने महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को 300 हीरे जड़ित हार किया था भेंट

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रिटेन की सबसे लंबे समय तक राज करने वाली महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का गुरुवार को स्कॉटलैंड के बालमोरल महल में निधन हो गया। वह 96 वर्ष की थीं।"रानी की बाल्मोरल में मृत्यु हो गई। अपने 70 साल के शासन के दौरान, उन्हें कई गहने मिले। हालांकि, दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के स्वामित्व वाले आभूषणों के सबसे बेशकीमती टुकड़ों में से एक प्रतिष्ठित प्लेटिनम हार है, जो लगभग 300 हीरों से जड़ा हुआ है। 1947 में, हैदराबाद के निज़ाम आसफ़ जाह VII (जो उस समय ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के अधीन था) ने रानी को अपनी शादी के उपहार के रूप में हार भेंट की। इसकी तस्वीर द रॉयल फैमिली के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर की गई है।

इसके अलावा, हैदराबाद के निज़ाम ने महारानी को प्रसिद्ध हैदराबाद तिआरा भी भेंट किया, जिसमें तीन अलग-अलग फूलों के ब्रोच के साथ अंग्रेजी गुलाब पर आधारित एक डिजाइन था, जो सभी हीरे से बने थे और प्लेटिनम में सेट थे। वह अक्सर अपने पूरे शासनकाल में शानदार ब्रोच पहनती थी

अनंत चतुर्थी के अवसर पर हैदराबाद के दौरे पर आए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्व सरमा ने भाग्यलक्ष्मी मंदिर, चारमीनार में दर्शन-पूजन किया। इस अवसर पर भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष भगवंत राव, मंदिर की ट्रस्टी शशिकला मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

आईएमडी ने हैदराबाद में और बारिश की भविष्यवाणी की, ऑरेंज अलर्ट जारी

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक जोरदार दक्षिण-पश्चिम मानसून ने पूरे शहर में हल्की से मध्यम वर्षा की है और शुक्रवार को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा सप्ताहांत में अधिक बारिश का अनुमान लगाया गया है। ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए, मौसम विभाग ने रविवार तक सामान्य से भारी बारिश / गरज के साथ सामान्य रूप से बादल छाए रहने की भविष्यवाणी की, जिसमें दिन का तापमान लगभग 30 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

आईएमडी के अनुसार, बारिश के कारण संभावित प्रभाव में सड़कों और निचले इलाकों में पानी जमा होना, अधिकांश स्थानों पर यातायात की भीड़, गीली और फिसलन वाली सड़कें, पेड़ और बिजली के खंभे गिरना, बिजली, पानी और अन्य सामाजिक गड़बड़ी शामिल हैं।

शुक्रवार को अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि सुबह साढ़े आठ बजे तक आद्रता का स्तर 89 फीसदी दर्ज किया गया जो सामान्य से अधिक था। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के भीतर, राजेंद्रनगर (86.0) में उच्च वर्षा दर्ज की गई है, इसके बाद शिवरामपल्ली (65.0 मिमी), और गोलकुंडा (49.8 मिमी) में शुक्रवार शाम 5 बजे तक बारिश हुई है।

जल बोर्ड ने जारी की मानसून चेतावनी, मैनहोल के ढक्कन न खोलें

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रो वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड ने मैनहोल पर लोगों को मानसून चेतावनी जारी की है। इसने लोगों को सलाह दी कि बारिश के दौरान मैनहोल के ढक्कन न खोलें। यह एचएमडब्ल्यूएसएसबी अधिनियम के प्रावधानों के तहत दंडनीय अपराध है और यह लोगों / वाहनों के लिए खतरनाक है क्योंकि वे मैनहोल में गिर सकते हैं। कुछ जगहों पर गहरे मैनहोल हो सकते हैं और वे सेफ्टी ग्रिल से लगे होते हैं। कृपया निरीक्षण करें और बग़ल में सुरक्षित रूप से चलें/ड्राइव करें। मैनहोल से संबंधित अधिक सहायता के लिए, 155313 पर कॉल करें।

सत्तुपल्ली विधायक का सवाल, यह राजभवन है या राजकीय भवन?

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तुपल्ली विधायक सैंड्रा वेंकट वीरैया ने शुक्रवार को राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए। सत्तुपल्ली विधायक ने एक बयान में कहा कि राज्यपाल के संवैधानिक पद पर रहते हुए, तमिलिसाई सुंदरराजन ने राजभवन को भाजपा पार्टी कार्यालय के रूप में परिवर्तित कर दिया है और सरकार के कार्यक्रमों और निर्णयों पर उनके पद की गरिमा को कम करने पर प्रतिकूल टिप्पणी की है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्यपाल ने राजभवन को वस्तुतः "राजकीय भवन" में बदल दिया है। वेंकट वीरैया ने याद किया कि देश में राज्यपालों के इस तरह के बेहूदा कामकाज को देखते हुए, तत्कालीन मुख्यमंत्री और तेदेपा के संस्थापक स्वर्गीय नंदमुरी तारक रामाराव ने मांग की थी कि केंद्र सरकार की व्यवस्था को निरस्त करे और उनकी मांग के कारण तत्कालीन राज्यपाल को सार्वजनिक रूप से वापस बुलाना पड़ा। वेंकट वीरैया ने यह भी चेतावनी दी कि अगर राजभवन एक राजनीतिक दल का कार्यालय बन जाता है तो राज्य के लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे और वे संबंधित लोगों को एक उपयुक्त सबक सिखाएंगे। यह इंगित करते हुए कि टीआरएस सरकार की कल्याणकारी योजनाएं और कार्यक्रम पूरे देश के लिए एक आदर्श बन गए हैं, वीरैया ने याद दिलाया कि उनके सत्तुपल्ली विधानसभा क्षेत्र ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के सक्षम कामकाज के कारण अलग तेलंगाना राज्य के गठन के बाद थोड़े समय में महत्वपूर्ण विकास हासिल किया।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में श्री खेतलाजी भैरूजी के विशाल जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए संत श्री सियारामजी महाराज। अवसर पर पूजा-अर्चनाकर, भजनों व प्रसाद का लाभ लेते हुए अध्यक्ष मांगीलाल काग, प्रेम पंवार, सोहनलाल परिहार, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

लोगों को कालोजी नारायण राव का अनुकरण करना चाहिए : मंत्री

हनमकोंडा, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायतीराज और ग्रामीण विकास मंत्री येर्राबेली दयाकर राव ने 108वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को यहां नक्कलगुट्टा केंद्र में कलोजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि लोगों को कालोजी नारायण राव का अनुकरण करना चाहिए। उन्होंने अलग तेलंगाना का सपना देखा और निजामों के खिलाफ लड़ाई सहित आंदोलनों का नेतृत्व किया। इस अवसर पर राव ने कहा कि राज्य में टीआरएस सरकार कलोजी के आदर्शों पर चल रही है। हम भाग्यशाली हैं कि तेलंगाना, कालोजी और जयशंकर के दोनों दिग्गज, इस वारंगल मिट्टी के पुत्र हैं। मैं कलोजी से प्रेरणा लेकर राजनीति में पला-बढ़ा हूं। महापौर गुंडू सुधारानी, कुडा अध्यक्ष सुंदरराज यादव, एमएलसी बंदा प्रकाश, सांसद पसुनरुई दयाकर, जिला कलेक्टर राजीव गांधी हनुमंतु, बी. गोपी और अन्य ने कलोजी नारायण राव को श्रद्धांजलि दी।

विपक्षी दल के नेता की तरह काम करती है तमिलिसाई : वेमुला

निजामाबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कहा कि राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन एक संवैधानिक पद पर रहना भूल गई हैं और वह तेलंगाना में विपक्षी दल के नेता की तरह काम कर रही हैं।

मंत्री प्रशांत रेड्डी शुक्रवार को निजामाबाद जिले के बालकोंडा विधानसभा क्षेत्र में वेलपुर और कम्मारपल्ली नई बाजार समितियों के सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्यपाल को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली चुनी हुई सरकार के बारे में सवाल करने का कोई अधिकार नहीं है और वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन में खुलकर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र राज्यपाल के कार्यालय का दुरुपयोग कर रहा है और देश में विपक्षी दलों की चुनी हुई सरकारों को गिराकर सत्ता हथियाने की कोशिश कर रहा है।

बीजेपी नेताओं का कहना है कि वे एकनाथ शिंदे को यहां लाएंगे और हमारी सरकार गिराएंगे. प्रशांत रेड्डी ने कहा कि यह उनके अहंकार के स्तर और सरकारी संस्थानों के दुरुपयोग को दर्शाता है।

नाबालिग लड़की से रेप के मामले में शख्स को 20 साल कैद की सजा

महबूबाबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पॉक्सो फास्ट ट्रैक कोर्ट के न्यायाधीश पी.वसंत पाटिल ने जंगांव जिले के जफरगढ़ मंडल के गरनेपल्ली गांव के जी. चंद्रैया (41) को एक नाबालिग लड़की से बलात्कार का दोषी पाया है और उस पर 2,000 रुपये का जुर्माना लगाने के अलावा 20 साल की कैद की सजा सुनाई है. शुक्रवार को। चंद्रैया को गिरफ्तार किया गया था क्योंकि उसके खिलाफ 11 जनवरी, 2016 को जिले के गुदुर पुलिस स्टेशन में बलात्कार का मामला दर्ज किया गया था, क्योंकि उस पर 8 दिसंबर, 2015 को नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करने का आरोप लगाया गया था।

तत्कालीन डीएसपी, महबूबाबाद, बी. राजामहेंद्र नाइक ने मामले की जांच की, और समय पर पॉक्सो स्पेशल कोर्ट में चार्जशीट दायर की। गवाहों को भी अदालत में पेश किया गया और उन सभी ने अभियोजन में सहयोग किया। एसपी शरथ चंद्र पवार ने कहा कि बहस के बाद, फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश पी वसंत पाटिल ने आज (9 सितंबर, 2022) अंतिम फैसला सुनाया, जिसमें दोषी गब्बेता चंद्रैया को 20 साल की कैद और 2000 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

करमनघाट स्थित श्री आईमाता मंदिर में श्री खेतलाजी भैरूजी के विशाल जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए भंवरलाल सीरवी एंड पार्टी। अवसर पर पूजा-अर्चनाकर, भजनों व प्रसाद का लाभ लेते हुए अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा, हीरालाल सैंणचा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

2024 की तैयारी में अखिलेश की सपा

मायावती की बसपा से कोसों आगे बीजेपी, 'फाइनल' से पहले निकाय चुनाव में रिहर्सल

लखनऊ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। देश में 18 वीं लोकसभा के सदस्यों के लिए चुनाव में अभी करीब एक साल सात महीने का वक्त बचा है लेकिन यूपी में बीजेपी ने अभी से जिस स्तर की तैयारी शुरू कर दी है उससे वो अखिलेश यादव की सपा और मायावती की बसपा से कोसों आगे दिखने लगी है। यहां एक तरफ सीएम योगी आदित्यनाथ के धुआंधार दौरों का दौर चल रहा है तो दूसरी ओर पार्टी की कमान सम्भालते ही नए प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने भी सभी क्षेत्रवार बैठकों का सिलसिला चलाकर सांगठनिक दृष्टिकोण से प्रदेश को कोने-कोने को मथ दिया है। शुक्रवार को भी दौरों-बैठकों का यह दौर जारी है। सीएम योगी आदित्यनाथ गाजीपुर और जौनपुर के दौरे पर हैं तो प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी लखनऊ में अवध क्षेत्र की बैठक कर रहे हैं। वहीं प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह गोरखपुर पहुंचे हैं। इस साल 10 फरवरी से 7 मार्च

के बीच हुए यूपी विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 403 में 255 सीटें जीतकर नया रिकॉर्ड बनाया। तभी से पार्टी के रणनीतिकार 2024 में यूपी की सभी लोकसभा सीटें जीतने के भी दावे करने लगे। बीजेपी के बारे में कहा जाता है कि वहां चुनावी तैयारी कभी भी थमती नहीं है लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में यूपी से शत प्रतिशत जीत का जो लक्ष्य निर्धारित किया उसके बाद उसकी तैयारी की रफ्तार देखते ही बनती है। दरअसल, बीजेपी 2019 के लोकसभा चुनाव में यूपी में बीजेपी को 80 में से 62 सीटें मिली थीं। उसकी सहयोगी अपना दल को 2 सीटों पर जीत मिली जबकि बीएसपी को 10 और सपा को 5 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। कांग्रेस के खाते में एक सीट आई थी जबकि आरएलडी के खाते में एक भी सीट नहीं आई। इस बार बीजेपी का दावा और तैयारी एनडीए को सभी 80 सीटों पर जीत दिलाने की है। दरअसल, बीजेपी के आत्मविश्वास की एक वजह यह भी है कि 1985 के बाद पहली बार यूपी में कोई सरकार अपना 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद दोबारा पूर्ण बहुमत से सत्ता में लौटी है। यूपी में बीजेपी 2014 के बाद से लगातार हर चुनाव (2014 और 2019 में लोकसभा, 2017 में विधानसभा चुनाव) जीत रही है। उधर, राज्य की प्रमुख मुख्य विपक्षी पार्टियां समाजवादी पार्टी और बसपा अपने ही अंतर्द्वंदों से बाहर नहीं निकल पा रही हैं।

समाजवादी पार्टी की बात करें तो अखिलेश यादव ने पार्टी सदस्यता अभियान और तिरंगा यात्रा जैसे कार्यक्रमों से संगठन में जान फूंकने की कोशिश की लेकिन आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा उपचुनाव में मिली हार, ओमप्रकाश राजभर और केशव देव मौर्य जैसे नेताओं के गठबंधन से बाहर जाने और चाचा शिवपाल सिंह यादव की तल्ख बयानबाजियों से जूझते ज्यादा नजर आ रहे हैं। विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट पर सिमट गईं मायावती भी पार्टी को फिर से खड़ा करने, मुस्लिमों-दलितों के साथ सर्वसमाज का गठजोड़ बनाने जैसे दावे तो कर रही हैं लेकिन उनकी ज्यादातर ऊर्जा अखिलेश यादव पर हमले करने और उनकी प्रतिक्रियाओं का जवाब देने में लगती दिख रही है। इन सबसे अलग बीजेपी मिशन 2024 की तैयारी में अभी से पूरी ताकत के साथ जुट गई है। एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक लगातार दौरे कर माहौल बनाने में जुटे हैं तो दूसरी ओर स्वतंत्र देव सिंह और सुनील बंसल के बाद क्रमशः यूपी बीजेपी की कमान सम्भालने वाले प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने भी पहले ही दिन से क्षेत्रवार मंथन का दौर चला रखा है।

सीएम नीतीश कुमार बोले- बिहार में 'जंगल राज' नहीं, 'जनता राज' है

भाजपा के आरोपों को किया खारिज

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में भाजपा से नाता तोड़ राजद के साथ महागठबंधन की नई सरकार बनाने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश में ''जंगल राज'' की वापसी के विपक्ष के आरोप को खारिज करते हुए गुरुवार को कहा कि यहां ''जंगल राज'' नहीं ''जनता राज'' चल रहा है।

उन्होंने कहा, ''अगर यहां कोई घटना हुई है तो आप जरा बता दीजिए कि इस दुनिया में कोई देश या राज्य है जहां पर कोई आपस में झंझट नहीं करता। कुछ अलग सोच वाले हैं और हमलोग काम करने वाले हैं। समाज के हर तबके को एकजुट करना हमारा दायित्व है।'' राज्य के वरिष्ठ भाजपा नेताओं पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह की टिप्पणियों से सरकार प्रभावित नहीं होती है क्योंकि यह बिहार के लोगों के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, अगर सुशील मोदी (पूर्व डिप्टी सीएम) या संजय जायसवाल (राज्य

भाजपा प्रमुख) मेरी आलोचना करते हैं, तो उन्हें पार्टी या केंद्र सरकार में बड़े पद मिल सकते हैं। विपक्षी एकता पर दिल्ली के दौरे से लौटे नीतीश गुरुवार को गया में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। वहां से पटना वापसी पर हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, ''दिल्ली में जिन लोगों से मुझे मिलना था, उन सभी से मुलाकात हुई। राहुल गांधी से भी बहुत अच्छी बातचीत हुई। सोनिया गांधी अभी देश से बाहर हैं, वे जब दिल्ली आ जाएंगी तो हम उनसे मिलने जाएंगे। कांग्रेस के अलावा भाकपा, माकपा, भाकपा माले समेत अन्य पार्टियों के नेताओं से बात हुई। राजग से अलग होने का हमने जब निर्णय लिया तो अनेक दलों के नेताओं ने फोन किया था। सभी लोगों से अच्छी बातचीत हुई है।''

नीतीश ने कहा, ''बिहार में जब हमलोग भाजपा से अलग हुए तो सात पार्टियां एक साथ हो गईं और अब यहां विपक्ष में भाजपा अकेली पार्टी है।'' पश्चिम बंगाल और ओडिशा दौरे के संबंध में पूछने पर उन्होंने कहा, ''ममता बनर्जी से फोन पर बात हुई है। आगे जब बातचीत होगी तो हम मिलने जाएंगे।''राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर नीतीश ने कहा, ''वह (राहुल गांधी) अपनी पार्टी के काम में लगे हैं, यह खुशी की बात है। वह अपने ढंग से काम कर रहे हैं। दिल्ली में हमारी बातचीत लोकसभा चुनाव को लेकर हुई है। लोकसभा चुनाव के पहले विभिन्न राज्यों में लोग एकजुट होंगे तो बहुत अच्छा नतीजा आएगा।

सुशील मोदी बोले- हर कोई दावेदारी कर रहा

मिलकर भी पीएम मोदी का मुकाबला नहीं कर पाएंगे

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने विपक्षी एकता को लेकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि हर कोई दावेदारी कर रहा है। राहुल जी अलग यात्रा निकाल रहे हैं, अरविंद केजरीवाल अलग यात्रा निकाल रहे हैं। नीतीश जी राजनीतिक पर्यटन पर निकले हैं। ये सभी लोग मिल जाएंगे तो भी नरेंद्र मोदी का मुकाबला नहीं कर पाएंगे।

उन्होंने कहा कि ममता जी पहले कांग्रेस को तो साथ बैठ लें। हर कोई दावेदारी कर रहा है। राहुल जी अलग यात्रा निकाल रहे हैं, अरविंद केजरीवाल अलग यात्रा निकाल रहे हैं। नीतीश जी राजनीतिक पर्यटन पर हैं। ये सभी लोग मिल जाएंगे तो भी नरेंद्र मोदी का मुकाबला नहीं कर पाएंगे।

इससे पहले बिहार में भाजपा और जेडीयू का गठबंधन टूटने के बाद से ही भाजपा नेता नीतीश सरकार

के साथ ही राजद के खिलाफ हमलावर हैं। हाल ही में उन्होंने नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे पर सवाल खड़े किए थे। वहीं, अब उन्होंने राजद एक मंत्री पर निशाना साधा। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने गुरुवार को पटना में भाजपा कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर बिहार सरकार में खनन मंत्री रामानंद यादव पर कई गंभीर आरोप लगाए थे।

इतना ही नहीं उन्होंने रामानंद यादव को बर्खास्त कर किसी अन्य दल के विधायक को ये मंत्रालय दिए जाने की मांग की थी। इस दौरान उन्होंने नीतीश कुमार पर भी तंज कसा था। राज्यसभा सांसद ने कहा कि उन्होंने दूध की रखवाली करने की जिम्मेदारी बिल्ली को दे दी है। उन्होंने कहा कि सीएम अपने शासन में साफगोई की बात करते हैं, अब वह इन आरोपों पर जवाब दें।

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि बिहार बाढ़ में डूब रहा है और नीतीश कुमार सियासी टूर पर घूम रहे हैं। गंगा नदी का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप भागलपुर शहर में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई और यह विश्वविद्यालय और कॉलेजों में भी प्रवेश कर गया। नीतीश कुमार को बिहार की जनता की कोई परवाह नहीं है।

नीतीश कुमार का झंडा लेकर घूमेंगे

उनका काम करेंगे- बिहार के सीएम के सामने कौन सी शर्त रख बोले प्रशांत किशोर

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजनीतिक विश्लेषक प्रशांत किशोर ने गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उन पर की गयी टिप्पणी पर पलटवार किया है। बिहार के भागलपुर में प्रशांत किशोर ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि सीएम नीतीश अगर 10 लाख नौकरी दे देते हैं तो हम उनका झंडा लेकर घूमेंगे, उनका काम करेंगे।

प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार कहते हैं कि 10 लाख नौकरी देंगे, अगर दे देंगे तो हम जैसे लोगों को अभियान चलाने की क्या जरूरत है? अगर 10 लाख नौकरी दे देते हैं तो उनको नेता मानकर हम जैसे 2015 में उनके लिए काम कर रहे थे फिर से उनका काम करेंगे। उनका झंडा लेकर घूमेंगे। एक साल में 10 लाख लोगों को नौकरी देकर दिखाएं।

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर

व्यक्तिगत टीका-टिप्पणी करना ठीक नहीं: बिहार के मुख्यमंत्री की उन पर की गयी टिप्पणी का जवाब देते हुए पीके ने कहा, "नीतीश कुमार बुजुर्ग नेता हैं, वो अगर कुछ बोलना चाहते हैं तो उनको बोलने दीजिए। व्यक्तिगत टीका-टिप्पणी करना ठीक नहीं है। अगर उन्होंने कुछ कहा है तो वह उनकी सोच है।" प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि कौन भाजपा के साथ काम कर रहा है, जहां तक हम सभी जानते हैं कि अभी एक महीना पहले तक नीतीश कुमार भाजपा के साथ ही थे। नीतीश कुमार अगर किसी को इस तरह का सर्टिफिकेट दे रहे हैं तो ये हास्यास्पद ही है।

17 साल मुख्यमंत्री रहने के बाद याद आया: प्रशांत किशोर ने कहा कि क्या नीतीश कुमार को 17 साल मुख्यमंत्री रहने के बाद याद आया कि 10 लाख नौकरी दी जा सकती है? पहले ही दे देनी चाहिए थी। उनको ए से जड तक पता है। दूसरे को एबीसीडी भी नहीं आती है? 12 महीना में एक महीना हो गया है। 12 महीने के बाद पूछेंगे कि किसको एबीसी का ज्ञान है और किसको एक्सवाईजड का ज्ञान है। अगर 10 लाख नौकरी दे दी गई तो मान लूंगा कि सर्वव्यापी और सर्वज्ञानी नीतीश कुमार हैं।

इससे पहले बुधवार को सीएम नीतीश कुमार ने प्रशांत किशोर पर भड़कते हुए कहा था कि बिहार में जो करना है, वह करें। प्रदेश में 2005 से क्या काम हो रहा है ऐसे लोगों को कुछ पता भी है? वह एबीसी भी जानते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा था कि अगर कोई इस तरह की बात कहता है तो इसका मतलब यही है कि उसे भारतीय जनता पार्टी के साथ रहने का मन होगा या फिर बीजेपी की मदद करने की इच्छा होगी।

'यूपी के मदरसों पर बीजेपी की टेढ़ी नज़र'

सर्वे को लेकर मायावती ने योगी सरकार पर साधा निशाना

लखनऊ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी में मदरसों के सर्वे को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार और बीजेपी पर निशाना साधा है। शुक्रवार को एक ट्वीट में उन्होंने लिखा कि यूपी के मदरसों पर बीजेपी की टेढ़ी नज़र है। उन्होंने बीजेपी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का भी आरोप लगाया।

मायावती ने लिखा, 'मुस्लिम समाज के शोषित, उपेक्षित और दंगा-पीड़ित होने आदि की शिकायत कांग्रेस के ज़माने में आम रही है, फिर भी बीजेपी द्वारा तुष्टिकरण के नाम पर बीजेपी संकीर्ण राजनीति करके सत्ता में आ जाने के बाद अब इनके दमन व अतंकित करने का खेल अनवरत जारी है, जो अति दुःखद और निन्दनीय है।'

स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक में उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने दी चेतावनी

कहा भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं

भागलपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव ने स्वास्थ्य विभाग के शीर्ष अधिकारियों और चिकित्सकों के साथ बैठक कर हिदायत दी कि भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि प्राइमरी हेल्थ सेंटर से लेकर मेडिकल कालेजों में दवा और सफाई की समस्या शीघ्र दूर होनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को 60 दिनों का समय दिया है। विभाग संभालने के बाद स्वास्थ्य महकमा के अधिकारियों के साथ उनकी यह पहली बैठक थी। इससे पहले मंगलवार की आधी रात को उन्होंने पीएमसीएच का औचक निरीक्षण किया था और वहां की बदहाली पर काफी नाराजगी जताई थी।

बैठक में बिहार के सभी मेडिकल कॉलेजों के सुपरिटेंडेंट, जिलों के सिविल सर्जन और डीपीएम शामिल हुए। जिले के सदर एवं बड़े अस्पतालों में 24 घंटे उचित स्टाफ़

रखने का भी निर्देश दिया। जहां मानव संसाधन की कमी है उसकी तत्काल पूर्ति की जाए। रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया में तेज़ी लाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव ने

के साथ हेल्प डेस्क और शिकायत कक्ष स्थापित करने का उन्होंने आदेश दिया। इसमें मरीज़ों की भर्ती होने से लेकर, एम्बुलेंस, शव वाहन, रेफ़रल की सहज व सरल सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया को भी सुगम बनाने के निर्देश दिए। जिला अस्पतालों को रेफ़रल पॉलिसी का एसओपी फ़ॉलो करने एवं सभी आवश्यक दवाओं की उपलब्धता व मेडिकल उपकरणों को चालू अवस्था में

अधिकारियों को स्पष्ट कहा है कि स्वास्थ्य विभाग में किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता, रिश्वतखोरी को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। अधिकारियों के काम को स्कोर के आधार पर ही सेवा का मूल्यांकन होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हम बिहार में स्वास्थ्य सेवा को और अधिक बेहतर बनाते हुए गरीब, मज़लूम, जरूरतमंत की मदद करने एवं बिहार को स्वस्थ व खुशहाल बनाने के लिए कृत संकल्पित हैं।

म्यांमार, बांग्लादेश के ड्रग माफिया ने लखनऊ को बनाया सेंटर

डार्क वेब के जरिए होती है यूरोपीय देशों तक डील, बिट कॉइन में लेते हैं पेमेंट

लखनऊ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। म्यांमार, बांग्लादेश, नेपाल के ड्रग माफिया के लिए यूपी का लखनऊ ड्रग डील का बड़ा सेंटर बन चुका है। कॉल सेंटर की आड़ में डार्क वेब के जरिए यूरोपीय देशों तक ड्रग पहुंचाया जा रहा है। हाल में दिल्ली स्पेशल सेल ने अफगानिस्तानी पैडलर को लखनऊ से पकड़कर पूरे नेटवर्क का खुलासा किया।

सिर्फ यूपी में 80 करोड़ की ड्रग पकड़ी गई। हर धरपकड़ का लखनऊ कनेक्शन मिला। अब दिल्ली पुलिस ने 300 करोड़ का ड्रग लखनऊ से पकड़ा है। हर पुलिस एक्शन के साथ ड्रग माफिया के बदले हुए बिजनेस पैटर्न से भी पर्दा उठा। अब फर्जी कॉल सेंटर और एजेंट्स के जरिए करोड़ों की डील होती है। माने रिस्क कम, मुनाफा पूरा।

सबसे पहले आपको बदला हुआ पैटर्न समझाते हैं

यूपी एसटीएफ ने लखनऊ के आलमबाग में एक कॉल सेंटर पकड़ा। मौके से 6 लोग शाहबाज खान, आरिज एजाज़, गौतम लामा, शारिब एजाज, जावेद खान और सऊद अली को अरेस्ट किया। इनके पास से यूरोपीय देश और अमेरिका में प्रतिबंधित दवाइयां मिली। नशे के लिए इस्तेमाल होने वाली ट्रामेफ-पी, स्पास्मो प्रोक्सीवोन प्लस जैसी मेडिसिन मिलीं। सामने आया कि यहां से यूरोपीय देशों से ऑर्डर लिए जा रहे थे। इनके लिए कोड वर्ड का इस्तेमाल भी होता है।

जमीन पर लिखा 'सॉरी'

सेल टैक्स कमिश्नर का इकलौते बेटा फोन पर बात करते हुए 8वीं मंजिल से कूदा, सुसाइड की वजह

झांसी, 9 सितंबर (एजेंसियां)। झांसी में सेल टैक्स असिस्टेंट कमिश्नर राजीव शाक्य के इकलौते बेटे कौस्तुभ (18) ने शुक्रवार भोर में रायल सिटी की आठवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने से पहले उसने जमीन पर 'सॉरी' लिखा है। आत्महत्या की वजह अभी साफ नहीं हुई है।

सीपरी बाजार पुलिस के मुताबिक, मूल रूप से इटावा के रहने वाले सेल टैक्स के असिस्टेंट कमिश्नर राजीव शाक्य रायल सिटी के फ्लैट नंबर 409 में किराए पर रहते हैं। बृहस्पतिवार को वह अपनी पत्नी के साथ नोएडा गए थे। यहां घर पर कौस्तुभ और उसकी दो छोटी बहनें साथ में थीं।

देर रात दोनों बहनों ने खाना खाया लेकिन कौस्तुभ ने खाना नहीं खाया। वह रात में मोबाइल

पर किसी से बात कर करता रहा। पहले वह पांचवीं मंजिल पर जाकर काफी देर तक बात करता रहा, यहां उसने रेलिंग के पास जमीन में धूल पर 'सॉरी है' लिखा। उसके बाद रात में बात करते-करते वह आठवीं मंजिल तक पहुंच गया।

वहीं उसने रेलिंग के पास मोबाइल रखा और वहां से नीचे कूद गया। गिरने की आवाज आने पर सुरक्षा गार्डों ने उसे नीचे पड़ा देखा। उन्होंने एंबुलेंस बुलाई और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने उसके परिजनों को सूचना दी। पिता दिल्ली से वापस लौट रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। सीपरी बाजार इंस्पेक्टर जेपी पाल के मुताबिक सुसाइड की वजह अभी मालूम नहीं चल सकी है। इसकी पड़ताल की जा रही है।

गर्लफ्रेंड का मर्डर करने वाले प्रेमी की पुलिस कस्टडी में मौत, हाजत में की खुदकुशी

गया, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के गया जिले में पुलिस हिरासत में एक युवक की मौत हो गई। प्रेमिका के हत्या के आरोप में पुलिस ने शंकर को गिरफ्तार कर इमामगंज थाना हाजत में रखा था। बताया जा रहा है कि शंकर ने हाजत में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिस प्रेमिका की हत्या के आरोप में शंकर को हिरासत में लिया गया था, उसका नाम सोनम था। गिरफ्तारी से पहले भी शंकर आत्महत्या का प्रयास कर चुका था। वहीं शंकर की मौत से गुस्साए परिजनों ने स्टेट हाइवे 69 को इमामगंज के डुमरिया मोड़ पर जाम कर दिया। इमामगंज बाजार पुलिस छावनी में तब्दील हो गया।

दस सेकंड तक काटता रहा पिटबुल नस्ल का कुत्ता

बच्चे को दिए पांच गहरे जख्म, ढाई घंटे चली सर्जरी, 150 टांके लगे

गाजियाबाद, 9 सितंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद के संजय नगर सेक्टर-23 के पार्क में खेल रहे मासूम कुश त्यागी (10) पर पिटबुल नस्ल के कुत्ते ने हमला कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। कुश की लगभग ढाई घंटे सर्जरी चली, जिसमें उसे 150 टांके लगाए गए। वह तीन दिन अस्पताल में भर्ती रहा। कुत्ते के हमले का वीडियो वायरल होने पर बृहस्पतिवार को नगर निगम ने कुत्ते के मालिक संजय नगर निवासी ललित त्यागी पर पांच हजार का जुर्माना लगा दिया। कुश के पिता सचिन त्यागी ने बताया कि तीन सितंबर को ललित की बेटी कुत्ते को टहला रही थी। वह उससे छूटकर भाग गया और कुश पर हमला कर दिया। लोगों ने बड़ी मुश्किल से कुत्ते से

कुश को अलग किया। गाजियाबाद में कुत्ते के हमले का सात दिन में यह तीसरा मामला है। इससे पहले राजनगर एक्सटेंशन में लिफ्ट में कुत्ते ने बच्चे पर हमला किया था। उसके बाद किताब वाली गली में बच्चे को कुत्ते ने काटा था।

संजय नगर सेक्टर-23 के पार्क में खतरनाक पिटबुल नस्ल के कुत्ते ने दस साल के बच्चे कुश त्यागी पर हमला कर दिया। झटका देकर बच्ची के हाथ से छूटकर आया कुत्ता दस सेकेंड तक बच्चे को काटता रहा। हमले में कुश लहूलुहान हो गया और चेहरे से उसका मांस तक निकल आया। उसके गाल, कान और हाथ पर पांच गहरे जख्म हो गए। इन्हें भरने के लिए ढाई घंटे तक सर्जरी चली और 150 टांके लगाए गए। तीन दिन अस्पताल में रहने के बाद घर पहुंचा बच्चा सहमा हुआ है। यह 23 सेकंड की है। इसमें नजर आ रहा है कि कुत्ते को कॉलोनी के ही ललित त्यागी की बेटी टहला रही है। अचानक कुत्ता बच्ची के हाथ से छूटता है और बिजली की तेजी से दौड़ लगाकर कुश पर झपट्टा मार देता है। उसके नीचे गिर जाने पर कुत्ता दस सेकंड तक उसे काटता रहता है।

काफिले के सामने सपा कार्यकर्ता ने काला कपड़ा दिखाया, गिरफ्तार

जौनपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ अपने जौनपुर दौरे पर आज पूर्वांचल विश्वविद्यालय पहुंचे। इस दौरान एक सपा कार्यकर्ता ने सीएम के काफिले को काले कपड़े दिखाने का प्रयास किया। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार उसका नाम आशीष है। कार्यकर्ता इस दौरान अखिलेश जिंदाबाद के नारे लगाता रहा। पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है और पूछताछ करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री जिले के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। जौनपुर में सीएम योगी ने जनसभा को संबोधित किया। बोले- विकास के लिए ईमानदारी से काम हो रहा है। पिछली सरकार खुद के फायदे के लिए गुंडों-गुर्गों को बढ़ावा देती थी। हमने तय किया है कि कोई भी भ्रष्टाचार करेगा तो उसकी संपत्ति कुर्क कर गरीबों के विकास में लाया जाएगा।

हिंदी के साथ-साथ उर्दू में भी लिखे जाएंगे यूपी के सरकारी अस्पतालों के नाम

लखनऊ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के सरकारी अस्पतालों के नाम अब हिंदी के साथ उर्दू में लिखे जाएंगे। यह निर्देश चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को जारी किए गए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण विभाग के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए गए हैं कि वे अपने नाम की तख्तियों पर हिंदी के साथ उर्दू में भी नाम लिखें।

उन्नाव के रहने वाले मोहम्मद हारुन नामक व्यक्ति ने चिट्ठी लिखकर शिकायत की थी कि दूसरी राजभाषा के रूप में मान्यता होने के बावजूद यूपी के विभिन्न विभागों में इसका पालन नहीं हो रहा है। चिट्ठी में चिकित्सा एंव स्वास्थ्य विभाग में भी इसका पालन न किए जाने की शिकायत की गई थी। इसके बाद प्रदेश के निदेशक स्वास्थ्य केंद्र डा.शैलेष की ओर से शासनादेश के पालन का निर्देश दिया गया है।

बता दें कि इस शासनादेश के बाद यूपी के सभी 167 सरकारी जिला अस्पतालों, 873 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और 2934 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के नाम हिंदी के साथ-साथ उर्दू में भी लिखे जाएंगे। इसी के साथ विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी अपने नाम की तख्तियों पर हिंदी के साथ-साथ उर्दू में भी नाम लिखेंगे। गौरतलब है कि भाषा विभाग ने 7 अक्टूबर 1989 को उर्दू को दूसरी राजभाषा का दर्जा दिए जाने की अधिसूचना जारी की थी। इस सम्बन्ध में 19 नवम्बर 1990 को शासनादेश जारी किया गया था। बीच-बीच में इसके पालन के निर्देश भी जारी होते रहे हैं। लेकिन सख्ती से इसका पालन नहीं हो पा रहा था।

'भारत लौट जाओ', भारतीय-अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल को मिले धमकी भरे मैसेज

न्यूयॉर्क, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय-अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल को भारत लौटने की धमकी दी गई है। उन्होंने बताया कि एक पुरुष ने उन्हें फोन पर आपत्तिजनक और नफरत भरे संदेश भेजे हैं। साथ ही उन्हें भारत लौटने की हिदायत दी है। चेन्नई में जन्मी जयपाल ने गुरुवार को पांच ऐसे ऑडियो संदेशों को सोशल मीडिया पर साझा किया। इस संदेश के उन हिस्सों को एडिट किया गया है, जिनमें अश्लील और अभद्र बातें की गई हैं। इस संदेश में सुना जा सकता है कि एक पुरुष जयपाल को गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी दे रहा है। उन्हें अपने मूल देश भारत वापस जाने को कह रहा है। जयपाल ऐसी पहली भारतीय अमेरिकी सांसद हैं, जिन्होंने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में सिएटल का प्रतिनिधित्व किया।

'नस्लवाद को नहीं कर सकते स्वीकार'

जयपाल ने ट्वीट किया, 'मैंने यहां ऐसा करने (संदेश साझा करने का) का विकल्प चुना, क्योंकि हम हिंसा को हमारे लिए नई आम बात के रूप में स्वीकार नहीं कर सकते। हम उस नस्लवाद और लिंगवाद को भी स्वीकार नहीं कर सकते जो इस हिंसा में अंतर्निहित है और इसे प्रोत्साहित करता है।'

पहले भी सामने आए ऐसे मामले

इससे पहले गर्मियों में सिएटल स्थित सांसद के आवास के बाहर एक व्यक्ति पिस्तौल के साथ नजर आया था। पुलिस ने इस व्यक्ति की पहचान ब्रेट फोरसेल के रूप में की थी, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया था। अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के खिलाफ घृणा अपराध के इस प्रकार के कई मामले सामने आ चुके हैं।

भारतीय-अमेरिकी को मारने की धमकी

कैलिफोर्निया में 1 सितंबर को एक व्यक्ति ने एक भारतीय-अमेरिकी पर नस्लवादी टिप्पणी की थी। वहीं, टेक्सास में एक मैक्सिकन-अमेरिकी महिला ने चार भारतीय-अमेरिकी महिलाओं के साथ 26 अगस्त को दुर्व्यवहार किया था और उनके खिलाफ नस्लीय टिप्पणियां की थीं। साढ़े पांच मिनट के वीडियो में महिला एक व्यक्ति के चेहरे पर वार करती हुई और घटना को अपने मोबाइल फोन में कैद करना वाली दो महिलाओं को देखा जा सकता है। उसने गोली मारने की भी धमकी दी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	04-28 बजे
चंद्र-	कुंभ में	कन्या	06-35 बजे
मंगल	वृष में	तुला -	08-40 बजे
बुध-	कन्या में	वृश्चिक	10-50 बजे
गुरु-	मीन में	धनु---	13-04 बजे
शुक्र-	सिंह में	मकर-	15-10 बजे
शनि-	मकर में	कुंभ -	17-01 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-38 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-14 बजे
		वृष--	21-59 बजे
		मिथुन..	00-00 बजे
		कर्क...	02-03 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल-पूर्व • अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा • **15-28** तक उपरान्त, प्रतिपदा
मास • भाद्रपद शुक्ल पक्ष ,शनिवार, **10 Sep**
नक्षत्र • शतभिषा • **09 -36** • तक उपरान्त, पूर्वभाद्रपद
योग • धृति - **14- 54** • तक उप- शूल
करण- बव • **15 -28** • तक,उप- बालव
विशेष:- पूर्णिमा पुण्य, महालय श्राद्धपक्ष
व्रत -त्योहार • पूर्णिमा + प्रतिपदा एकम का श्राद्ध

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:09 से 10:41 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:05 - 07:37	अशुभ	लाभ	18:21 - 19:49	शुभ
शुभ	07:37 - 09:09	शुभ	उत्पात	19:49 - 21:17	अशुभ
रोग	09:09 - 10:41	अशुभ	शुभ.	21:17 - 22:45	शुभ
उत्पात	10:41 - 12:13	अशुभ	अमृत	22:45 - 00:13	शुभ
चंचल	12:13 - 13:45	शुभ	चंचल	00:13 - 01:41	शुभ
लाभ	13:45 - 15:17	शुभ	रोग	01:41 - 03:09	अशुभ
अमृत	15:17 - 16:49	शुभ	काल	03:09 - 04:37	अशुभ
काल	16:49 - 18:19	अशुभ	लाभ	04:37 - 06:07	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है। अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं। आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है। अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें। आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — आप इस वक़्त अलौकिक घटनाओं से प्रभावित रहेंगे।आप आज अपना दिन किसी रहस्यमयी मुद्दे की खोजबीन में बिताना चाहते हैं और कोई रहस्यमयी फिल्म या उपन्यास देख/पढ़ सकते हैं।आप किसी रहस्य पर से पर्दा उठाने का फैसला भी ले सकते हैं या किसी स्थिति/व्यक्ति के बारे में और अधिक जानने की कोशिश करेंगे।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगी लेकिन तब तक आपको बोलने लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है।निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए।आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें।अब समय आ गया है कि अच्छे खान-पान का महत्व समझें।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — अधिक सोच विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं।अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें।इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा।आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है। आपको ऐसे समय में शांति बनाये रखनी होगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा।आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है।आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा।हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे।यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा।अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है।विदेश में रह रहा कोई मित्र आपको साथ काम करने के लिए आमंत्रित कर सकता है।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — आज का दिन बहुत व्यस्त रहेगा।बहुत सारे काम कतार में हैं। हालाँकि आप अपनी तरफ से उन सब कामों को निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे फिर भी सम्भावना यही है कि सब काम पूरे नही हो पायेंगे और आपको इस कारण तनाव होगा। काम पूरे करने में और किसी की सहायता लेने से ना हिचकें।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे।लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे।अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें।अगर आप थोडी सी समझदारी से काम लेंगे।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी।यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें। इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा।आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

निवेश के सपने दिखाकर लोगों को ठगने वाला डायरेक्टर गिरफ्तार, 150 लोगों से ठगे 30 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने नोएडा एक्सप्रेसवे पर व्यावसायिक परियोजना में निवेश कराने के नाम पर लोगों से करीब 30 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले रियल एस्टेट कंपनी के निदेशक को गिरफ्तार किया है। आरोपी दीप कंवर सिंह वालिया को पुलिस ने चंडीगढ़ से पकड़ा है। इस मामले में एक अन्य डायरेक्टर पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। आरोपियों ने करीब 150 से अधिक निवेशकों से परियोजना में निवेश कराकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के मुताबिक आरोपी दीप कंवर सिंह वालिया के पास अमेरिका के न्यू जर्सी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मास्टर डिग्री है। वह यूएसए में काम करता था। भारत आकर अपने सहयोगी निवेशकों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। क्राइम ब्रांच स्पेशल कमिश्नर रविंद्र कुमार यादव ने बताया कि वर्ष 2018 में धोखाधड़ी, ठगी और रुपये की हेराफेरी की शिकायत मिली थी। पीड़ितों ने कहा था कि 99 दिन में 33 मंजिला व्यवसायिक टावर तैयार करने का दावा किया गया था। झांसे में आकर परियोजना में निवेश कर दिया। कंपनी के लोगों ने बिना निर्माण कार्य किए निवेशकों से पैसे ले लिए। रकम मांगने पर 35 फीसदी राशि को जब्त करने की धमकी दी। आर्थिक अपराध शाखा ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नोटिस के बाद भी जांच में शामिल नहीं हुआ आरोपी

जांच में धोखाधड़ी की बात का खुलासा हुआ तो पुलिस कंपनी के निदेशकों को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा, लेकिन एक भी आरोपी जांच में शामिल नहीं हुआ। इसके बाद ईओडब्ल्यू ने अदालत से निदेशक दीप कंवर सिंह वालिया के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करवाया। इसके बाद आरोपी को तकनीकी जांच के बाद पांच सितंबर को चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया।

बेंगलुरु यूनिवर्सिटी में मंदिर निर्माण को लेकर विवाद, छात्र बोले- लाइब्रेरी बनाई जाए

बेंगलुरु, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक की बेंगलुरु यूनिवर्सिटी में मंदिर बनाए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। छात्र विश्वविद्यालय के परिसर में गणेश मंदिर के निर्माण का विरोध कर रहे हैं। स्टूडेंट्स की मांग है कि यूनिवर्सिटी में मंदिर की जगह लाइब्रेरी बनाई जाए। विश्वविद्यालय के कुछ प्रोफेसर भी छात्रों की इस मांग के साथ खड़े हैं। छात्रों ने मंदिर निर्माण का विरोध किया और इसके बदले एक पुस्तकालय की मांग की। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण को लेकर रजिस्ट्रार और कुलपति ने भी विरोध जताया है। इसके बावजूद बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) विश्वविद्यालय परिसर के अंदर मंदिर बनाने पर अड़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यूनिवर्सिटी के कैंपस में पहले से ही एक मंदिर बना हुआ था। हालांकि, सड़क को चौड़ा किए जाने के दौरान उसे शिफ्ट करना पड़ा। अब जब बीबीएमपी के कर्मचारी मंदिर निर्माण के लिए परिसर में पहुंचे तो उन्हें छात्रों के एक गुट की ओर से विरोध का सामना करना पड़ा। छात्रों ने जमकर नारेबाजी की। स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी का भगवाकरण करने का आरोप लगाया है। एक छात्र ने कहा कि मंदिर के नाम पर यह विवाद खड़ा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूजीसी और सुप्रीम कोर्ट भी इसकी इजाजत नहीं देता है। मीडिया में जो फुटेज सामने आए हैं,

हरियाणा में कितने पानी में हैं 'आप' और कांग्रेस, बता देगा आदमपुर सीट का उपचुनाव; केजरीवाल

आदमपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने में दो साल का वक्त बचा है, लेकिन सियासी दलों ने अभी से ही अभियान तेज कर दिया है। खासतौर पर दिल्ली और पंजाब जैसे पड़ोसी राज्यों की सत्ता पर काबिज हुई आम आदमी पार्टी ज्यादा ऐक्टिव दिख रही है। अरविंद केजरीवाल ने 7 सितंबर को हरियाणा से ही अपने राष्ट्रव्यापी मेक इंडिया नंबर वन अभियान की शुरुआत की है। यही नहीं उनका कहना है कि आदमपुर विधानसभा सीट पर कुछ महीनों में ही उपचुनाव होना है, इसमें आम आदमी पार्टी मुकाबले में उतरेगा। उन्होंने जनता से इस सीट पर जिताने की अपील करते हुए 2024 में हरियाणा में सरकार बनाने का दम भरा है। कुलदीप बिश्नोई के इस्तीफे से खाली हुई सीट पर अरविंद केजरीवाल के फोकस को इससे समझा जा सकता है कि उनका कहना है कि यदि हम यहां जीतते हैं तो फिर 2024 में सरकार बनाने के रास्ते खुल जाएंगे। कुलदीप बिश्नोई ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा है और इसी के चलते विधायकी से इस्तीफा दे दिया था। अब इस पर चुनाव होना है और कांग्रेस, भाजपा, आम आदमी पार्टी समेत सभी दल यहां अपनी ताकत आजमाने की तैयारी में हैं। अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को आदमपुर में रैली करते हुए कहा, 'आदमपुर में आप की जीत उसे राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित कर देगी और यहां की चौधराहट वापस लौटेगी। आप लोग मुझे एक मौका दीजिए, हम हरियाणा को बदल देंगे। यदि मैं गलत हो जाऊं तो यहां से बाहर कर देना।'

1998 से आदमपुर से विधायक हैं बिश्नोई, इस बार चौतरफा मुकाबला

एक तरफ खुद को हरियाणवी छोरा बताते हुए अरविंद केजरीवाल ऐक्टिव हो गए हैं तो वहीं कांग्रेस अभी आपसी कलह में ही उलझी हुई है। आदमपुर सीट बिश्नोई परिवार का गढ़ मानी जाती रही है। खुद कुलदीप बिश्नोई इस सीट से 1998 से जीतते रहे हैं। ऐसे में इस बार का उपचुनाव खुद कुलदीप बिश्नोई और भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का विषय बन गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल के बेटे कुलदीप बिश्नोई ने राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग करते हुए भाजपा कैंडिडेट को वोट दे दिया था। उसके बाद कांग्रेस की ओर से उन्हें नोटिस मिला था और बाद में उन्होंने पार्टी ही छोड़ दी थी।

बिश्नोई को घेरने में कांग्रेस भी नहीं छोड़ेगी कोई कसर

ऐसे में कांग्रेस भी आदमपुर विधानसभा सीट पर उन्हें घेरने का प्रयास करेगी। इसके अलावा इंडियन नेशनल लोकदल भी यहां मुकाबले में होगी। इस तरह आदमपुर सीट पर मुकाबला इस बार रोचक हो सकता है और देखना होगा कि चौतरफा मुकाबले में कुलदीप बिश्नोई कैसे अपनी परंपरागत सीट को बचा पाते हैं। गौरतलब है कि दिल्ली और पंजाब के बीच का राज्य होने के चलते हरियाणा की सियासत इन दोनों ही राज्यों से कुछ हद तक प्रभावित होती रही है। यही वजह है कि अरविंद केजरीवाल यहां अपने लिए संभावनाएं देख रहे हैं।

कथित 'लव जिहाद' में जिस लापता लड़की के लिए नवनीत राणा ने किया था बवाल, बोली- 'झूठ बोल रहीं सांसद'

अमरावती (महाराष्ट्र), 9 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अमरावती के कथित लव जिहाद मामले में आखिरकार गुमशुदा हुई लड़की राजापेठ पुलिस थाने में आई और सांसद के बयान को झूठा करार दिया। लड़की ने बयान दिया है कि वह अपने घरवालों के आपसी विवाद से तंग आकर अकेले ही घर से निकल गई थी। लड़की ने कहा कि इस मामले को लव जिहाद जैसे घटना का नाम देकर मेरी बदनामी न करें।

लड़की ने हाथ जोड़कर लोगों से अफवाह न फैलाने की गुहार लगाई। उसने कहा कि सांसद नवनीत राणा मेरे बारे में झूठी अफवाह फैला रही हैं। लड़की ने कहा, ऐसा मैंने कुछ भी नहीं किया है। लव जिहाद की सारी बातें गलत हैं। मामले में लड़की के बयान के बाद स्थानीय भाजपा नेता और निर्दलीय सांसद नवनीत राणा औंधे मुंह गिरती दिखाई दे रही हैं। दरअसल, महाराष्ट्र के अमरावती में 6 सितंबर को एक लड़की की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज होती है, जिसके बाद इस पर पुलिस अपनी तफ्तीश तो कर रही होती है लेकिन राजनेताओं ने इसे लव जिहाद की घटना बताकर मामले में पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। इसके बाद सांसद नवनीत राणा ने पुलिस थाने में पहुंचकर जमकर बवाल काटा, जिसके बाद पूरे राज्य में हड़कंप मच गया था। इस बीच, पुलिस ने लड़की की जानकारी जुटाई और कल सतारा पुलिस के सहयोग से उसे कब्जे में लेकर वापस लाई।

राजापेठ पुलिस थाने में पहुंचकर लड़की ने यह बयान दिया कि वह अपने घर-परिवार वालों के विवाद के कारण गुस्से में घर छोड़ कर अकेले ही निकल गई थी। लड़की ने कहा कि उसके साथ कोई नहीं था। वह अकेले ही निकल गई थी। लड़की ने पुलिस को दिए बयान में कहा है, मुझे कोई भी बहला-फुसलाकर कहीं नहीं ले गया था। सांसद लव जिहाद के नाम पर बेवजह मेरी बदनामी कर रही हैं।

घाटी में थमेगा टारगेट किलिंग का सिलसिला, एजेंसियां बना रहीं बड़ा प्लान, ऐसे मिलेगी सुरक्षा

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर में टारगेट किलिंग का सिलसिला अब थमने के आसार है। खबर है कि राज्य में कई एजेंसियां और सुरक्षाबलों ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए योजना बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बीते साल अक्टूबर से लेकर अब तक जम्मू और कश्मीर में टारगेट किलिंग के आंकड़े काफी बढ़ गए थे। केंद्रीय गृहमंत्रालय ने नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) को आम नागरिकों की हत्याओं के बड़ी साजिश की जांच का जिम्मा सौंपा था। रिपोर्ट के अनुसार, कई एजेंसियां और सुरक्षाबलों ने ऐसे नागरिकों की पहचान का काम शुरू किया है, जो आतंकियों के निशाने पर हो सकते हैं। साथ ही उनकी सुरक्षा के लिए भी योजना तैयार की जा रही है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह की सुरक्षा समीक्षा को लेकर हुई बैठक के बाद एजेंसियों ने काम शुरू कर दिया था। अलग-अलग एजेंसियों के अधिकारियों ने भी जमीनी स्तर पर जानकारी जुटाने के लिए केंद्र शासित प्रदेश का दौरा किया था। रिपोर्ट के अनुसार, एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने पुष्टि की, 'बैठक में टारगेट किलिंग्स को लेकर चिंताएं जाहिर की गई थीं और पैटर्न्स, डेटा और अन्य जानकारी को एनेलाइज कर संभावित लक्ष्यों की पहचान का फैसला किया गया और इस संबंध में निर्देश दिए गए थे। खुफिया एजेंसियों को ग्राउंड लेवल इंटेलिजेंस देने के लिए कहा गया है। साथ ही स्थानीय प्रशासन से इन संभावित लक्ष्यों की सुरक्षा की योजना तैयार करने के लिए कहा गया है। इस संबंध में इस महीने बैठक भी हो चुकी है।'

नाबालिग दलित रेप पीड़िता के साथ थाने में पुलिसवालों की बेशर्मी, बेल्ट और लात से की पिटाई, तीन सस्पेंड

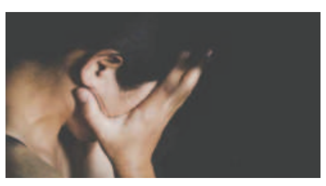

भोपाल, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में एक 13 साल की दलित रेप पीड़ता के साथ पुलिस थाने में मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि नाबालिग रेप पीड़िता शिकायत लेकर थाने पहुंची थी जहां उसे रात भर जबरन थाने में रखा गया और मारपीट की। मामला छत्तरपुर शहर का है। वहीं, इस पूरे मामले के सामने आने के बाद एक्शन लेते हुए तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मामले पर बात करते हुए कहा कि, '30 अगस्त को ये घटना हुई थी और इस मामले में तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।' इसके अलावा, नाबालिग दलित लड़की के साथ रेप के आरोप में बाबू खान नाम के शख्स को 3 सितंबर के दिन भारतीय दंड संहिता समेत यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तरहत गिरफ्तार कर लिया गया है।

शहर कोतवाली थाना प्रभारी हुए सस्पेंड

रेप पीड़िता को थाने में रात भर रखने और मारपीट के आरोप पर शहर कोतवाली थाना प्रभारी (एसएचओ) अनूप यादव, उप निरीक्षक मोहिनी शर्मा समेत सहायक उप निरीक्षक गुरुदत्त शेषा को निलंबित कर दिया है। बताया जा रहा है कि जिला बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) से रेप की शिकायत मिलने के बाद मामले को दर्ज कर लिया हया।

मुझे बाहर ले गए और बच्ची को लात-बेल्ट से पीटा- पीड़िता की मां

वहीं पीड़ता की मां ने बताया कि, 27 अगस्त के दिन बच्ची घर से बाहर खेलने के लिए गई थी लेकिन वो वापस नहीं लौटी। जिसके बाद हमने अगले दिन उसके गायब होने की शिकायत दर्ज कराई। 30 अगस्त को जब वो घर लौटी तो उसने बताया कि बाबू खाव उसे अपने साथ जबरन घर ले गया जहां उसका रेप किया। पीड़ित की मां का आरोप है कि, हम शिकायत दर्ज कराने थाने गए थे जहां दो दो पुलिसकर्मियों ने बच्ची पर दबाव बनाया कि वो अपना बयान बदल ले और उसे मारा पीटा। पीड़िता की मां ने कहा इस दौरान एक पुलिस अधिकारी मुझे बाहर ले गया और पीछे बच्ची को लात और बेल्ट से पीटा।

मंडी में कौड़ी के भाव मिलने पर किसान हुआ आगबबूला, नाले में फेंक दिया सारा लहसुन

भोपाल, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के एक किसान ने शुक्रवार को कहा कि स्थानीय मंडी में अपनी उपज के औने-पौने दाम मिलने के कारण उसने लहसुन को नाले में फेंक दिया है। क्योंकि इसकी खेती उसके लिए घाटे का सौदा साबित हुई। पश्चिमी मध्यप्रदेश, राज्य में लहसुन की खेती का गढ़ है। मांग से कहीं ज्यादा आपूर्ति के कारण स्थानीय मंडियों में लहसुन की कीमत गिरने से नाराज किसानों द्वारा अपनी फसल को यहां-वहां फेंककर नष्ट करने के वीडियो इस इलाके से लगातार सामने आ रहे हैं।

इंदौर से 15 किलोमीटर दूर माता बरोड़ी गांव के किसान विकास सिसोदिया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'मुझे इंदौर की मंडी में लहसुन का एक रुपये प्रति किलोग्राम का दाम मिल रहा था। इससे लहसुन की उत्पादन लागत, फसल तुड़वाने, इसे भंडारित करने और मंडी तक पहुंचाने का खर्च नहीं निकलता। इसलिए मैंने लहसुन की अपनी फसल को गांव के नाले में फेंकना उचित समझा।' उन्होंने दावा किया कि चार बीघा में लहसुन की खेती से उन्हें कुल मिलाकर तीन लाख रुपये का घाटा झेलना पड़ा है।

इस बीच, संयुक्त किसान मोर्चा की इंदौर इकाई के संयोजक रामस्वरूप मंत्री ने कहा कि स्थानीय मंडियों में लहसुन के दाम 50 पैसे प्रति किलोग्राम तक गिर चुके हैं, जबकि एक किलोग्राम लहसुन पैदा करने में किसान को औसतन 20 रुपये की लागत आती है। उन्होंने कहा, 'लहसुन उत्पादक किसानों की दुर्दशा की सुध लेते हुए सरकार को पश्चिमी मध्यप्रदेश से इस फसल के निर्यात के इंतजाम तुरंत शुरू करने चाहिए।

चारधाम यात्रा रूट पर अलग-अलग सड़क हदसों में 6 की मौत

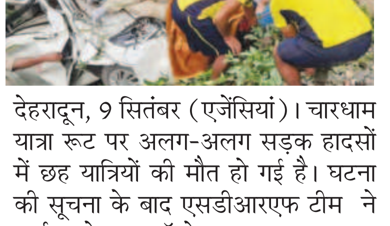

देहरादून, 9 सितंबर (एजेंसियां)। चारधाम यात्रा रूट पर अलग-अलग सड़क हादसों में छह यात्रियों की मौत हो गई है। घटना की सूचना के बाद एसडीआरएफ टीम ने सर्च व रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर घायल यात्रियों को अस्पताल पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह बदरीनाथ मार्ग पर ब्रह्मपुरी के पास एक कार गहरी खाई में गिर गई। कार में छह लोग सवार थे। सड़क हादसे में तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। एसडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर तीन घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सभी यात्री मुंबई के रहने वाले हैं। हादसे वकत सभी तीर्थ यात्री बदरीनाथ धाम दर्शन को जा रहे थे। सभी तीर्थ यात्री महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। घायलों को सरकारी अस्पताल ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। दूसरी घटना में एक मैक्स के खाई में गिरने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कोतवाली श्रीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भटौली में एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त की सूचना मिली थी। हादसे के वक्त गाड़ी में दो व्यक्ति सवार थे। रात्रि में दुर्घटना का पता न चलने के कारण सुबह गांव के लोगों को पता चला कि गाड़ी गिरी हुई है। मृतकों की पहचान अर्जुन सिंह पुत्र धर्म सिंह उम्र लगभग 35 वर्ष ग्राम भटोली और देव सिंह पुत्र स्वर्गीय बलवीर सिंह उम्र लगभग 40 वर्ष ग्राम भटौली है। यह दोनों व्यक्ति खिरसू से बडोली की तरफ अपने गांव आ रहे थे। भटौली से 500 मीटर पहले गाड़ी नंबर मैक्स गहरी खाई में गिर गई। मैक्स को को अर्जुन सिंह पुत्र धर्म सिंह चला रहा था। शव को 108 के माध्यम से मोर्चरी श्रीकोट कोड भिजवा गया है। तीसरे सड़क हादसे में विकासनगर के कोरुवा क्वार्ना मोटर मार्ग पर एक लोडर गहरी खाई में गिर गया। लोडर में सवार एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। मौके पर पहुंची एसडीआरएफ चकराता पुलिस स्थानीय लोगों ने घायल को सीएससी सैया उपचार के लिए भेज दिया है। मृतक के शव का पंचनामा पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 10 सितंबर, 2022

सुरक्षित सड़कें बनें

टाटा संस के पूर्व चेयरमैन एवं देश के जाने-माने उद्योगपति सायरस मिस्त्री अपनी सत्तर लाख की कार में सवार थे कि महाराष्ट्र के पालघर जिले में हुए सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई। उनके दुखद मौत ने मोटर वाहनों के सुरक्षा उपायों और उनके इस्तेमाल की अहमियत की ओर नए सिरे से सबका ध्यान आकृष्ट किया है। खबरों के अनुसार साइरस मिस्त्री कार में पिछली सीट पर बैठे थे और उन्होंने सीट बेल्ट नहीं बांध रखी थी। माना जा रहा है कि अगर उन्होंने सीट बेल्ट बांधी होती तो उनके बचने की प्रबल संभावना थी। देखा जाए तो अपने देश में यात्री सुरक्षा के उपायों को लेकर भारी लापरवाही बरती जा रही है। जानकारी का आलम यह है कि लोगों को अभी पता ही नहीं था कि पिछली सीट पर यात्रा करते हुए भी सीट बेल्ट बांधने की जरूरत होती है। इस एक्सीडेंट के बाद खुद केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इस बात की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पहले से ही कानून में स्पष्ट प्रावधान होने के बावजूद लोग इसका पालन नहीं करते। अफसोस है कि ट्रैफिक पुलिस भी इस पर किसी तरह की सख्त कार्रवाई से बचते नजर आते हैं। बताना जरूरी है कि सेंट्रल मोटर वीइकल रूल 138 (3) में कहा गया है कि पिछली सीट पर बिना सीट बेल्ट लगाए यात्रा करने पर 1000 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। इसके बावजूद आज तक इस कानून पालन होता नहीं नहीं दिखा है। मिस्त्री की मौत के बाद अब जरूर सरकार जागी है तो इस मोर्चे पर अगले कुछ दिनों में एक्शन दिखने की उम्मीद भी की जा रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी काम के प्रति काफी गंभीर रहते हैं, इसलिए उनके बारे में उदासीनता या लापरवाही का आरोप नहीं लगाया जा सकता। समय-समय पर वह इन मसलों पर न सिर्फ बोलते रहे हैं बल्कि कार निर्माताओं से भी सुरक्षा के उपाय बढ़ाने की अपील भी करते रहे हैं। अब तक के परिणाम बताते हैं कि बयान, सुझाव और अपील का कोई खास असर नहीं पडा है, इसलिए अब नियम कानूनों के अलावा दंडात्मक कार्रवाई का भी सहारा लेने की जरूरत हो चली है। सरकार ने संकेत भी दिया है कि सीट बेल्ट न लगाने वालों के साथ सख्ती बरती जाएगी बल्कि कम से कम छह एयरबैग और पिछली सीटों के लिए भी सीट बेल्ट अलार्म सभी गाड़ियों में लगाना अनिवार्य करने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि कार कंपनियों की दलील है कि महंगे स्लॉट वाली गाड़ियों में तो यह पहले से ही लगाया जाता रहा है लेकिन छोटी गाड़ियों में इसे लगाएंगे तो कार की लागत काफी बढ़ जाएगी, जिससे बिक्री पर बुरा असर पड़ सकता है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों के मामले में दुनिया में पहले नंबर पर है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2021 में देश में 1.55 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए। मतलब रोज 426 और हर घंटे 18 मौतें। देखा जाए तो हर लिहाज से यह बहुत ज्यादा है। सरकार अगर 2024 तक इस संख्या को आधा करने का लक्ष्य लेकर चल रही है तो इस पर हर नागरिक को खुश होना चाहिए, लेकिन इसे संभव बनाने के लिए लोगों में जागरूकता और मोटर वाहनों के सुरक्षा उपायों के अलावा सड़कों को सुधारने पर भी गंभीरता से काम करना होगा। देश में सडकों की हालत किसी से छिपी तो नहीं है। गडढों की भरमार है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होने का डर बना रहता है। वाहनों के कल पुर्जे अलग से ढील हो रहे हैं। दुर्घटना रोकने के लिए सडकों के निर्माण में आधुनिक तकनीक की जरूरत है।

सेंसर की कैंची

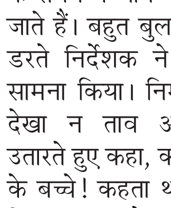

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सिनेमा निर्माता साहब बड़े मायूस है। बड़ी मुश्किल से एक फिल्म बनाई। सोचा खूब कमायेंगे। बॉयकॉट चलन के चलते उन्हें कुछ सूझ नहीं रहा था। वे बड़े परेशान थे। माथे पर हाथ धरे निर्देशक की प्रतीक्षा कर रहे हैं। प्रशंसा पाने के लिए बिन बुलाए दौड़ने वाले डाँट-फटकार के समय न जाने कहाँ गायब हो जाते हैं। बहुत बुलाने पर डरते-डरते निर्देशक ने निर्माता का सामना किया। निर्माता ने आव देखा न ताव अपनी भड़ास उतारते हुए कहा, क्यों रे निर्देशक के बच्चे! कहता था युवाओं पर फिल्म बनाओ। तेरा कहना मानकर युवाओं पर फिल्म बनाई। नाम भी रखा – छोरा-छोरी बड़े मनमौजी। इधर सिनेमा का पोस्टर लगने कि देरी थी उधर कॉलेज के लड़कों ने फाड़-फाड़कर उसका कचूमर बना दिया। अब वे हमें ढूँढ़ रहे हैं। निर्माता-निर्देशक के डाउन-डाउन के नारे लगाए जा रहे हैं। एक बार हम उन्हें मिल जाएँ तो अपने हाथों की खुजली मिटाने में देर नहीं लगायेंगे। निर्देशक ने कहा, निर्माता साहब आप बेवजह इतना घबरा रहे हैं। ये कॉलेज के छात्र दो तरह के होते हैं। एक वे जो खुद से दंगा करते हैं और दूसरे वो जो दूसरों के भड़काने पर करते हैं। दंगा दोनों में होता है बस पढ़ाई कहीं नहीं होती। इसलिए फिल्म देखने वे जरूर आयेंगे। ये ऊपर से कुछ और भीतर से कुछ होते हैं। निर्माता ने कहा, सिनेमा में कहानी के सिवाय सब कुछ है। यहाँ तक कि रील से लेकर रियल तक केवल अश्लीलता ही अश्लीलता है। अब ऐसे में फिल्म बैन करने की माँग नहीं करेंगे तो हमारे मंदिर बनायेंगे। सिनेमा का नाम जो है सो है। ऊपर से कैप्शन रखा – छोड़ पढ़ाई करता है जी। ऐसे कैप्शन के चलते बच्चों के माता-पिता हमारी खातिरदारी करने के लिए चौका-बेलन लिए जहाँ-तहाँ खड़े हैं। निर्देशक ने कहा कि फिल्म अभी रिलीज भी नहीं हुई तो यह हाल है, सोचो रिलीज हो जाएगी तो कितना कमायेंगे। मुफ्त का प्रचार। हम यही तो चाहते हैं। कैसा प्रचार काहे का प्रचार? पुलिस ने तबियत से हमारी पूछताछ की है। चार घंटे में तो वे हमारा सिनेमा दो बार देख लेते। किंतु उन्होंने यह कहते हुए मेरा प्रस्ताव ठुकरा दिया कि सिनेमा वाले रील के लिए ड्रामा करते हैं, जबकि पुलिस वाले रियल के लिए। इसलिए उनके लिए फिल्म में कुछ खास मजा नहीं होता, निर्माता ने कहा। इस पर निर्देशक ने कहा, यह तो बहुत अच्छी बात है। जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं, वे अश्लीलता भड़ासुओं को देखने के लिए मजबूर कर रहे हैं। आज अच्छाई देखने का जमाना लद चुका है। हर जगह बुराई का बोलबाला है। अब बुराई की कमाई अच्छाई से कहीं ज्यादा है। निर्माता ने कहा, बात तो तुम्हारी सही है। लेकिन सेंसर वालों की कैंची जब चलती है तो सारी बुराई काटकर अपने लिए रख लेते हैं। उनकी कैंची सी बची फिल्म देखकर दर्शक अपनी कैंची न चला दें, इसी का डर सता रहा है। निर्देशक ने कहा, बात तो आपकी सही है। सेंसर की कैंची से पब्लिक की कैंची अधिक धारदार होती है।

क्वीन एलिजाबेथ की शाही जिंदगी

कोहिनूर जड़ा 4,500 करोड़ का ताज; 775 कमरे और 78 बाथरूम वाले महल में रहती थीं

स्कॉटलैंड के 'बाल्मोरल कैसल' में 8 सितंबर को ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने अंतिम सांस ली। करीब 50 हजार एकड़ में फैले 1,116 करोड़ रुपए के इस भव्य किले की मालकिन क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय ही थीं। ये किला तो महज एक बानगी है। लंदन की रॉयल फैमिली और क्वीन की शाही जिंदगी में ऐसे कई महल, ताज, बग्घी, गाड़ियां थीं। हम आज उन्हीं के बारे में बता रहे हैं। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन की रॉयल फैमिली के सबसे बड़े पद पर बैठने वाले राजा या रानी के नाम कुल 28 बिलियन डॉलर, यानी 2.23 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है। इनमें दो तरह की संपत्ति होती है। पहलाः राज परिवार के सबसे बड़े पद 'द क्राउन' के नाम पर संपत्ति। दूसराः उस पद पर बैठने वाले राजा या रानी की निजी संपत्ति।

इसे ऐसे समझिए कि बकिंघम पैलेस का किला राज परिवार के सबसे बड़े पद 'द क्राउन' के नाम की संपत्ति है, जबकि स्कॉटलैंड का 'बाल्मोरल कैसल' एलिजाबेथ द्वितीय की निजी संपत्ति है। जो अब उनके बेटे के नाम होगी। क्राउन के नाम पर जो संपत्ति है, वह इस पद पर बैठे व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं होती है और ना ही यह संपत्ति सरकार की होती है। इस संपत्ति पर क्राउन स्टेट बोर्ड का कंट्रोल होता है। ब्रिटेन के राजा या रानी के नाम पर जो कुल 2.23 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है, उनमें क्या-क्या है...? राजा या रानी के क्राउन पद के नाम पर संपत्तिः 1.55 लाख करोड़ रुपए। बकिंघम पैलेस की कुल कीमतः 39 हजार करोड़ रुपए। डची ऑफ कॉर्नवाल के नाम पर संपत्तिः 10 हजार करोड़ रुपए। केनसिंग्टन पैलेस की कीमतः 5 हजार करोड़ रुपए। डची ऑफ लैंकास्टर

के नाम पर संपत्तिः 5.96 हजार करोड़ रुपए। स्कॉटलैंड में क्राउन के नाम पर कुल संपत्तिः 4.71 हजार करोड़ रुपए। क्वीन एलिजाबेथ के पास 4 हजार करोड़ की निजी संपत्ति है। इनमें उनका निवेश, आर्ट, कीमती पत्थर और रियल एस्टेट शामिल हैं। सैंडरिंघम हाउस और बाल्मोरल किला भी रानी की निजी संपत्ति है। क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के ग्लैमरस और लग्जरी लाइफ का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जिस बकिंघम में वह 70 साल रहीं, उसमें 775 कमरे और 78 बाथरूम हैं। यही नहीं क्वीन के ताज को 2900 कीमती पत्थरों से सजाया गया था। इस ताज की कीमत करीब 4500 करोड़ रुपए है। इस ताज में भारत का कोहिनूर हीरा भी जड़ा है।

1849 में सिखों से हुए दूसरे युद्ध के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी ने सिख साम्राज्य के साथ कोहिनूर हीरे पर भी कब्जा कर लिया था। बाद में लॉर्ड डलहौजी ने कोहिनूर ब्रिटिश महारानी विक्टोरिया के लिए भेज दिया। ताज के साथ अगर रानी के पास मौजूद दूसरे कीमती पत्थरों की कीमत जोड़ें तो वह करीब 31 हजार करोड़ रुपए है। यही नहीं अलग-अलग कलर के एलिजाबेथ के पास 200 से ज्यादा हैंडबैग थे, जिसे अक्सर अपने साथ लेकर वह बाहर निकलती थीं। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को लैंड रोवर कार बेहद पसंद थी, जिसका नाम डिफेंडर था। क्वीन एलिजाबेथ की शाही बग्घी। 4 टन की इस बग्घी को 8 घोड़े खींचते थे। क्वीन का कहना था कि इस पर सफर करना बहुत मुश्किल भरा होता है। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक 2020 में राज परिवार से जुड़े संपत्ति से 3.78 हजार करोड़ रुपए की आमदनी हुई थी। जिसका केवल 25% हिस्सा शाही परिवार को मिला बाकी 75% हिस्सा ब्रिटिश ट्रेजरी में गया था।

ब्रिटेन की रॉयल फैमिली के कई शाही रिवाज भी हैं। शाही परिवार के ये परंपरागत रिवाज इतने मजबूत होते हैं कि उन्हें तोड़ पाना किसी के लिए भी मुश्किल होता है। ऐसे ही 3 रिवाजों और उससे जुड़ी घटनाओं के बारे में हम बता रहे हैं...। ब्रिटेन के रॉयल फैमिली के सदस्यों को किसी से प्यार होता है तो प्रपोज करने से पहले रानी की अनुमति लेनी होती है। हालांकि प्रिंस हैरी और मेगन मर्केल का रिश्ता अपवाद है। दरअसल, शाही परविार और क्वीन इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं थे कि प्रिंस हैरी उस महिला से शादी करें, जो पहले से तलाकशुदा है, लेकिन हैरी इस रिश्ते से पीछे हटने को तैयार नहीं थे और अंत में क्वीन ने इसकी मंजूरी दे दी।

रॉयल फैमिली का एक रिवाज यह भी है कि सार्वजनिक मौकों पर कोई भी महारानी या राजा से आगे नहीं चल सकता है। यहां तक कि उनके पति प्रिंस फिलिप भी उनसे कुछ कदमों की दूरी पर चलते थे। हालांकि, जुलाई 2018 में एक सार्वजनिक समारोह में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आगे नकिल गए थे। इस वजह से उन्हें आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा था।

एक रिवाज यह भी है कि रॉयल फैमिली के किसी सदस्य की मौत पर राजपरिवार के सभी लोग काले रंग का कपड़ा पहनते हैं। 1952 में जब किंग जॉर्ज-VI की मौत हुई थी तो महारानी एलिजाबेथ द्वितीय अपने पति प्रिंस फिलिप के साथ केन्या के दौरे पर थीं। जब उन्हें इस बात की सूचना मिली थी तो शोक में शामिल होने के लिए उनके पास ब्लैक ड्रेस नहीं थी। इसलिए लंदन वापसी करते समय उन्हें दूसरे रंग के कपड़ों में लौटना पड़ा था।

महारानी एलिजाबेथ II ने 6 फरवरी 1952 को पिता किंग जॉर्ज की मौत के बाद ब्रिटेन का शासन संभाला। तब उनकी उम्र सिर्फ 25 साल थी। तब से 70 साल तक उन्होंने शासन किया। उन्होंने 2 दिन पहले ब्रिटेन की 15वीं पीएम लिज ट्रस को शपथ दिलाई थी। वे ब्रिटेन के इतिहास में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली पहली महिला सम्राट हैं ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद अब कई शाही प्रतीक बदले जा सकते हैं। फ्लैग, नोट, सिक्के में अभी तक महारानी की अलग-अलग तस्वीर होती थी। अब इसे हटाकर नए किंग बने प्रिंस चार्ल्स की फोटो लगाए जाने की उम्मीद है।

15 देशों की सिंबॉलिक महारानी थीं एलिजाबेथ-II, रोज मिलता था सरकारी काम का ब्योरा

एलिजाबेथ सिर्फ ब्रिटेन ही नहीं, 14 अन्य आजाद देशों की भी महारानी थीं। ये सभी देश कभी न कभी ब्रिटिश हुकूमत के अधीन रहे थे। 3 बार भारत आईं एलिजाबेथ-II, रिपब्लिक डे पर शाही मेहमान बनीं दिवस की परेड में भी शामिल हुई थीं। उनके साथ प्रिंस फिलिप भी थे। प्रिंस चार्ल्स बने ब्रिटेन के नए किंग, 24 घंटे के भीतर सौंपा जाएगा ताज एलिजाबेथ-II के निधन के बाद उनके बेटे प्रिंस चार्ल्स नए किंग बन गए हैं। अब उन्हें किंग चार्ल्स-III के नाम से जाना जाएगा। महारानी के निधन के 24 घंटों के भीतर लंदन स्थित सेंट जेम्स पैलेस में एक सेरेमोनियल बॉडी के बीच चार्ल्स को आधिकारिक तौर पर राजा घोषित किया जाएगा।

संघर्षों से ही मिलती है कामयाबी

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

आत्महत्या कभी भी किसी भी समस्या का हल नहीं हो सकता। जीवन बहुत अनमोल है, दुनिया भर की दौलत लूटा कर भी हम एक पल का जीवन खरीद नहीं सकते है। जिंदगी का मोल उससे पूछो जिनके पास चन्द लम्हो का जीवन बचा हों और वो खूब जीना चाहते है। जिंदगी जिंदादिली का नाम है, और आत्महत्या कायरता और बुजदिली का नाम है। हमारी जिंदगी दूसरों की देन है, इसे खत्म करने का हक़ हमे नहीं है। विश्व के सभी प्रकार के प्राणियों में मनुष्य ही एक ऐसा सामाजिक प्राणी है जो अन्य प्राणियों के मुकाबले शारीरिक और मानसिक तौर मजबूत होकर भी आत्महत्या जैसा गलत कदम उठाता है। समय लगातार परिवर्तनशील है, वो कभी भी एक सा नहीं रह सकता, समय बलवान है, यह हर चीज सीखा देता है, वक्त अच्छा हो या बुरा, बदलेगा जरूर। बहुत बार बुरे वक्त के लिए मनुष्य खुद जिम्मेदार होता है जैसे - गलत काम, नियमों की अवहेलना, असभ्य व्यवहार, संस्कारों से दूरी, अपराध, भावनाओं में बह जाना, बिना सोचे-समझे निर्णय लेना, दुसरो पर निर्भरता या जरुरत से ज्यादा विश्वास, लापरवाही, लत, नशाखोरी, गलत संगत, दिखावा, लालच, सहनशीलता और संतोष की कमी, नकारात्मक विचार या खुद को कमजोर समझना, गुस्सैल स्वभाव व अन्य अनेक बातें हमें तकलीफदेह परिस्थिति में डाल देती है। जिंदगी में एक बात कभी मत भूलना कि गुस्से और ख़ुशी में भावनाओं में बहकर कभी भी कोई निर्णय या वादा ना करें। दुनिया भर में हर साल 10 सितम्बर "विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस" के रूप में मनाया जाता है, इस दिवस का उद्देश्य दुनिया भर में आत्महत्या की रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। एक वर्ष में साधारणत 703,000 लोग समस्याओं से घबराकर या निराशा में आत्महत्या करते हैं। प्रत्येक आत्महत्या के पीछे, आत्महत्या का प्रयास करने वाले 20 अन्य लोगों के होने की संभावना है। इस वर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की थीम, ₹कार्रवाई के माध्यम से आशा जगाना₹, यह है। हम सभी लोग अपने-अपने स्तर पर, एक परिवार के सदस्य, मित्र, सहकर्मी, आस-पडोसी, व्यावसायिक, अधिकारी, सामाजिक राजनीतिक नेता और सरकार के तौर पर आत्महत्या को रोकने के लिए कार्रवाई कर सकते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट अनुसार 2021 में, देश में 1,64,033 आत्महत्या के मामले देखे गए। विश्व में खेल, सिनेमा, व्यापार, विज्ञान, शिक्षा ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां पर दिव्यांग व्यक्तिगणों ने अपनी कला का लोहा न मनवाया हो। स्टीफन हॉकिंग दिव्यांग होकर भी दुनिया के सबसे प्रसिद्ध विद्धवान वैज्ञानिकों में से एक थे। कमी ढूंढने से मिलती है लेकिन जिनके हौसले बुलंद होते है, उन्हें हर चीज अपने कदमो तले नजर आती है, इंसान को कामयाब होने के लिए सकारात्मक सोच और मजबूत इरादों की जरुरत होती है। संघर्ष जीवन का हिस्सा है, बस किसी का संघर्ष कम या अधिक होता है, इसके बगैर जीवन का मोल हमें समझ नहीं आता। गलत रास्ते पर चलने के लिए डर कर जीना होता है, लेकिन जो सच्चाई के मार्ग पर होता है वो हर दम निडर और भयमुक्त जीवन जीता है। माना कि आजकल हर ओर समस्याओं का अंबार नजर आता है, परन्तु लोग जो गलती करे जरुरी नहीं की हम भी वही गलती दोहराये। काम छोटा हो या बड़ा अगर काम ईमानदारी का है तो लोकलाज का विचार मन में कभी न लाये। इतिहास भरा पड़ा है संघर्षमय गाथाओं से, इतिहास उन्हें ही याद रखता है जो विपरीत परिस्थितियों में भी अडिग रहकर लक्ष प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहे। छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा गांधी आजादी के लिए जान न्योछावर करने वाले क्रांतिकारी भगत सिंह, स्वतंत्रता सैनिक, समाज की बुराई से लड़नेवाले डॉ. बी. आर. आंबेडकर, नारीशक्ति के लिए शिक्षा की ज्योत जलानेवाली सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले, समाज में फैली कुरीतियों से लड़नेवाले समाज सुधारक संत, महात्मा, महापुरुष कभी किसी मुश्किलों से घबरायें नहीं, अपने लक्ष्य पर डटे रहे और सामाजिक परिवर्तन लाकर इतिहास रचा। एक अति सामान्य ग्रामीण व्यक्ति दशरथ मांझी ने अकेले पहाड़ खोदकर लोगों के लिए रास्ता बनाया और दुनिया के सामने मिसाल पेश की। जब एक व्यक्ति अपनी जान लेता है तब वह अपने साथ परिवार, रिश्तेदार, दोस्त, सग्गे-सम्बंधी, आस-पड़ोस, समाज को भी कमजोर कर समस्याएं छोड़ जाता है। आज भी देश के जवान कड़कड़ाती धूप, बारिश, ठंड और बर्फीले मौसम में अपनी जान की परवाह किये बगैर देश की सुरक्षा में सर्वदा तत्पर रहते है, मौत सामने होकर भी अपने फर्ज से पीछे नहीं हटते है। जवान शहीद होकर भी हमारे दिलों में जिंदा रहते है। समस्या किसे नहीं होती, दुनियाभर में हर साल बाढ़, तूफान, अकाल, भूस्खलन, भूकंप व अन्य नैसर्गिक आपदाएं करोड़ों लोगो की जिंदगी प्रभावित करती है। लाखों लोग सड़क पर जिंदगी गुजारते है, करोडों लोग भूख और आधारभूत सुविधाओ के अभाव में जी रहे हैं। कोई अनाथ है, तो कोई बीमार है, सबकी अपनी-अपनी समस्याएं है। हमसे भी ज्यादा लोग परेशानियों का सामना कर रहे है। लोगों की दास्तानें सुनेंगे तो आप अपना गम भी भूल जायेंगे, ऐसा लोगों का संघर्ष है। जिंदगी में कभी भी निराशा से घिरकर उम्मीद का दामन ना छोड़े, हमेशा सकारात्मक विचार और अपनी मेहनत, काबिलियत पर भरोसा करें। मन के हारे हार है, मन के जीते जीत, इसलिए एक बात हमेशा ध्यान में रखिए की मन से कभी हारना नहीं है। जितना संभव हो निस्वार्थता से परोपकार की भावना बनाए रखें। बुरी आदतों से दूर रहें, हमेशा सकारात्मक विचारों वाले लोगों के साथ रहें, प्रकृति और पशु-पक्षी से जुड़ाव बनाये रखें क्योंकि यह मानसिक शांति को बनाये रखने में मदद करते है। संस्कारशील व्यवहार और हमेशा बड़ों का सम्मान होना ही चाहिए। स्वास्थ्यकर खाना और शारीरिक खेल खेलें, यह शरीर और मन को स्फूर्ति और तनावमुक्त रखने में सहयोगी है।

भारत-बांग्ला प्रेमालाप

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्तमान भारत-यात्रा का महत्व क्या हमारे पड़ोसी देश समझ पा रहे हैं? पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और मालदीव में जैसी अफरातफरी आजकल मची हुई है, ऐसी पिछले 75 साल में कभी नहीं मची। ये सभी भारत के पड़ोसी देश चीन के चक्रव्यूह में फंसकर गदगद थे। किसी देश में चीन बंदरगाह बना रहा है, किसी में हवाई अड्डे बना रहा है, किसी में सड़कें, रेलें और पुल बन रहे हैं और कहीं चीन लंबी अवधि के लिए द्वीप के द्वीप लीज पर लेकर सैनिक अड्डे खड़े कर रहा है लेकिन कुछ ही वर्षों में हमारे इन पड़ोसी देशों को पता चल गया है कि वे चीनी कर्जे के बोझ के नीचे दबते चले जा रहे हैं और ठोस उपलब्धि के नाम पर शून्य नजर आ रहा है। यों तो बांग्लादेश की स्थिति अन्य पड़ोसियों के मुकाबले बेहतर है और शेख हसीना के शासन-काल में उसकी सर्वाविध उन्नति भी काफी हुई है लेकिन बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था भी डगमगाने लगी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आगे झोली फैलाने की नौबत अब बांग्लादेश पर भी आन पड़ी है। हसीना सरकार के विरोधी उस पर जमकर हमला बोल रहे हैं। प्रदर्शनों, जुलूसों और हड़तालों का दौर-दौरा शुरू हो गया है। ऐसे विकट समय में प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत-यात्रा का महत्व अपने आप असाधारण बन जाता है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश के प्रति प्रारंभ से ही अत्यंत स्नेहपूर्ण रवैया अपनाया है। उन्होंने प्राकृतिक संकट का मुकाबला करने के लिए बांग्लादेश की जो मदद प्रधानमंत्री बनते से ही की थी, उसे बांग्ला जनता अभी तक याद करती है। शेख हसीना की इस भारत-यात्रा के दौरान कुशियारा नदी के बारे में जो समझौता हुआ है, उससे दोनों देशों को लाभ होगा! तीस्ता नदी के बारे में भी रचनात्मक संकेत दोनों तरफ से मिले हैं। बांग्लादेश और भारत के बीच छोटी-मोटी 54 नदियां हैं। दोनों देशों के बीच 4000 किमी की सीमा है। बांग्लादेश आजकल ब्रिटेन की तरह भयंकर ऊर्जा-संकट से गुजर रहा है। दो बिलियन डॉलर की लागत से खुलना में बनने वाले बिजलीघर का दोनों नेताओं ने उद्घाटन भी किया। इसमें भारत 1.6 बिलियन डॉलर लगाएगा। इसके अलावा बांग्लादेश की रेलवे और सड़कों के निर्माण में भी भारत जमकर मदद करेगा। भारत लगभग 500 मिलियन डॉलर की मदद प्रतिरक्षा उपकरणों के लिए भी दे रहा है। बांग्लादेश को भारत तरह-तरह की फौजी सामान देने में भी सक्रिय सहयोग कर रहा है।इस समय भारत का पूरे दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा व्यापार बांग्लादेश के साथ है। पिछले साल आपसी व्यापार सिर्फ 10.78 बिलियल डॉलर का था। इस साल वह 44 प्रतिशत बढ़कर 18.13 बिलियन डॉलर का हो गया है। दोनों देश मिलकर अब एक वृहद व्यापार समझौते की तैयारी भी कर रहे हैं। दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ भी कटिबद्ध हैं। शेख हसीना को अपने सांप्रदायिक तत्वों के साथ जरा सख्ती बरतने की भी जरूरत है।

कैसे रुके अपराध, जब बिकाऊ है पुलिस का इकबाल!

मनोज कुमार अग्रवाल

पुलिस की काली कमाई कानून व्यवस्था पर भारी है। यही वजह है कि तमाम क्राइम ड्राइव अपराध उन्मूलन अभियान नाकाम हो जाते हैं और सरेआम हापुड़ सिविल कोर्ट के गेट पर पुलिस कस्टडी में भी सशस्त्र बदमाश एक व्यक्ति की दिन दहाड़े हत्या कर सुरक्षित फरार हो जाते हैं सरेआम लूट छिनैती की वारदातें घटित होती हैं खुलेआम टोल ब्रिज पर अवैध खनन माफिया के एक दर्जन से अधिक रेत भरे वाहन बैरियर को तोड़कर धड़धड़ाते निकल जाते हैं। क्योंकि खनन माफिया को यकीन है कि चंद सिक्को पर पुलिस के इकबाल को खरीद कर जब रेत खनन किया जा सकता है तो बैरियर तोड़ने पर भी कानून उन के खिलाफ क्या करेगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बैरियर तोड़ कर निकलते अवैध खनन के रेत से भरे वाहनों का विडियो सौशल मीडिया पर वायरल किया साथ मे व्यंग्य किया - लो देख लो डबल इंजन की सरकार। जब विडियो वायरल हुआ तो पुलिस अधिकारियों को थोड़ा लिहाज आई पांच थानों की पुलिस रेत माफिया की घेराबंदी करने के बाद सिर्फ़ एक चालक को हिरासत में लेकर अपनी पीठ ठोकती नजर आई क्या यही है यूपी पुलिस का इकबाल? इस पर एक पूर्व आइपीएस अधिकारी ने यूपी पुलिस की कथित वायरल वसूली लिस्ट के मुद्दे को उठा कर फजीहत बढ़ाने का काम किया है। यह चर्चा का विषय बन गयी है । इस बार वाराणसी के चौक थाने से जुड़ी पियरी चौकी की लिस्ट वायरल है। चौक वही थाना है जिसके अंतर्गत काशी विश्वनाथ मंदिर ज्ञानवापी मस्जिद का इलाका आता है। वाराणसी का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र साड़ी की गद्दियां भी ज्यादातर इसी थाने के इलाके में हैं। अमिताभ ठाकुर ने लिस्ट को ट्वीट करते हुए शिकायत की इस पर वाराणसी पुलिस कमिश्नर ने संज्ञान लिया है। तत्काल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इससे पहले भी वाराणसी के चितईपुर थाने और पड़ोसी जिले चंदौली के मुगलसराय थाने की लिस्ट सामने आई थी। मिली जानकारी के अनुसार पूर्व आईपीएस अफसर और अधिकार सेना के संयोजक अमिताभ ठाकुर ने ट्वीट कर चौक थाने के पियरी चौकी से संबंधित कथित तौर पर वसूली सूची जारी की है। इस सूची में ज्यादातर नाम एक ही वर्ग के भी दिखाई दे रहे हैं। अमिताभ ठाकुर ने आरोप लगाया है कि उन्हें विश्वस्त सूत्रों से यह सूची प्राप्त हुई है। यह सूची अगस्त 2022 की वसूली की सूची बताई गई है। इस सूची में कई लोगों के नाम और उनसे प्राप्त धनराशि अंकित है। अमिताभ ठाकुर के अनुसार सूचना देने वाले ने बताया कि इसमें कई अपराधियों के नाम भी हैं, जिसमे एक अपराधी कुछ दिन पहले ही जेल से छूटा है। अमिताभ ठाकुर ने इसकी शिकायत पुलिस आयुक्त से की है। जांच कर कार्रवाई की मांग की है। आयुक्त ए सतीश गणेश ने इसकी जांच डीसीपी काशी जोन को सोंप दी है। अब चूँकि यह लिस्ट साधारण कागज पर बिना किसी सरकारी चिह्न या दस्तखत के है तो जाहिर है इस को देर सवेर जांच की औपचारिकता पूरी करते हुए फर्जी या झूठा करार दे दिया जाएगा क्योंकि पुलिस अपनी जांच रिपोर्ट में स्वयं अपने अधीनस्थों को भ्रष्टाचारी करार दे कर देश भर में प्रदेश पुलिस की फजीहत कराने की जोखिम नहीं ले सकती है वही इतना सच इकबाल करने का साहस भी किसी पुलिस अधिकारी में नहीं है।

लेकिन आरोप लगाया गया है तो उसका सफलता पूर्वक खंडन करने के लिए जांच की खानापूर्ति जरूरी है। बहरहाल यह कौन नहीं जानता कि पुलिस का एक अपना अर्थशास्त्र का चलन जोरों पर है। सूत्रों के अनुसार अधिकांश थानों की पगड़ी तय होती है थाने कोतवाली का प्रभार उसी को सोंपा जाता है जो उसे अदा करता है यह पगड़ी इलाके में चलने वाली गैर कानूनी गतिविधियों कारोबार के आधार पर तय होती है साल दर साल इसमें महंगाई दर जोड़ कर इजाफा कर दिया जाता है। जो थाना प्रभारी सही ढंग से सुविधा शुल्क अदा करता रहता है उसकी कुर्सी टिकी रहती है जो अदा नहीं कर पाता उसे मुख्यालय अथवा कार्यालय से संबद्ध कर डैडसीट पर बैठा दिया जाता है। बताया जाता है कि पुलिस के अवैध वसूली के अनेक रास्ते हैं शराब के ठेको से लेकर होटल मोटलस बैंकट हाल संचालन और फैक्ट्री संचालन, अवैध पशुकटान, अवैध खनन अवैध वाहन कटान, अवैध निर्माण,वाहन संचालन. पैठ व साप्ताहिक बाजार अवैध शराब की बिक्री व जुए सट्टे के संचालक डगगामार वाहन आदि खास है।

पितरों के श्राद्ध और तर्पण का महापर्व

भादौ पूर्णिमा से आश्विन अमावस्या तक रोज किए गए जाएंगे पितरों के लिए शुभ कर्म

आज भाद्रपद मास की अंतिम तिथि पूर्णिमा है। इस दिन से 25 सितंबर तक रोज पितरों के लिए श्राद्ध, तर्पण आदि शुभ काम किए जाएंगे। 11 सितंबर से पितृ पक्ष शुरू हो रहा है। पूर्णिमा तिथि के श्राद्ध भादौ पूर्णिमा पर किए जा सकते हैं।

शनिवार, 10 सितंबर को प्रौष्ठपदी का श्राद्ध होगा। पितृ पक्ष 11 सितंबर से 25 सितंबर तक रहेगा। पंचाग भेद होने से इस बार द्वितीया और तृतीया तिथि का श्राद्ध 12 सितंबर को एक ही दिन में रहेगा।

16 सितंबर को श्राद्ध की कोई तिथि नहीं रहेगी। तृतीया तिथि का श्राद्ध 12 सितंबर को होने से चतुर्थी 13 को, पंचमी 14 को, षष्ठी का श्राद्ध 15 तारीख को रहेगा। 16 सितंबर को भी पूरे दिन षष्ठी तिथि रहेगी। इसलिए सप्तमी का श्राद्ध 16 तारीख को छोड़कर 17 सितंबर को किया जाएगा।

श्राद्ध से जुड़ी ये बातें भी हैं जरूरी

11 सितंबर को चंद्र के मीन राशि में आते ही श्राद्ध पक्ष शुरू होगा। गुरु भी मीन राशि में रहेगा। शनि मकर में, सूर्य सिंह में और बुध कन्या राशि में रहेगा। पितृ पक्ष की अंतिम तिथि यानी सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या यानी 25 सितंबर को सूर्य-चंद्र कन्या राशि में रहेंगे। अमावस्या पर उन लोगों का श्राद्ध किया जाता है, जिनकी मृत्यु तिथि की जानकारी नहीं होती है।

17 सितंबर को महालक्ष्मी व्रत किया जाएगा और इसी दिन कन्या संक्राति रहेगी। सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करेगा।

मृत्यु तिथि के अनुसार करना चाहिए श्राद्ध कर्म

पितृ पक्ष में घर-परिवार के मृत लोगों को याद किया जाता है, उनके लिए धूप-ध्यान और श्राद्ध आदि किए जाते हैं। जिस व्यक्ति की मृत्यु जिस तिथि पर होती है, पितृ पक्ष की उसी तिथि पर श्राद्ध किया जाता है। मृत्यु की तिथि मालूम न हो तो अमावस्या पर श्राद्ध कर्म करना चाहिए।

अगर किसी व्यक्ति की असमय मृत्यु हुई हो, हत्या हुई हो, दुर्घटना में, कुएं या ऊंचाई से गिरने से मृत्यु हुई हो, सांप के काटने पर मृत्यु हुई हो तो ऐसे लोगों का श्राद्ध पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर करना चाहिए। ये तिथि 24 सितंबर को रहेगी।

दोपहर में करना चाहिए धूप-ध्यान

पितृ पक्ष में दोपहर के समय धूप-ध्यान करना चाहिए। पं. शर्मा के मुताबिक दोपहर का समय पितरों के लिए धूप-ध्यान करने का रहता है। गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं और उनके अंगारों पर पितरों का ध्यान करते हुए गुड़-घी डालें। हथेली में जल भरें और अंगूठे की ओर से पितरों को अर्पित करें। इस तरह सामान्य विधि से भी पितरों के लिए धूप-ध्यान कर सकते हैं।

गणेश जी की इस मूर्ति के सामने विफल हो गए थे तोप के गोले

पानी में भी नहीं गली मिट्टी की मूर्ति

राजस्थान के सीकर जिले में फतेहपुरी गेट स्थित विजय गणेश मंदिर की मूर्ति का अपने आप में अनोख इतिहास रहा है। यहां कभी दुश्मन सेना के तोप के गोले भी विफल हो गए थे। इतना ही नहीं, गणेश जी की मिट्टी की मूर्ति पानी में भी नहीं गली थी।

तोप के गोले हो गए थे विफल, तो कहलाए विजय गणेश

इतिहासकार महावीर पुरोहित के अनुसार, फतेहपुरी गेट स्थित गणेश जी विजय गणेश कहलाते हैं, जिसका संबंध सीकर व कासली में अतीत में हुए युद्ध से है। वे बताते हैं कि 1840 में सीकर में राव देवी सिंह के शासन में कासली का शासक महाबली पूरणमल था, जिसने मुल्तान के अजय पहलवान को हराकर कासली की जागीर बादशाह जहांगीर से तोहफे में प्राप्त की थी। राजा पूरणमल ताकत के मद में चूर होने के कारण सीकर के नानी दरवाजे तक पहुंचकर राव देवी सिंह को भी युद्ध की चुनौती देता था।

राव देवी सिंह ने किया था हमला इससे गुस्साये राव देवी सिंह ने कासली पर हमला कर दिया, पर युद्ध में सीकर सेना द्वारा दागे गए तोप सारे गोले कासली में विफल होते रहे, जिसके कारण गुप्तचरों ने राव देवी सिंह को कासली में विघ्न हरण गणेश जी की मूर्ति का होना बताया। इसके बाद पुरोहितों के कहने पर राव देवी सिंह ने रणभूमि में ही विघ्न हरण गणेश जी का ध्यान किया। भगवान से पूरणमल के अत्याचारों का जिक्र करते हुए उन्होंने जनकल्याण के लिए अपनी विजय की कामना गणेशजी से की। साथ ही युद्ध जीतने पर उसी मूर्ति को सीकर में स्थापित करने का संकल्प भी लिया।

इतिहासकार के अनुसार इसके बाद देवी सिंह के हर वार सटीक बैठे और वे युद्ध जीत गए। जिसके बाद विघ्न हरने वाले उन्हीं गणेशजी को सीकर में विजय गणेश के रूप में प्रतिष्ठित किया गया। जो आज भी नगर के अराध्य देव हैं।

पानी में नहीं गली मिट्टी की मूर्ति, 250 साल पुरानी

विजय गणेश जी की मूर्ति का एक चमत्कार इसका पानी में भी नहीं गलना है। मंदिर सालों से निचले इलाके में होने के कारण बरसाती पानी में पूरा डूब जाता है। पर इसके बावजूद भी मिट्टी की बनी इस मूर्ति पर कभी खरोंच तक नहीं आई है।

हालांकि पिछले कई सालों से इस मूर्ति को पानी से बचाए रखने का प्रबंध कर दिया गया है। इतिहासकार पुरोहित के अनुसार विजय गणेशजी की मूर्ति 250 सालों से भी ज्यादा पुरानी है जो कासली से भी पहले पाटोदा में थी। जहां भी इसने कई चमत्कार दिखाये।

गौतम बुद्ध से शिष्य ने पूछा उपदेश देने वाला ऊपर और सुनने वाला हमेशा नीचे क्यों

गुरु के बिना ज्ञान नहीं मिलता है। माता-पिता के बाद गुरु ही हमें सही-गलत का अंतर बताते हैं। गुरु के उपदेश से ही जीवन सफल हो जाता है। गुरु का स्थान सबसे ऊंचा होता है, इसीलिए श्रीराम, श्रीकृष्ण, हनुमान जी सहित सभी देवी-देवताओं ने गुरु से ही ज्ञान प्राप्त किया है। श्रीराम ने वशिष्ठ जी और विश्वामित्र को गुरु बनाया। वनवास के समय श्रीराम कई ऋषि-मुनियों के आश्रम गए सभी से ज्ञान हासिल किया। श्रीकृष्ण ने ऋषि सांदीपनि को गुरु बनाया।

हनुमान जी ने सूर्य देव को गुरु बनाया था। इस संबंध में कथा प्रचलित है कि जब हनुमान जी ने सूर्य देव से गुरु बनने की प्रार्थना की तो सूर्य ने मना कर दिया था। सूर्य भगवान ने कहा था कि मुझे हर पल चलते रहना होता है, मैं एक पल भी कहीं रुक नहीं सकता, ऐसे में उपदेश

देना संभव नहीं है। तब हनुमान जी ने कहा कि मैं आपके साथ चलते-चलते शिक्षा ग्रहण कर लूंगा। आप बोलते जाना और मैं उपदेश ग्रहण करता रहूंगा। इस बात के लिए सूर्य तैयार हो गए।

उपदेश देने वाला हमेशा ऊपर ही क्यों बैठता है?

एक बार गौतम बुद्ध से उनके एक शिष्य ने पूछा था कि उपदेश देते समय आप ऊपर ही क्यों बैठते हैं और हम सुनने वाले नीचे क्यों बैठते हैं?

गौतम ने शिष्य की बातें ध्यान से सुनी और बोले कि मैं तुम्हें इस प्रश्न का उत्तर दूंगा, लेकिन पहले तुम ये बताओ कि क्या तुमने कभी झरने में से पानी पिया है?

शिष्य ने उत्तर दिया कि हां, मैंने झरने में से पानी पिया है।

बुद्ध ने फिर पूछा कि अच्छा तुम ये बता सकते हो कि उस समय तुम्हारी और झरने स्थिति कैसी थी?

शिष्य ने कहा कि झरना तो ऊपर से नीचे बह रहा था और मैं नीचे खड़ा हुआ था। उसी स्थिति में मैंने पानी पिया था।

तथागत ने उस शिष्य को समझाया कि बस यही व्यवस्था उपदेश देने वाले और सुनने वाले के लिए होती है। उपदेश भी झरने की तरह हैं, जो लोग उपदेश ग्रहण करना चाहते हैं, उपदेशों का रसपान करना चाहते हैं, उन्हें नीचे ही बैठना चाहिए। उपदेश देने वाला ऊपर बैठेगा और सुनने वाला नीचे बैठेगा, सिर्फ तभी लोगों तक सही ज्ञान पहुंच सकता है। इस व्यवस्था से अहंकार का भी नाश होता है।

गुरु के सामने अहंकार छोड़कर ही जाना चाहिए, गुरु की सीख हमारा जीवन बदल सकती है।

इन पौधों की जड़ पहनने से दूर होते हैं ग्रह दोष

ग्रह दोष होने पर जीवन में बहुत से संकट आते हैं। पारिवारिक कलह से लेकर आर्थिक तंगी तक, ग्रह दोष के कारण हो सकते हैं। लोग ग्रह दोष दूर करने के लिए कई तरह के जतन करते हैं। वास्तु शास्त्र में भी ग्रह दोष समाप्त करने के लिए कई उपाय बताए गए हैं। इन उपायों को अपनाकर ग्रह दोषों को शांत कर सकते हैं। ग्रह दोष की शांति के लिए रत्न के अलावा पेड़-पौधों की जड़ भी लाभदायक होती है। आइए जानते हैं कि किन पौधों की जड़ से ग्रह दोष दूर किए जा सकते हैं।

बेल की जड़

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य कमजोर होने की स्थिति में बेल की जड़ धारण करना शुभ माना जाता है। बेल की जड़ को लाल कपड़े में बांधकर दाहिनी

भुजा में सूर्य मंत्र के जाप के साथ बांधना चाहिए। इससे सूर्य देव का आशीर्वाद मिलता है। इससे घर में सुख, शांति एवं समृद्धि का वास होता है। बेल की जड़ से सभी तरह के संकट दूर होते हैं।

खिरनी की जड़

चंद्र को बलवान करने के लिए खिरनी की जड़ धारण करना अच्छा माना जाता है। खिरनी की जड़

को सफेद कपड़े में लपेटकर सोमवार के दिन लाकेट में धारण करने से चंद्र मजबूर होता है। इससे जातक का मन शांत रहता है।

खेर की जड़

मंगल ग्रह दोष दूर करने के लिए अनंतमूल या खेर की जड़ को लाल कपड़े में मंगलवार के दिन दाहिने भुजा पर बांधना शुभ होता है। इससे मंगल ग्रह मजबूत होकर शुभ फल देता है।

विधारा की जड़

बुध ग्रह को शांत करने के लिए विधारा की जड़ धारण करनी चाहिए। विधारा की जड़ हरे रंग के धागे में लपेट कर गले में धारण करने से बुध ग्रह का शुभ फल मिलने लगता है। इससे जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है।

केले की जड़

गुरू ग्रह को मजबूत करने के लिए केले की जड़ को पीले वस्त्र में गुरुवार के दिन दाहिने भुजा में बांधना चाहिए। इससे गुरू शांत रहते हैं और शुभ फल देते हैं। इसी तरह शमी पेड़ की जड़ को नीले कपड़े में बांधकर धारण करने से शनि खुश रहते हैं। इससे जीवन में शांति बनी रहती है।

क्या है नीलम जैसा दिखने वाला जमुनिया रत्न?

कई बार कुछ लोगों को अपने जीवन में बहुत बुरी परिस्तिथियों का सामना करना पड़ता है। जैसे बना बनाया काम बिगड़ जाना, बार-बार नुकसान होना, निराशा, धन संचय करने में परेशानी। ऐसी स्तिथियों से निपटने में रत्न मददगार हो सकते है। ज्योतिष और रत्न शास्त्र में ऐसे बहुत से रत्नों के बारे में बताया गया है, जो व्यक्ति के जीवन को बदलने की शक्ति रखते हैं। इन्हीं रत्नों में से एक है जमुनिया रत्न। असल में जमुनिया रत्न नीलम रत्न का उपरत्न होता है। इस रत्न को धारण करने से क्या फायदे होते हैं और कब धारण करना चाहिए, इस विषय में हमें बता रहे हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा।

जामुनिया रत्न के फायदे

नीलम रत्न की तरह जमुनिया रत्न का प्रभाव भी बहुत जल्दी दिखाई देता है। यह रत्न पहनने वाले को धन से सम्बंधित परेशनियों से मुक्ति दिलाता है। नौकरी और व्यवसाय में आ रही परेशानियों को दूर करता है। व्यापार में हो रहे नुकसान से निजात दिलाता है। नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर मैरिड लाइफ में खुशियां लाता है। साथ ही शनि दोष के कारन होने वाली स्वास्थ सम्बंधित परेशानियों से राहत दिलाता है।

कौन पहन सकता है जमुनिया रत्न

जमुनिया रत्न को शनि दोष से पीड़ित व्यक्ति और वृषभ, मिथुन, तुला, मकर और कुम्भ राशि के लोग पहन सकते हैं, लेकिन जमुनिया रत्न को धारण करने से पहले किसी विद्वान ज्योतिष से सलाह कर लेना बहुत आवश्यक है।

जमुनिया धारण करने का तरीका

जमुनिया रत्न नीलम रत्न का उपरत्न होता है, इसलिए इसे धारण करने के लिए भी शनिवार का दिन सबसे उत्तम माना गया है। प्रातः काल स्नानादि करके शनिदेव का पूजन करें और जमुनिया रत्न की अंगूठी को गंगाजल से अच्छी तरह साफ करके दाए हाथ की मध्यमा उंगली में धारण कर लें।

पूजा करते समय आप कहीं ये गलती तो नहीं कर रहे

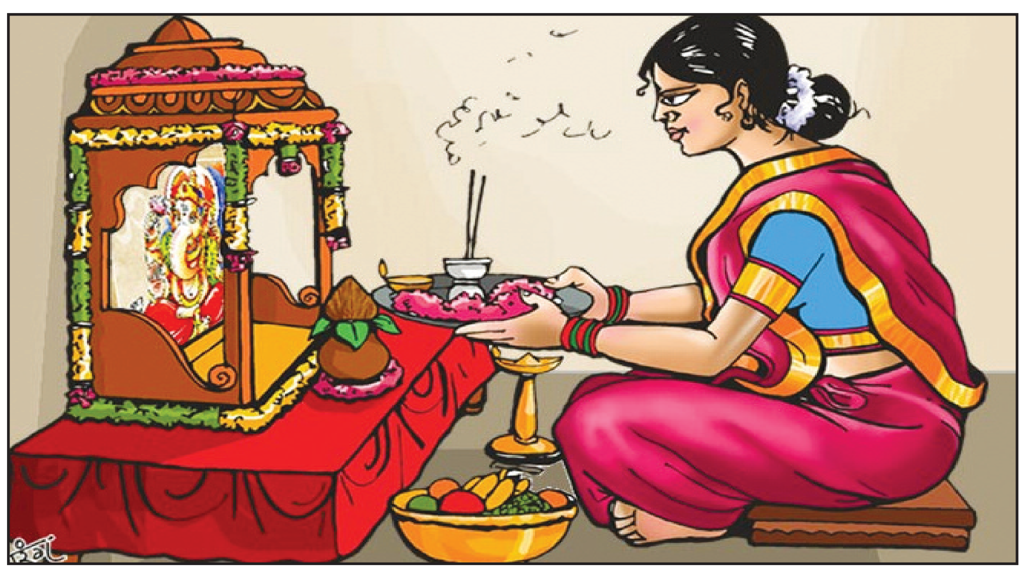

आसन है अनिवार्य

किसी भी देवी-देवता या भगवान का पूजन करने से पहले स्नान किया जाता है। स्नान के पश्चात शांत मन से भगवान के सामने आसन पर बैठा जाता है। कुछ लोग पूजा करते समय जमीन पर ही बैठ जाते हैं। पूजा करते समय कभी भी जमीन पर नहीं बैठना चाहिए। जिस तरह से आपने भगवान को बैठने के लिए आसन दिया, ठीक उसी प्रकार स्वयं भी आसन पर ही बैठें। शास्त्रों में कंबल और कुश के आसन को पूजा के लिए शुद्ध माना गया है।

सर्वप्रथम गणेश की आराधना

आप चाहें किसी भी देवी-देवता का पूजन कर रहे हों, लेकिन सर्वप्रथम हमेशा भगवान गणेश को ही प्रणाम किया जाता है। किसी भी हवन या शुभ कार्य की शुरुआत भी भगवान गणेश को प्रणाम करके ही की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान गणेश को प्रणाम किए बिना पूजा करने से उसके फल की प्राप्ति नहीं होती है।

धूप का करें इस्तेमाल

आजकल ज्यादातर घरों में अगरबत्ती का इस्तेमाल किया जाता है। परन्तु कभी भी पूजा करते वक्त अगरबत्ती का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अगरबत्ती में बांस की डंडी का इस्तेमाल किया जाता है। हिंदू शास्त्रों में पूजा में बांस का इस्तेमाल वर्जित माना गया है, इसलिए हमेशा पूजा में धूप का इस्तेमाल करना चाहिए।

दीपक जलाना है अनिवार्य

कुछ लोग पूजा करते समय सिर्फ धूप जलाते हैं, लेकिन ये गलत है। किसी भी देवी-देवता की पूजा करने से पहले दीपक जलाना अनिवार्य माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि दीपक हमारे द्वारा चढ़ाए गए प्रसाद, धूप और अन्य कार्यों का साक्षी होता है। अगर आप पूजा करने से पहले दीपक नहीं जलाते हैं तो भगवान तक आपकी प्रार्थना नहीं पहुंचती हैं।

शंख बजाएं

पूजा करने के बाद शंख या घंटी को बजाना महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि शंख बजाने से मन और घर स्वच्छ होते हैं। पूजा के आखिर में शंख बजाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा बाहर जाती है।

राम सेतु विवाद पर अक्षय कुमार ने दिया जवाब : बोले- फिल्म ड्रामा फिक्शन है, जो वास्तविक जीवन की घटना से प्रेरित है

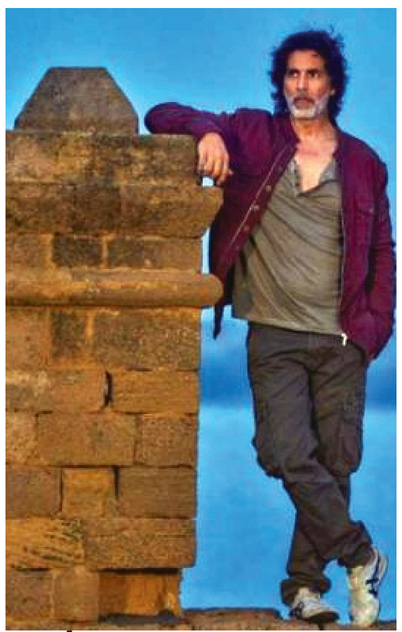

पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ सुब्रमण्यम स्वामी और अक्षय कुमार अपकमिंग फिल्म राम सेतु के चलते चर्चा में बने हुए हैं। कुछ दिनों पहले ही स्वामी ने अपने वकील सत्य सभरवाल के जरिए इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स की जानकारी के लिए अक्षय कुमार समेत फिल्म से जुड़े 8 लोगों को लीगल नोटिस भेजा था। दरअसल, स्वामी का आरोप है कि अक्षय की इस फिल्म में राम सेतु को लेकर गलत तथ्य दिखाए जा रहे हैं। अब इस लीगल नोटिस के जवाब में, अक्षय की टीम ने रिप्लाई दिया है। हालांकि स्वामी के वकील सत्य सभरवाल अक्षय के जवाब से संतुष्ट नही हैं।

अक्षय के पास सही जवाब नहीं है

एक समाचार पत्र से बातचीत के दौरान सत्य बताते हैं, हमें 7 सितम्बर को लीगल नोटिस का जवाब मिला। हालांकि हम इस जवाब से बिल्कुल संतुष्ट नहीं। आश्चर्य की बात ये है कि उनका जवाब बड़ा ही अस्पष्ट है। राम सेतु को बचाने के लिए कोर्ट प्रोसीडिंग एक अहम हिस्सा है, जिससे 2007 से मेरे क्लाइंट सुब्रमण्यम स्वामी जुड़े हैं। यदि फिल्ममेकर्स इस हिस्से को दिखा रहे हैं तो किस बेस पर उन्होंने ये फैसला लिया। हमारे नोटिस में हमने उनसे फिल्म में दिखाए जाने वाले कोर्ट प्रोसीडिंग के बारे में पूछा था, जिसका उनके पास सही तरीके से जवाब ही नहीं है।

स्पष्ट उत्तर की प्रतीक्षा कर रहे हैं- सत्य

लीगल नोटिस के जवाब में मिले रिप्लाई के बारे में सत्य बताते हैं, अक्षय ने बताया फिल्म पूरी तरह से ड्रामा फिक्शन है। जो वास्तविक जीवन की घटना से प्रेरित है। फिल्म किसी भी अदालती कार्यवाही की रिपोर्ट नहीं कर रही है। अब एक तरफ वे कह रहे हैं कि यह फिल्म पूरी तरह से ड्रामा फिक्शन है तो वहीं दूसरी तरफ वे कह रहे हैं कि वे वास्तविक घटना से प्रेरणा ले रहे हैं। ये दोनों ही स्टेटमेंट बड़े ही कंट्राडिक्टरी हैं। हम एक स्पष्ट उत्तर की प्रतीक्षा कर रहे हैं। जल्द ही हम रीजोइनेर फाइल करेंगे और उन्ही के जवाब को स्पष्ट तरीके से समझाने के लिए कहेंगे।

अक्षय की पिछली फिल्में भी कानूनी विवाद में फंस चुकी हैं

राम सेतु में अक्षय एक आर्कियोलॉजिस्ट का रोल प्ले कर रहे हैं, जो भारत और श्रीलंका के बीच बने राम सेतु की सच्चाई पता लगाने पर काम कर रहा है। फिल्म में जैकलीन फर्नांडीज और नुसरत भरूचा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। अभिषेक शर्मा ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। ये पहली बार नहीं जब अक्षय की कोई फिल्म किसी कानूनी विवाद में उलझी है। इससे पहले रुस्तम (2016), जॉली एल एल बी (2017), एयरलिफ्ट (2017) और सम्राट पृथ्वीराज (2022) जैसी फिल्में भी

अल्लू अर्जुन के लिए स्क्रिप्ट तैयार कर रहे सुरेंद्र रेड्डी

रेस गुर्रम के बाद अल्लू के साथ फिर काम कर सकते हैं डायरेक्टर

अल्लू अर्जुन 'पुष्पा' की सक्सेस के बाद इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा डिमांडिंग एक्टर बन गए हैं। सुकुमार के निर्देशित फिल्म ने अल्लु को कई डायरेक्टर्स की पहली पसंद बना दिया है। पिंकविला के मुताबिक, अब अल्लू एक और प्रोजेक्ट साइन कर सकते हैं। डायरेक्टर सुरेंद्र रेड्डी अल्लू अर्जुन के लिए एक फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं।

एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुरेंद्र रेड्डी ने अल्लू अर्जुन के लिए फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम करना शुरू कर दिया है। यह फिल्म रेस गुर्रम का सीक्वल नहीं बल्कि एक नए सब्जेक्ट पर आधारित होगी। इस फिल्म का बेसिक आइडिया का कॉन्सेप्ट बहुत पहले ही तय कर लिया गया था। हालांकि, अल्लू फिल्म की फाइनल स्क्रिप्ट से पूरी तरह से संतुष्ट होने के बाद ही इस फिल्म को करने का फैसला लेंगे।

रिपोर्ट में आगे कहा गया, सुरेंद्र रेड्डी ने किक, किक 2 और रेस गुर्रम जैसी कई हिट

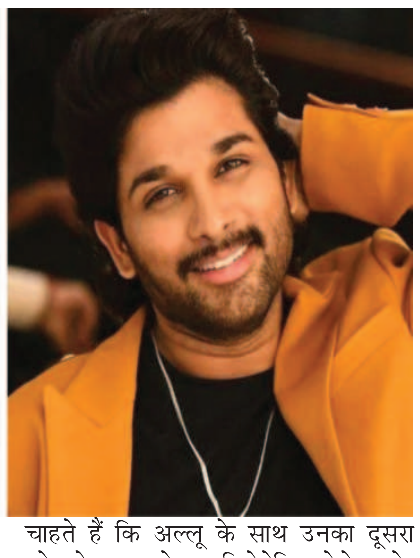

फिल्में दी हैं। इसलिए उन्हें इस फिल्म को बनाने की कोई जल्दी नहीं है और वे इसकी राइटिंग प्रोसेस को पूरा समय दे रहे हैं। वे चाहते हैं कि अल्लू के साथ उनका दूसरा कोलाब्रेशन सबसे बड़ा सिनेमेटिक प्रोजेक्ट हो।

पवन कल्याण के साथ भी काम करेंगे सुरेंद्र

एक साल पहले अनाउंसमेंट की गई थी कि सुरेंद्र रेड्डी एक फिल्म के लिए पावर स्टार पवन कल्याण के साथ काम करेंगे। पवन और सुरेंद्र को एक साथ काम करते देखने के लिए उनके फैंस काफी एक्साइटेड थे। हाल ही में फिल्म के प्रोड्यूसर राम तल्लूरी ने कंफर्म किया कि फिल्म जरूर बनेगी, लेकिन पवन कल्याण के बिजी शेड्यूल की वजह से फिल्म को कुछ समय के लिए होल्ड पर रख दिया गया है।

सितंबर के तीसरे हफ्ते से शुरू करेंगे पुष्पाः द रूल की शूटिंग

अल्लू अर्जुन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे इस महीने के तीसरे हफ्ते से पुष्पाः द रूल के लिए शूटिंग स्टार्ट करेंगे। वह जल्द ही पुष्पा के दूसरे पार्ट में नजर आएंगे। फिल्म के सीक्वल में साई पल्लवी नजर नहीं आएंगी। इसके अलावा अल्लू के पास शिवा कोरताला के साथ AA21 भी है।

बिस्किट की स्पेलिंग गलत लिखना अनुष्का को पड़ा भारी, माफी मांगते हुए एक्ट्रेस ने कही यह बात

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा इन दिनों यूके में अपनी अपकमिंग फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' की शूटिंग में बिजी हैं। लेकिन यहां से अभिनेत्री ने फैंस को अपना एक और टैलेंट दिखाया है। अनुष्का शर्मा ने बीते दिन बिस्किट का रिव्यू दिया था। यह कहा जा सकता है कि अभिनेत्री को वहां पर बिस्किट इतने ज्यादा पसंद आए कि वह इनका रिव्यू दिए बिना रह नहीं पाईं। लेकिन इस दौरान अनुष्का ने एक ऐसी गलती कर दी, जिस वजह से वह ट्रोलिंग का शिकार हो गईं। इसके बाद अभिनेत्री ने माफी मांगी है।

दरअसल, अनुष्का शर्मा ने पहले अपनी इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह बिस्किट का रिव्यू करेंगी। इसके बाद उन्होंने एक-एक करके कई सारे नॉर्मल बिस्किट का फोटो शेयर की। इसके साथ ही अनुष्का ने ये भी बताया कि उन्हें कौन सा बिस्किट पसंद आया है और कौन सा नहीं आया। अनुष्का ने कई बिस्किट को पांच में से महज दो नंबर दिए तो कुछ को तीन नंबर भी दिए हैं। लेकिन इसी बीच अभिनेत्री ने एक जगह बिस्किट की स्पेलिंग गलत लिख दी, जिसके बाद लोगों ने उन्हें खूब ट्रोल किया।

अनुष्का ने जैसे ही अपनी स्टोरी में बिस्किट की स्पेलिंग गलत लिखी। लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया, जिसके बाद अभिनेत्री ने लोगों से तुरंत माफी मांगी है और आगे बढ़ने की सलाह दी है। अनुष्का शर्मा ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा, 'मेरी गलत स्पेलिंग से अगर किसी को बुरा लगा है तो मैं उन सभी लोगों से माफी मांगना चाहूंगी ,मूव ऑन प्लीज।' अनुष्का ने यह पोस्ट तुरंत ही कर दिया था।

बता दें कि फिल्म 'चकदा एक्स्प्रेस' में क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की उपब्धियों के साथ ही उनका क्रिकेट के सफर में निजी से लेकर एकेडमिक संघर्ष भी दिखाया जाएगा। अनुष्का शर्मा ने खुद को झूलन गोस्वामी के किरदार में ढालने के लिए खूब मेहनत भी की है। इस फिल्म से अनुष्का लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। अनुष्का आखिरी बार 2018 में 'जीरो' में नजर आई थीं, इसमें उनके अपोजिट अभिनेता शाहरुख खान दिखाई दिए थे।

साउथ का एक और धमाका 'सूर्या 42'

चारों तरफ मचती साउथ फिल्मों की धूम को देखते हुए अब दक्षिण भारतीय फिल्मों का गर निर्माता हिंदी बेल्ट में अपनी फिल्में रिलीज करने की प्लानिंग कर रहा है। जहां बीते दिनों हमने 'आरआरआर' से लेकर 'सीता रामम' तक को हिंदी बेल्ट में रिलीज होते देखा, वहीं अब इसी क्रम में एक और तमिल फिल्म का एलान हुआ है। फिल्म के एलान के साथ ही इसका एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है। हम बात कर रहे हैं फिल्म 'सूर्या 42' की, जिसमें तमिल सुपरस्टार सूर्या और बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। कुछ दिनों पहले ही इंडस्ट्री में सुनहरे 25 साल पूरे करने वाले सुपरस्टार सूर्या की आगामी फिल्म 'सूर्या 42' का पहला मोशन पोस्टर हाल ही में रिलीज किया गया है। इस टीजर की शुरुआत युद्ध के मैदान में उड़ते हुए एक बाज के साथ होती है। इतना ही नहीं इसके आखिर में हमें एक योद्धा खड़े हुए दिखता है, जिसके कंधे पर जाकर बाज बैठ जाता है। इस पोस्टर को जारी करते हुए सूर्या ने लिखा, 'हमें अपनी इस फिल्म को शुरू करते हुए, हमें आप सभी की शुभकामनाओं की जरूरत है।' यह डेढ़ मिनट का टीजर किसी के भी रोंगटे खड़े करने के लिए काफी है। शिवा द्वारा लिखित और निर्देशित 'सूर्या 42' में तमिल सुपरस्टार सूर्या लीड रोल में नजर आएंगे, वहीं इस फिल्म से बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी मुख्य अभिनेत्री के रूप में तमिल इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म को बहुत बड़े स्तर पर और मेगा बजट में बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं फिल्म को 10 भाषाओं में रिलीज भी किया जाएगा, जिससे साफ होता है कि 'सूर्या 42' को पैन इंडिया लेवल पर रिलीज करने की तैयारी की जा रही है। अभी 'सूर्या 42' को लेकर इससे ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन टीजर के अंत में लिखा गया है कि फिल्म की शूटिंग चल रही है। आपको बता दें कि सूर्या ने हाल ही में सिनेमा इंडस्ट्री में 25 साल पूरे किए हैं। इस बात की खुशी जाहिर करते हुए अभिनेता ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा था, 'सचमुच सुंदर और धन्य 25 साल..! सपने देखो और विश्वास करो..! आपका सूर्या। आपको बता दें दो दशकों के करियर में, सूर्या ने कई बेहतरीन, यादगार और ब्लॉकबस्टर फिल्में सिनेमा इंडस्ट्री को दी हैं। सूर्या की दमदार अदाकारी के कारण उनके प्रशंसक न केवल दक्षिण में हैं बल्कि दुनिया भर में फैले हैं।'

10 साल बाद री-रिलीज हुई धनुष की फिल्म 3 व्हाई दिस कोलावेरी डी इसी फिल्म का गाना था

कई फिल्में ऐसी होती है जिन्हें पहली बार ऑडियंस से अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिलता है। हालांकि वही फिल्में जब री-रिलीज की जाती है, तो बॉक्सऑफिस पर धमाल मचा देती हैं। कुछ ऐसा ही धनुष की फिल्म 3 के साथ हुआ। दरअसल, साल 2012 में आई फिल्म 3 के तेलुगु संस्करण को धनुष के पिता और फिल्म निर्माता कस्तूरी राजा के जन्मदिन के मौके पर सिनेमाघरों में री-रिलीज किया गया।दर्शकों के बीच इस फिल्म का रिस्पॉन्स बिल्कुल चौंका देने वाला रहा, शहर के ज्यादातर थिएटर हाउसफुल रहे। जिसे दखकर ट्रेड एनालिस्ट भी शॉक रह गए।

कस्तूरी राजा प्रोडक्शन में बनी फिल्म 3 ऐश्वर्या रजनीकांत के निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी। इस फिल्म ने रिलीज से पहले ही दुनिया भर में तहलका मचा दिया। फिल्म की आधिकारिक रिलीज के पहले ही व्हाई दिस कोलावेरी डी गाना लीक हो गया। गाना लोगों के बीच खूब चर्चित हुआ। मगर फिल्म को गाने की तुलना में कोई सफलता नहीं मिली। उस वक्त लोगों ने गाने को खूब एंजॉय किया, मगर सिनेमा में खास भीड़ नहीं दिखी।

10 साल बाद जब एक बार फिर 3 सिनेमाघरों में लगी, तो फिल्म को लेकर शॉकिंग रिस्पॉन्स देखने को मिला। बता दें कि फिल्म को केवल तेलुगु भाषी शहरों में री-रिलीज किया गया था, जहां 150 से ज्यादा सिनेमाघर हाउसफुल रहे। सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियोज सुर्खियों में रहे जहां सिनेमाघरों में फैंस की भारी भीड़ देखने को मिली।

3 एक युवा जोड़े की दुखद प्रेम कहानी है, जो मानसिक बीमारी के जीवन-बिखरने वाले परिणामों के बारे में बताता है। धनुष के अलावा इस फिल्म में इस फिल्म में श्रुति हासन और शिवकार्तिकेयन हैं। बता दें कि यह फिल्म पहली बार 30 मार्च 2012 को रिलीज हुई थी। धनुष की फिल्म तिरुचित्रम्बलम ने हाल ही में बॉक्स-ऑफिस पर दमदार कमाई की है। 30 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने अब तक 100 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। इसके अलावा साल 2022- 2023 में नाने वरुवेन, कैप्टन मिलर, सर/वाथी जैसी फिल्मों में नजर आएंगे। साल 2022 में ही धनुष अतरंगी रे में नजर आए थे, जिसमें उनके रोल को बेहद पसंद किया गया था।

स्टेज पर डांस करते-करते पीठ के बल गिरीं थी सपना चौधरी, फैंस की निकली चीख

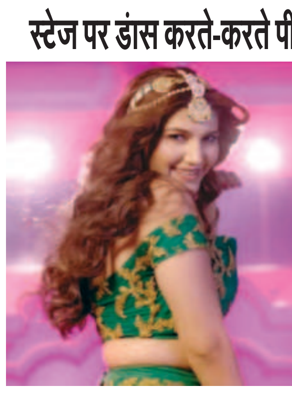

हरियाणवी डांसिंग क्वीन सपना चौधरी लोगों के दिलों पर राज करती हैं। उनका हर छोटे से छोटे मूव पर सबकी नजर बनी रहती है। दूर-दूर से लोग उनके स्टेज शोज देखने पहुंचते हैं। सपना की खासियत ही यही है उनके नए पुराने सारे वीडियो इंटरनेट पर बवाल मचा देते हैं और ऐसा ही कुछ उनका यह वीडियो भी कर रहा है। हल्के हरे रंग का सूट पहने स्टेज पर डांस करते हुए सपना काफी खूबसूरत लग रही हैं। हरियाणवी गाने पर सपना को ठुमके लगाते देखने के लिए हजारों की भीड़ पहुंचीं है और वह लगातार सपना को प्रोत्साहित कर रहे हैं। ऐसा करने के लिए बहुत से लोगों ने स्टेज पर चढ़कर सपना के ऊपर पैसों की बारिश कर रहे हैं। स्टेज पर हरियाणवी गाने पर सपना का डांस देखने के साथ ही एक और चीज ने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। दरअसल, डांस करते समय सपना ऊप्स मोमेंट का शिकार हो जाती हैं। जी हां, सपना डांस करते-करते एक स्टेप करने के दौरान स्टेज पर बहुत जोर से गिर जाती हैं, जिसे देख वहां सभी दंग रह जाते हैं। सपना चौधरी का बैलेंस बिगड़ जाता है और उन्हें गिरते देख वहां मौजूद उनके फैंस चिल्लाना शुरू कर देते हैं। लेकिन सपना तुरंत खड़ी हो जाती हैं और फिर डांस करना शुरू कर देती हैं।

करीना कपूर का वर्कआउट वीडियो : योगा करती दिखीं एक्ट्रेस, फैंस ने की तारीफ

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान अपनी फिटनेस का पूरा ध्यान रखती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस का वीडियो सामने आया है, जिसमें वो योगा करते हुई नजर आ रही हैं। इस वीडियो को करीना के योगा ट्रेनर अंशुका योगा ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। वीडियो को देखने के बाद फैंस करीना की जमकर तारीफ कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करे तो करीना हाल ही में आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आई थीं। अब करीना सुजॉय गोष की फिल्म द सस्पेक्ट ऑफ डिवोशन एक्स में नजर आने वाली हैं।

हनी सिंह और शालिनी तलवार का हुआ तलाक

साकेत फैमिली कोर्ट में हुई मामले की सुनवाई, एलिमनी के तौर पर सिंगर ने दिए 1 करोड़

पंजाबी सिंगर यो यो हनी सिंह और पत्नी शालिनी तलवार का तलाक हो गया है। दिल्ली के साकेत डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के फैमिली कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई की है। हनी सिंह ने एलिमनी के तौर पर 1 करोड़ रुपए का चेक सील्ड लिफाफे में शालिनी तलवार को दिया है।

1 करोड़ एलिमनी पर सेटल हुआ मामला

कोर्ट में गुरुवार को यो यो हनी सिंह और शालिनी तलवार के बीच काउंटर-एलिगेशन के बाद मामला सेटल हुआ। जिसके बाद दोनों के बीच 1 करोड़ की एलिमनी पर समझौता हुआ है। बताया जा रहा है कि इस मामले की अगली सुनवाई 20 मार्च 2023 को होगी। जिसमें अगले प्रस्ताव पर सुनवाई की जाएगी।

हनी सिंह पर लगे थे असॉल्ट के आरोप

शालिनी तलवार ने पिछले साल 3 अगस्त को तीस हजारी कोर्ट में हिरदेश सिंह यानी की हनी सिंह के खिलाफ डॉमेस्टिक वायलेंस के लिए याचिका दायर की थी। उन्होंने हनी सिंह पर असॉल्ट करने के आरोप लगाए थे। शालिनी ने कहा था कि उन्होंने इस शादी को 10 साल दिए और

बदले में उन्हें सिर्फ फिजिकली और मेंटली टॉर्चर किया।

शालिनी ने की थी 10 करोड़ रुपए की मांग

शालिनी तलवार ने सिंगर पर यह भी आरोप लगाए कि वो इंटरनेशनल टूर पर जाने के बहाने से दूसरी महिलाओं के साथ अवैध शारीरिक संबंध बनाते हैं। शालिनी ने कहा कि उनके पति ने उनके साथ जानवरों जैसा बर्ताव किया और अब वह हनी सिंह से अलग होना चाहती हैं। शालिनी ने याचिका दायर करते हुए 10 करोड़ रुपए की एलमिनी की भी मांग की थी।

17 साल तक डेट करने के बाद 2011 में की थी शादी

हनी सिंह ने शालिनी तलवार को 17 साल तक डेट करने के बाद 23 जनवरी 2011 को शादी की थी। दोनों एक-दूसरे को बचपन से जानते थे और एक ही स्कूल में पढ़े थे। अब उनकी पत्नी ने शादी के 10 साल बाद हनी सिंह के खिलाफ डॉमेस्टिक वायलेंस का केस फाइल किया था।

शालिनी के आरोपों से हनी सिंह ने इंकार किया था

शालिनी के आरोप लगाने के बाद हनी सिंह ने 6 अगस्त को सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया था। जिसमें उन्होंने इन सारे आरोपों से इंकार किया था। हनी सिंह ने नोट में लिखा था कि यह बड़े दुख की बात है कि मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों की वजह से मैं बहुत परेशान हूं। मेरे खिलाफ लगाए गए सभी आरोप निंदनीय हैं और बस मुझे परेशान करने के लिए ऐसा किया गया है।

कोहली का 'विराट इंतजार' खत्म, 33 महीने बाद लगाया शतक

विराट कोहली ने एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ शतक जड़ दिया है। उन्होंने 33 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाया है। पिछला शतक कोहली ने 23 नवंबर 2019 को बांग्लादेश के खिलाफ लगाया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 83 पारियों के बाद कोहली ने सेंचुरी लगाई। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 71वां शतक और टी-20 में पहला शतक है। इससे पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय में उनका बेस्ट स्कोर 94* रन का था।

कोहली ने -
1020 दिन
दो साल, नौ महीने, 16 दिन
33 महीने, 16 दिन
145 हफ्ते और 5 दिन बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाया।

कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ 53 गेंदों में शतक पूरा किया। उन्होंने 61 गेंदों में 122 रन की पारी खेली। अपनी पारी में कोहली 12 चौके और छह छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 का रहा। कोहली द्वारा खेली गई पारी टी-20 अंतरराष्ट्रीय में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सर्वश्रेष्ठ पारी है। उन्होंने इस मामले में रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले रोहित ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 118 रन बनाए थे।

विराट कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ स्पिन बॉलिंग पर 33 गेंदों में 54 रन बनाए। स्पिन के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट 163.63 का रहा। अफगानिस्तान के स्पिनरों पर कोहली ने चार चौके और तीन छक्के लगाए। यह कोहली का स्पिन के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय में एक पारी में सबसे ज्यादा रन हैं।

यह कोहली का किसी भी टी-20 यानी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट, आईपीएल और घरेलू टी-20 मिलाकर भी सर्वश्रेष्ठ पारी है। टी-20 में इससे पहले कोहली ने 2016 में आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर से खेलते हुए पंजाब किंग्स के खिलाफ 50 गेंदों में 113 रन की पारी खेली थी।

कोहली ने 20वें ओवर में दो छक्के और एक चौका लगाया। आखिरी ओवर में भारत ने 18 रन जोड़े। इसकी बदौलत भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ 20 ओवर में दो विकेट गंवाकर 212 रन बनाए। टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी रही थी। रोहित शर्मा के बिना उतरी भारतीय टीम को कप्तान केएल राहुल और कोहली ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 119 रन जोड़े।

राहुल 41 गेंदों में 62 रन बनाकर आउट हुए। अपनी पारी में राहुल ने छह चौके और दो छक्के लगाए। इसके बाद सूर्यकुमार यादव छह रन बना सके। कोहली ने फिर पंत के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 87 रन की नाबाद साझेदारी निभाई। पंत 16 गेंदों में 20 रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान की ओर से फरीद अहमद ने दोनों विकेट लिए।

भारत-अफगानिस्तान मैच के हमेशा याद रहने वाले मोमेंट्स

किंग कोहली ने आलोचकों का मुंह बंद किया, भुवी की स्विंग के आगे अफगान बेबस

एशिया कप की शुरुआत में भारत को ट्रॉफी जीतने का सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा था। भारत ने ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान और हांगकांग पर बड़ी जीत के साथ इस बात को सही भी साबित किया। लेकिन, यह टीम सुपर 4 के मुकाबलों में फॉर्म जारी नहीं रख सकी। पाकिस्तान और श्रीलंका से हारने के बाद भारत फाइनल की रेस से ही बाहर हो गया।

ऐसे में भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ गुरुवार को एक महत्वहीन मुकाबला खेलना था। माना जा रहा था यह मैच नीरस होगा और इससे दर्शकों को कोई रोमांच नहीं मिलेगा। लेकिन, विराट कोहली और भुवनेश्वर कुमार के शानदार प्रदर्शन और अफगान टीम का खेल के तीनों डिपार्टमेंट में सरेंडर कर देने से कुछ ऐसे लम्हे देखने को मिले जिन्हें भुला पाना आसान नहीं होगा। ऐसे ही चार यादगार मोमेंट्स से एक बार फिर गुजरते हैं...

अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने इस मैच में बहुत साधारण फील्डिंग की। तीन बार भारतीय बल्लेबाजों के कैच छोड़े गए। अफगानी फील्डरों ने दो बार पंत का कैच छोड़ा और एक बार विराट को जीवनदान दिया।

पहला कैच आठवें ओवर में छूटा। अफगान कप्तान मोहम्मद नबी गेंदबाजी कर रहे थे। ओवर की तीसरी बॉल पर विराट ने डीप मिडविकेट पर एक हवाई शॉट खेला। वहां इब्राहिम जदरान फील्डिंग कर रहे थे। गेंद उनके दोनों हाथों के बीच से निकल कर बाउंड्री पार कर गई। जब यह कैच छूटा, तब कोहली 34 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। इसके बाद अफगानिस्तानी प्लेयर्स ने 2 बार पंत का कैच छोड़ा। पंत का पहला कैच 17वें ओवर में और दूसरा कैच 20वें ओवर में छोड़ा गया।

विराट अंदाज में खत्म हुआ शतक का सूखा

इस मैच में विराट कोहली बतौर ओपनर उतरे। ओपनिंग के मौके को अच्छी तरह भुनाते हुए विराट ने 1020 दिन बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक जड़ा। यह उनके करियर का ओवरऑल 71वां और टी-20 इंटरनेशनल में पहला शतक है। विराट ने शानदार छक्का जमाकर शतक पूरा किया। इसके बाद उन्होंने गले में पहनी हुई अपनी एंगेजमेंट रिंग को चूमा और शतक को पत्नी अनुष्का शर्मा और बेटी वामिका को डेडिकेट किया। इस पूरी पारी में विराट ने कुल 6 छक्के और 12 चौके लगाए।

शुरुआती दो ओवर में चार विकेट

विराट कोहली के शानदार शतक के बाद कमाल दिखाने की बारी भारतीय गेंदबाजों की थी। भुवनेश्वर कुमार ने पहले ओवर में ही अफगानिस्तान के दो बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखा दी। इसके बाद उन्होंने तीन और विकेट झटके। भुवी ने मैच में सिर्फ 4 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए।

भारत को मिला नया गेंदबाज

ये मैच भारत के लिए आश्चर्य से भरा हुआ था। ऐसा ही एक आश्चर्य भारत की गेंदबाजी के दौरान हुआ। मैच के आखिरी ओवर में दिनेश कार्तिक गेंदबाजी करने आए। बतौर विकेटकीपर खेलने वाले कार्तिक को गेंदबाजी करते देख तमाम फैंस हैरान रह गए। कार्तिक ने इस ओवर में 18 रन दिए। वे 15 साल के लम्बे करियर में पहली बार गेंदबाजी करने आए थे।

रोहित शर्मा ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर और शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड

एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ सुपर-4 मुकाबले में रोहित शर्मा ने 41 गेंदों में 72 रन की शानदार पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने पांच चौके और चार छक्के लगाए। एक वक्त भारत ने 13 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद रोहित ने सूर्यकुमार यादव के साथ मिलकर 97 रन की साझेदारी निभाई। रोहित ने इस मैच में कई रिकॉर्ड भी बनाए।

यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में उनका 32वां 50 से ज्यादा का स्कोर रहा। रोहित ने टी-20 इंटरनेशनल में 28 अर्धशतक और चार शतक लगाए हैं। इस मामले में उन्होंने विराट कोहली के सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर के रिकॉर्ड की बराबरी की। विराट ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 32 फिफ्टी प्लस स्कोर बनाए हैं।

इसके अलावा रोहित ने 31 एशिया कप मैचों में 29 छक्के लगाए हैं। उन्होंने एशिया कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया है। इस मामले में उन्होंने पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले अफरीदी टॉप पर थे। उन्होंने एशिया कप में 26 छक्के लगाए थे। रोहित के बाद एशिया कप में सबसे ज्यादा छक्के सुरेश रैना ने लगाए हैं। उन्होंने 18 छक्के लगाए।

इसके अलावा रोहित एशिया कप के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय क्रिकेटर भी बन गए। उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया। सचिन ने एशिया कप में 970 रन बनाए थे। रोहित साथ ही एशिया कप में 1000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बैटर और ओवरऑल तीसरे बैटर भी बन गए। रोहित ने अब तक 30 पारियों में 1016 रन बनाए हैं। उनसे आगे सनथ जयसूर्या हैं। जयसूर्या ने 1220 रन बनाए। वहीं, कुमार संगकारा 1075 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

रोहित का यह एशिया कप में नौवां फिफ्टी प्लस स्कोर रहा। इस मामले में उन्होंने सचिन तेंदुलकर की बराबरी की। एशिया कप में सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर का रिकॉर्ड श्रीलंका के कुमार संगकारा के नाम है। उन्होंने 12 फिफ्टी प्लस स्कोर बनाए हैं।

3 खिलाड़ी जिन्हें जल्द ही भारतीय टी20 टीम का हिस्सा फिर से बनाया जा सकता है

भारतीय टीम पिछले कुछ समय से अपने मुख्य खिलाड़ियों के फिटनेस की समस्याओं से जूझ रही है। इस कारण कई खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के चलते भारतीय टीम इस एशिया कप के दौरान कुछ पक्षों में कमजोर नजर आ रही है। सात बार की चैंपियन भारतीय टीम एशिया कप 2022 से बाहर होने की कगार पर है। इस टूर्नामेंट में कई चीजों में कमी नजर आई तो कुछ विकल्प फ्लॉप भी रहे। ऐसे में भारतीय टीम मैनेजमेंट कुछ खिलाड़ियों को टी20 क्रिकेट में फिर से शामिल करने के बारे में सोच रही होगी जो सीमित और फॉर्मेट के विशेषज्ञ खिलाड़ी होने के बावजूद काफी समय से टी20 टीम में खेलते हुए नजर नहीं आए हैं।

स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर इस लिस्ट में शामिल हैं

ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर काफी समय से चोट के कारण भारतीय टीम में निरंतर नहीं रह पाए हैं। सुंदर 2017 में डेब्यू करने के बाद से अब तक कुल 31 टी20 मुकाबले खेल चुके हैं जिसमें उन्होंने कुल 25 विकेट चटकाए हैं। उन्होंने भारत के लिए अपना आखिरी टी20 पिछले साल मार्च में खेला था।

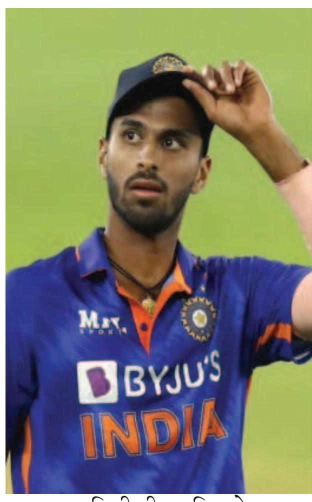

इशान किशनइशान किशन टी 20 में केएल राहुल की जगह ले सकते हैं

पिछले कुछ समय से भारतीय टीम में सलामी बल्लेबाजों के अनावश्यक प्रयोगों के चलते इशान किशन की फॉर्म और निरंतरता पर काफी प्रभाव पड़ा है, जिसके चलते उन्हें एशिया कप में शामिल नहीं किया गया था। किशन ने इस साल खेले गए अपने 14 टी20 मुकाबलों में 30.71 की औसत और 130.30 की स्ट्राइक रेट से 430 रन बनाए हैं जिसमें 3 अर्धशतक भी शामिल हैं। किशन ओपनिंग के साथ-साथ विकेटकीपिंग का भी हुनर रखते हैं। अगर भारत को केएल राहुल और ऋषभ पंत दोनों के विकल्प की तलाश है तो वह इशान किशन के रूप में खत्म हो सकती है। उपरोक्त दोनों ही खिलाड़ी अच्छा करने में नाकाम रहे हैं, ऐसे में चयनकर्ता एक बार फिर किशन की तरफ रूख कर सकते हैं।

मोहम्मद शमीतेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में अपना आखिरी टी20 मुकाबला खेला था

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में अपना आखिरी टी20 मुकाबला खेला था।

भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी टी20 टीम में अब तक अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए हैं। 2014 में टी20 डेब्यू करने वाले मोहम्मद शमी अब तक कुल 17 मुकाबलों में ही खेलते दिखाई दिए हैं जबकि आईपीएल में वह टीमों के प्रमुख तेज गेंदबाज के रूप में जबरदस्त गेंदबाजी करते हैं। भारत के कई तेज गेंदबाज चोटिल हैं और जिन्हें मौका मिला वह फायदा उठाने में प्रभावशाली नहीं साबित हुए हैं।

शमी ने आईपीएल 2022 में गुजरात टाइटंस को चैंपियन बनाने में अहम योगदान दिया था और 20 विकेट अपने नाम किये थे। भारत को नई गेंद से विकेट नहीं मिलते हैं और इस काम को करने के लिए शमी से बेहतर कोई विकल्प नहीं हो सकता है। ऐसे में दाएं हाथ के तेज गेंदबाज को जल्द ही टीम में मौका मिल सकता है।

शोएब अख्तर बोले- अफगानी लोगों को सुधरना होगा

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बुधवार को हुए मुकाबले में मैदान पर हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। मैदान पर पहले तो अफगानिस्तान और पाकिस्तान के खिलाड़ी भिड़ गए। इसके बाद मैच खत्म होने पर अफगानिस्तान और पाकिस्तान के दर्शकों के बीच लड़ाई देखने को मिली। अब पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व चीफ एग्जीक्यूटिव शफीक स्टैनिकजाई सोशल मीडिया पर भिड़ गए हैं।

दरअसल, एशिया कप में सुपर फोर राउंड के मुकाबले के दौरान अफगानिस्तान के फरीद अहमद और पाकिस्तान के आसिफ अली भिड़ गए थे। आसिफ ने फरीद को धक्का दिया और फिर उन्हें बल्ला भी दिखाया। मैच एक वक्त अफगानिस्तान के पक्ष में जा रहा था, लेकिन पाकिस्तान के नसीम शाह ने लगातार दो छक्के जड़कर अपनी टीम को एक विकेट से जीत दिलाई। इसके बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के दर्शक स्टेडियम में ही भिड़ गए थे।

पूर्व तेज गेंदबाज ने सोशल मीडिया हैंडल ट्विटर पर एक वीडियो शेयर कर इस घटना पर निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने लिखा- अफगान प्रशंसक यही करते रहे हैं। उन्होंने पहले भी ऐसा कई बार किया है। यह एक खेल है और इसे सही भावना से खेला जाना चाहिए। शफीक स्टैनिकजाई आपके लोग और आपके खिलाड़ियों को कुछ चीजें सीखने की जरूरत है अगर आप लोगों को इस खेल में आगे बढ़ना है।

इस पर शफीक ने उन्हें जवाब देते हुए लिखा- आप भीड़ की भावनाओं को नियंत्रित नहीं कर सकते हैं। क्रिकेट की दुनिया में ऐसी घटनाएं हुई हैं। आपको कबीर खान, इंजमाम भाई और राशिद लतीफ से पूछना चाहिए कि हमने उनके साथ क्या कभी ऐसा व्यवहार किया है। मैं आपको एक सलाह दे रहा हूं- अगली बार बात को देश पर मत ले जाना। पाकिस्तान को जीत के लिए आखिरी ओवर में 11 रन बनाने थे और उसके हाथ में सिर्फ एक विकेट थे। नसीम शाह ने 20वें ओवर में फजहलहक फारूकी के शुरुआती दो गेंदों पर छक्के लगा दिए। उन्होंने अपनी टीम को पांचवीं बार फाइनल में पहुंचाया। पाकिस्तान 2014 के बाद पहली बार एशिया कप के फाइनल में खेलेगा। पिछली बार 2014 में वह खिताबी मुकाबले में पहुंचा था। तब उसने बांग्लादेश को हराकर ट्रॉफी अपने नाम किया था। पाकिस्तान फाइनल में तीसरी बार श्रीलंका से खेलेगा। 1986 में उसे लंकाई टीम ने हराया था और साल 2000 में उसने श्रीलंका को हराया था।

पाकिस्तान के मोहम्मद आमिर ने प्रीति जिंटा के साथ शेयर की तस्वीर

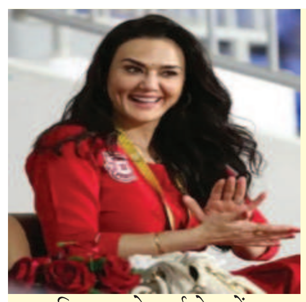

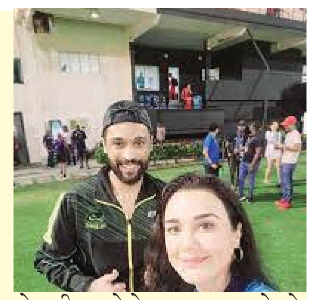

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर बॉलीवुड फिल्मों के प्रशंसक हैं। इसका खुलासा उन्होंने खुद ही एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये किया है। आमिर ने भारतीय अभिनेत्री प्रीति जिंटा के साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर एक तस्वीर शेयर की है। इस फोटो में 30 साल के आमिर प्रीति के साथ सेल्फी लेते हुए दिख रहे हैं।

फोटो के कैप्शन में आमिर ने लिखा- बॉलीवुड की मेरी ऑलटाइम फेवरेट प्रीति जिंटा। आमिर इन दिनों कैरेबियन प्रीमियर लीग में जमैका तलवाहा टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। दरअसल, प्रीति आईपीएल में पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी की सह-मालकिन हैं। इसके साथ ही वह कैरेबियन प्रीमियर लीग में सेंट लूसिया किंग्स की सह-मालकिन भी हैं।

बुधवार को ग्रोस आइलेट में जमैका तलवाहा और सेंट लूसिया के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान वह स्टेडियम में मौजूद थीं। इस मैच में सेंट लूसिया ने जमैका को दो विकेट से हराया था। 164 रन के लक्ष्य को प्रीति की टीम ने एक गेंद रहते हासिल कर लिया था।

जमैका की ओर से आमिर ने चार में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने निरोशन डिकवेला, फाफ डुप्लेसिस और रोशन प्राइमस को पवेलियन भेजा। वहीं, सेंट लूसिया की ओर से जॉनसन चार्ल्स ने 62 रन की पारी खेली। जमैका की ओर से रेमन रीफर ने सबसे ज्यादा 62 रन बनाए थे। इसकी बदौलत जमैका तलवाहा ने 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 163 रन बनाए थे। आमिर ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 36 टेस्ट, 61 वनडे और 50 टी-20 खेले और कुल मिलाकर 259 विकेट लिए।

दूसरा कोई खिलाड़ी बिना शतक के इतने लम्बे समय तक नहीं सर्वाइव कर पाता - गौतम गंभीर

विराट कोहली द्वारा तीन साल बाद शतक लगाने को लेकर गौतम गंभीर ने दिया बड़ा बयान

दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने आखिरकार लम्बे समय से चले आ रहे शतक के सूखे को बीते गुरुवार को समाप्त कर दिया। उन्होंने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए एशिया कप 2022 में भारत के अंतिम मैच में खेलते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ शतक बनाया। उनकी शतकीय पारी से पूर्व दिग्गज भारतीय ओपनर गौतम गंभीर भी खुश दिखे और उन्होंने दाएं हाथ के बल्लेबाज की दृढ़ता की भी तारीफ की। अफगानिस्तान के खिलाफ विराट ने 61 गेंदों में नाबाद 122 रन की पारी खेली और अपने तीन साल से चले आ रहे शतक के सूखे को खत्म किया। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके और छह छक्के भी लगाए। शतक के बाद विराट कोहली के चेहरे पर एक दबावमुक्त मुस्कराहट को साफ़ तौर पर देखा जा सकता था। पूर्व भारतीय कप्तान को बिना शतक के 1000 से अधिक दिन और 83 पारियां अपने पिछले शतक के बाद गुजारनी पड़ी। इस

दौरान उन पर कई बार सवाल भी उठे और कुछ जानकारों ने उनकी क्रिकेट को खत्म भी मान लिया था। हालाँकि, दिग्गज बल्लेबाज ने लगातार मेहनत जारी रखी और खुद के मानसिक स्वास्थ्य के लिए ब्रेक भी लिया, जिसका फायदा सभी को नजर आ रहा है। देखिए, उन्हें समझना होगा कि तीन साल हो गए हैं, सिर्फ तीन महीने नहीं। तीन साल बहुत लंबा समय होता है। मैं उनकी आलोचना नहीं करने जा रहा हूं, उन्होंने यह समर्थन अर्जित किया है क्योंकि उन्होंने अतीत में बहुत रन बनाए हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई भी युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टिक पाता अगर उसने पिछले तीन साल में 100 रन नहीं बनाए होते। यह अंततः होना ही था और यह बिल्कुल सही समय पर हुआ है। लेकिन सच कहूं, तो मुझे नहीं लगता कि कोई इतने लंबे समय तक सर्वाइव कर पाएगा।

आपको बता दें कि यह विराट कोहली का T20I में पहला शतक था और उन्होंने भारत के लिए छोटे प्रारूप में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

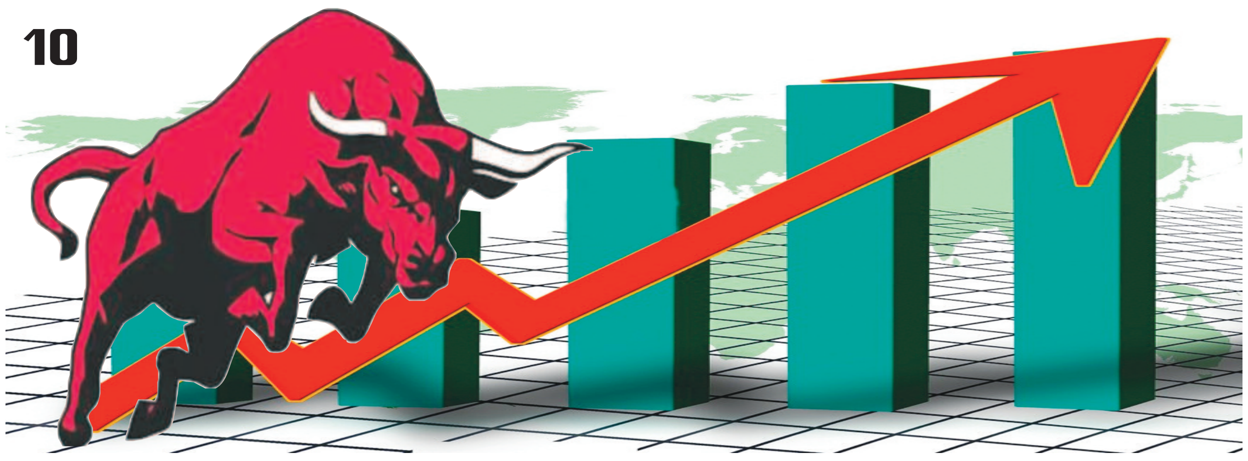

पेट्रोल-डीजल के नए रेट जारी, दिल्ली में इस शहर से पेट्रोल 29.39 सस्ता, घर से निकलने से पहले चेक करें दाम

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चा तेल अभी भी 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे है। इसके बावजूद पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम कम नहीं की हैं। आज सुबह छह बजे पेट्रोल-डीजल नए रेट जारी कर दिए गए। अब देश में सबसे महंगा ईंधन राजस्थान के श्रीगंगानगर में है। इससे पहले महाराष्ट्र के परभणी में सबसे महंगा पेट्रोल मिलता था। श्रीगंगानगर की तुलना में पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 29.39 रुपये सस्ता है, वहीं डीजल भी 18.50 रुपये सस्ता है। बता दें पोर्ट ब्लेयर में 84.10 रुपये है और डीजल 79.74 लीटर है।बता दें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेट क्रूड 88.83 रुपये पर आ गया है। वहीं, यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड ऑयल की कीमत भी 83.15 डॉलर प्रति बैरल रहा। जबकि महाराष्ट्र और मेघायलय को छोड़ राजस्थान, गुजरात, बिहार, मध्य प्रदेश ,उत्तर प्रदेश समेत सभी राज्यों में लगातार 111 दिन से कोई बदलाव नहीं हुआ है। फिर भी आइए देखें कि सबसे सस्ता पेट्रोल-डीजल कहां बिक रहा है और आपके शहर में क्या हैं रेट?

महारानी के पास थी बेंटले स्टेट लिमोसिन से लेकर रोल्स-रॉयस ड्राइविंग के लिए लाइसेंस की भी जरूरत नहीं थी

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। यूनाइटेड किंगडम की महारानी एलिजाबेथ II का 96 साल की उम्र में निधन हो गया। 21 अप्रैल 1926 को जन्मी महारानी ने 6 फरवरी 1952 को पिता किंग जॉर्ज की मौत के बाद ब्रिटेन का शासन संभाला था। तब उनकी उम्र सिर्फ 25 साल थी। तब से 70 साल तक उन्होंने शासन किया। अपने शासनकाल के दौरान रानी को विंटेज रोल्स-रॉयस से लेकर कस्टम बेंटले में देखा गया। उनके रॉयल कार कलेक्शन में काफी आकर्षक मिश्रण था। ऐसे में यहां हम महारानी के कार कलेक्शन के बारे में बता रहे हैं।

जिस कार में महारानी को अक्सर यात्रा करते देखा गया था वह बेंटले स्टेट लिमोसिन है। बेंटले ने इस कार की केवल 2 ही यूनिट बनाई थी। रानी के सिंहासन पर पहले 50 साल पूरे होने पर उन्हें ये कार प्रजेंट की गई थी। इस पावरफुल कार की कीमत करीब 10 मिलियन ब्रिटिश पाउंड है। इसमें 6.75 लीटर ट्विन-टर्बो V8 इंजन लगा है। स्टेट लिमोसिन के बॉडीवर्क और कांच को मजबूत किया गया था। इसका केबिन ब्लास्ट-रेजिसटेंट है और गैस या रासायनिक हमले की स्थिति में एयर-टाइट सील किया जा सकता है। टायरों को भी इस तरह से बनाया गया है कि आपात स्थिति में तेजी से ड्राइविंग जारी रखी जा सके।

कार की पीछे की सीट की स्थिति रानी के समान ऊंचाई के मॉडल का उपयोग करके निर्धारित की गई थी।

कार की पीछे की सीटों में ब्रिटिश टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरर हील्ड ब्रदर्स के बनाए लैंबवुल क्लोथ को लगाया गया है। पीछे की कारपेट पेल ब्लू रंग की है और आगे डार्क ब्लू रंग की कारपेट लगाई गई है। जहां बेंटले का इस्तेमाल ज्यादातर आधिकारिक कार्यक्रमों में किया जाता था, वहीं रानी कई बार इसे खुद भी ड्राइव करती थीं। रानी देश की एकमात्र व्यक्ति थीं, जिन्हें ड्राइविंग के लिए लाइसेंस की आवश्यकता नहीं थी।

लैंड रोवर

महारानी एलिजाबेथ II के पास 30 लैंड रोवर थीं। ओरिजिनल लैंड रोवर (जिसे बाद में केवल डिफेंडर के रूप में जाना जाता था) उनकी सबसे पसंदीदा कार थी। इसके अलावा 2015 में लैंड रोवर ने रानी को स्टेट रिव्यू नाम की एक इलेक्ट्रिक हाइब्रिड कार प्रजेंट की थी। इसमें एक ओपन रूफ और डैजलिंग मैरून कलर स्कीम थी। इस लॉन्ग-व्हीलबेस SUV का डेब्यू कार्डिफ में रॉयल वेल्श रेजिमेंट में हुआ था। उनके पास रेंज रोवर एलडब्ल्यूबी लैंडौलेट भी थी।

रोल्स-रॉयस

बेंटले, लैंड रोवर्स और रेंज रोवर्स के अलावा उनके पास रोल्स-रॉयस के कुछ मॉडल भी थे। रानी की ओर से उपयोग किए जाने वाले अन्य पर्सनल व्हीकल्स में जगुआर एक्स-टाइप एस्टेट और डेमलर वी8 सुपर एलडब्ल्यूबी, रोवर पी5बी और वॉक्सहॉल क्रेस्टा एस्टेट, बेंटायगा शामिल हैं। महारानी एलिजाबेथ II के उत्तराधिकारी उनके सबसे बड़े बेटे और पूर्व प्रिंस ऑफ वेल्स होंगे, जो अब किंग चार्ल्स III बन गए हैं।

एक और ग्लोबल कंपनी में इंडियन सीईओ

ओगिल्वी की ग्लोबल सीईओ बनीं देविका बुलचंदानी भारतीय मूल के सीईओ की लंबी लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ग्लोबल एडवर्टाइजिंग और पब्लिक रिलेशन्स एजेंसी ओगिल्वी ने भारत में जन्मी देविका बुलचंदानी को अपना ग्लोबल चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर बनाया है। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'बुलचंदानी एंडी मेन की जगह लेंगी जो ग्लोबल सीईओ के रूप में पद छोड़ रही हैं और साल के अंत तक एक सीनियर एडवाइजर के रूप में काम करेंगी।' बुलचंदानी अभी ओगिल्वी नॉर्थ अमेरिका की ग्लोबल प्रेसिडेंट और सीईओ के रूप में काम कर रहीं हैं।

अपनी नई भूमिका में वह 93 देशों में मौजूद 131 ऑफिसेज का काम देखेंगी। ओगिल्वी लीडिंग मार्केटिंग और कम्यूनिकेशन ग्रुप, डब्ल्यूपीपी का हिस्सा है। कंपनी ने कहा कि वह डब्ल्यूपीपी की कार्यकारी समिति में भी शामिल होंगी। डब्ल्यूपीपी के सीईओ मार्क रीड ने कहा, 'देविका क्रिएटिविटी की चैंपियन हैं।'उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री के लिए उनका प्यार, ग्राहकों की जरूरतों की गहरी समझ और एजेंसियों और ब्रांडों के लिए ग्रोथ प्रदान करने का ट्रैक रिकॉर्ड अच्छा है। ये उन्हें ओगिल्वी को और भी अधिक सफलता की ओर ले जाने के लिए सही विकल्प बनाता है। अमृतसर में जन्मी बुलचंदानी ने यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया से मास्टर्स किया है। नॉर्थ अमेरिका की एडवर्टाइजिंग एजेंसी मैककैन में विभिन्न नेतृत्व भूमिकाओं में 26 साल काम किया है। वो कंपनी की प्रेसिडेंट भी रह चुकी हैं। इंडिस्ट्री में वो देव नाम से पॉपुलर है। वह

मास्टरकार्ड के लंबे समय से चल रहे प्राइसलेस अभियान के साथ-साथ ट्रू नेम के पीछे की प्रेरणा शक्ति थी, जो 2019 में लॉन्च किया गया एक फीचर है। उन्होंने महिलाओं की समानता के प्रतीक फियरलेस गर्ल को लॉन्च करने में भी मदद की। ये एक अभियान ऐसा अभियान था जो कान्स लायंस इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ क्रिएटिविटी के इतिहास में सबसे सम्मानित अभियानों में से एक बन गया।पिछले हफ्ते कॉफी की दिग्गज कंपनी स्टारबक्स ने लक्ष्मण नरसिम्हन को अपना चीफ एग्जीक्यूटिव नियुक्त किया था।

इस लिस्ट में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला, एडोब के सीईओ शांतनु नारायण, अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई, ट्विटर हेड पराग अग्रवाल, चैनल से लीना नायर और आईबीएम ग्रुप के सीईओ अरविंद कृष्णा शामिल हैं।

टूटे चावल के निर्यात पर पूरी तरह से प्रतिबंध, सरकार ने आदेश किया जारी

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। चावल की बढ़ती हुई कीमतों को नियंत्रित करने के लिए भारत सरकार ने टूटे चावल के निर्यात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है। यह आदेश आज से ही लागू होगा। इससे पहले टूटे चावल के निर्यात पर किसी तरह का शुल्क नहीं लगता था। इसके अलावा, सरकार की ओर से जारी एक अन्य आदेश के तहत गैर-बासमती चावल के निर्यात पर 20 फीसदी शुल्क वसूला जाएगा। यह आदेश भी आज से लागू होगा। हालांकि,

उबले और बासमती चावल के निर्यात को इस प्रतिबंध से बाहर रखा गया है। गौरतबल है कि भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश है। वैश्विक चावल उत्पादन में भारत की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है। राजस्व विभाग ने एक अधिसूचना में कहा कि मौजूदा खरीफ सीजन में धान फसल का रकबा काफी घट गया है। ऐसे में घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। कृषि मंत्रालय के अनुसार, कुछ राज्यों में बारिश कम होने से मौजूदा खरीफ सीजन में अब तक धान का बुवाई क्षेत्र 5.62 फीसदी घटकर 383.99 लाख हेक्टेयर रह गया है। चावल के वैश्विक व्यापार में भारत का हिस्सा 40% है। भारत ने 2021-22 में 2.12 करोड़ टन चावल निर्यात किया था। इस दौरान 150 से अधिक देशों को 6.11 अरब डॉलर का गैर-बासमती चावल निर्यात किया गया था।

रूसी तेल पर प्राइस कैप से भारत को फायदा, अमेरिकी अधिकारी ने बताया कारण

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। जी सात देशों का समूह जल्द ही रूस से खरीदे जाने वाले तेल पर प्राइस कैप लगाने अर्थात इसकी कीमत तय करने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार अगर भारत सीधे तौर पर इस कवायद के साथ नहीं जुड़ता है तब भी उसे इसका फायदा होगा।

अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट के आतंकवादी वित्तपोषण और वित्तीय अपराध शाखा के सहायक सचिव एलिजाबेथ रोजेनबर्ग ने कहा है कि जी7 के देश रूसी तेल पर प्राइस कैप लगाते हैं तो भारत की पहुंच कम कीमतों पर उपलब्ध ईंधन तक होगी। रूस के साथ तेल के आयात के लिए कीमतों के मोलभाव में यह भारत की मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हम रूस को उसकी ओर से यूक्रेन पर किए गए आक्रमण का फायदा नहीं उठाने देंगे।

अमेरिकी अधिकारी ने मीडिया से बातचीत में कहा है कि प्राइस कैप के माध्यम से जी7 देश रूसी कच्चा तेल के निर्यात से रूस की आमदनी को नियंत्रित करना सुनिश्चित करेंगे। अमेरिका की ओर से यह आश्वासन ऐसे समय पर दिया जा रहा है जब दुनिया के ज्यादातर देश महंगाई और ईंधन की ऊंची कीमतों का समाना करने को मजबूर हैं।

कार के पैसे लिए थे पूरे लेकिन थमा दी पुरानी कार

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ग्राहकों से पूरा पैसा लेकर भी नया सामान या उचित सेवा नहीं देना आपको महंगा पड़ सकता है। ऐसा ही एक मामला सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में आया है।

कोर्ट ने कहा है कि पूरी राशि लेने के बाद भी नई कार नहीं देना अनुचित व्यापार गतिविधि है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पूरी राशि लेने के बाद भी नई कार की डिलिवरी नहीं करना डीलर की बेईमानी को बताता है और यह नैतिकता के खिलाफ भी है। कोर्ट ने कार खरीद से जुड़े एक मामले में यह टिप्पणी की है। शिकायकर्ता ने आरोप लगाया था कि कार की पूरी राशि जमा करने के एक साल बाद उसे वाहन की डिलिवरी की गई। शिकायकर्ता ने दावा किया कि उसे जो कार दी गयी, वह पुरानी थी। डीलर ने उस कार का उपयोग 'डेमो टेस्ट ड्राइव' के रूप में किया था। न्यायाधीश एम आर शाह और न्यायाधीश कृष्ण मुरारी की पीठ ने इस मामले में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निपटान आयोग के जनवरी, 2016 में दिये गये फैसले को रद्द कर दिया। एनसीडीआरसी ने डिस्ट्रिक फोरम के उस निष्कर्ष को खारिज कर दिया था कि मामले में दी गई कार एक इस्तेमाल की गई गाड़ी थी। जबकि फोरम के आदेश की पुष्टि राज्य आयोग ने की थी। आयोग ने मामले में जिला मंच के आदेश को संशोधित करते हुए निर्देश दिया था कि शिकायकर्ता को एक लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। डिस्ट्रिक फोरम ने डीलर को कार वापस लेने और पूर्व में जमा की गई राशि के एवज में शिकायतकर्ता को नया वाहन देने का निर्देश दिया था। साथ ही शिकायकर्ता की मानसिक पीड़ा के लिए 5,000 रुपये और कानूनी खर्च के रूप में 2,500 रुपये देने को कहा था। शिकायकर्ता ने एनसीडीआरसी के निर्णय को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि शिकायकर्ता ने नई कार 'बुक' की थी और पूरी राशि का भुगतान किया था। ऐसे में डीलर की जिम्मेदारी थी कि वह उसे नई कार देता। पीठ ने कहा, ''राष्ट्रीय आयोग ने भी पाया है कि जो कार दी गयी, उसमें गड़बडी थी। नई कार की जगह खराब कार देना भी बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है... पैसे लेकर सही गाड़ी नहीं देना अनुचित व्यापार गतिविधि है।'' न्यायालय ने कहा कि जिला मंच और राज्य आयोग का डीलर को नई कार देने का निर्देश बिल्कुल उचित था। पीठ ने एनसीडीआरसी के फैसले को निरस्त करते हुए जिला मंच के अप्रैल, 2011 के आदेश को बहाल कर दिया।

इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क का प्रस्ताव संसद में करेंगे पेश,अमेरिका दौरे पर बोले पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान शुक्रवार को कहा है कि एक मजबूत इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रास्पेरिटी का प्रस्ताव जल्द ही संसद में पेश किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के विभिन्न पहलुओं को देखते हुए फैसले लेगा। इस दौरान गोयल ने कहा कि भारत अमेरिकी कंपनियों को प्रोद्योगिकी सेवाओं का एक बड़ा प्रदाता देश है और जल्द ही संसद में मजबूत ढांचा पेश करने का प्रस्ताव किया जा रहा है। लांस एंजिल्स में पीयूष गोयल ने कहा कि भारत उच्च स्तर की डेटा गोपनियता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक और समकालीन कानूनों की अवधारणा पर काम कर रहा है। जल्द ही उन्हें लागू किया जाएगा। लांस एंजिल्स में पीयूष गोयल ने कहा कि भारत उच्च स्तर की डेटा गोपनियता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक और समकालीन कानूनों की अवधारणा पर काम कर रहा है। जल्द ही उन्हें लागू किया जाएगा। इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य मंत्री लॉस एंजिल्स में इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फोरम की मंत्रिस्तरीय बैठक में शामिल हुए। उनके अलावे इस बैठक में यूएसटीआर के राजदूत कैथरीन ताई और अमेरिकी वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो ने भी हिस्सा लिया। पीयूष गोयल ने कहा कि इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क के सदस्य देशों के बीच आपसी समृद्धि के लिए उपयोगी जुड़ाव रहा है। इस बातचीत के दौरान आर्थिक विकास की जमीन तैयार करने का काम किया गया है। इस दौरान वाणिज्य मंत्री ने ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर भी शोक व्यक्त किया।

रेल के पहियों का निर्यात करेगा भारत, वंदे भारत ट्रेनों के लिए सरकार ने की ये तैयारी

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि रेलवे ने पहियों का निर्यातक बनने का खाका तैयार किया है। शुक्रवार को पहिया एक ऐसा संयंत्र बनाने के लिए एक निविदा जारी की गई है जो हर वर्ष कम से कम 80,000 पहियों का निर्माण करे। उन्होंने कहा है कि यह पहली बार है कि रेलवे ने निजी कंपनियों को भारत में हाई स्पीड ट्रेनों के लिए व्हील प्लांट और व्हील बनाने के लिए आमंत्रित करने करने के लिए टेंडर जारी किया है। बता दें कि भारतीय रेलवे को हर साल दो लाख पहियों की जरूरत होती है। योजना के मुताबिक स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) इनमें से एक लाख पहिये की आपूर्ति करेगा बाकी पहियों का उत्पादन नए 'मेक इन इंडिया' प्लांट्स में होगा। मीडिया से बातचीत में रेलमंत्री ने कहा है कि वैष्णव ने कहा है कि निविदा इस शर्त पर दी जाएगी कि संयंत्र पहियों का निर्यातक भी होगा और उसका निर्यात बाजार यूरोप होगा।

हफ्ते के आखिरी दिन बाजार में तेजी बरकरार

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद हुए। हालांकि शुक्रवार के कारोबारी सेशन में बाजार में उठापटक जारी रहा, पर बंद होने समय बाजार में मजबूती बनी रही। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 105 अंक चढ़कर 59,793.14 अंक और निफ्टी 35 अंक बढ़कर 17,833.35 के स्तर पर क्लोज हुआ। IT, बैंकिंग, मेटल शेयरों में खरीदारी से शेयर बाजार को सहारा मिला। वहीं, वित्तीय सेवाओं, रियल्टी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनियों के शेयरों के कारण बाजार पर दबाव बनता दिखा।

एक पहल ने भारत को दूध उत्पादन में बनाया नंबर वन

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। एक समय था जब भारत दूध की कमी से जूझता था। लोगों को पर्याप्त दूध नहीं मिल पाता था। वर्गीज कुरियन ने इस समस्या का समाधान निकाला। वर्गीज कुरियन की अगुवाई में 'ऑपरेशन फ्लड' की शुरुआत की गई थी। इसी के बलबूते भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बना। आज यानी 9 सितंबर को उनका स्मृति दिवस है। आईए आपको बताते हैं कि किस तरह उन्होंने भारत को दूध उत्पादन के मामले में पूरी दुनिया में सबसे आगे खड़ा कर दिया। किस तरह से उनकी एक पहल से पूरे देश की तस्वीर बदल गई।

कुरियन को भारत में श्वेत क्रांति का जनक कहा जाता है। भारत का ऑपरेशन फ्लड दुनिया का सबसे बड़ा डेरी डवलमेंट प्रोग्राम था, जिसे भारत में दूध उत्पादन को बढ़ावा मिला। अगर जमीनी स्तर पर देखें तो कुरियन की ये उपलब्धि दूध का उत्पादन बढ़ाने से कहीं ज्यादा है।

साल 1970 में ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम शुरू हुआ था। ऑपरेशन फ्लड ने डेरी उद्योग से जुड़े किसानों को उनके विकास को स्वयं दिशा देने में सहायता दी थी। किसानों को उनके संसाधनों का कंट्रोल उनके हाथों में दिया गया था। राष्ट्रीय दुग्ध ग्रिड देश के दूध उत्पादकों को 700 से अधिक शहरों और नगरों के उपभोक्ताओं से जोड़ता है।

आज शायद ही कोई मध्यम वर्गीय परिवार होगा, जहां अमूल दूध, घी और मक्खन का इस्तेमाल न होता हो। वर्गीज कुरियन ने ही अमूल ब्रांड को देश के हर घर में पहुंचाने का काम किया था। भैंस के दूध से पाउडर का निर्माण करने वाले कुरियन दुनिया के पहले व्यक्ति थे। इससे पहले गाय के दूध से पाउडर का निर्माण किया जाता था। अमूल की सफलता पर तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने अमूल मॉडल को दूसरी जगहों पर फैलाने के लिए राष्ट्रीय दुग्ध विकास बोर्ड का गठन किया था। वर्ष 1973 में उन्होंने गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फ़ेडरेशन की स्थापना की और 34 साल तक इसके अध्यक्ष रहे।

सरकार ने किया था सम्मानित

कुरियन के जीवनकाल में भारत सरकार ने उन्हें पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित किया था। साल 1965 में उन्हें रेमन मैगसायसाय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। वर्गीस कुरियन आणंद के इंस्टिट्यूट ऑफ़ रुरल मैनेजमेंट के अध्यक्ष भी रहे हैं। साल 2005 में उनकी जीवनी 'आई टू हैड ए ड्रीम' छपी थी।

भारत के मिल्कमैन के नाम से मशहूर

कुरियन को 'भारत का मिल्कमैन' भी कहा जाता है। कुरियन देश में बिलियन लीटर आइडिया, ऑपरेशन फ्लड और डेयरी फार्मिंग जैसे अभियान शुरू किए। इसी की बदौलत भारत दूध उत्पाद में विश्व में नंबर एक पर है। इन्हीं की बदौलत एक तिहाई ग्रामीण आय का स्रोत दुग्ध उत्पादन है।

खुशखबरी, अब एसी 3 डिब्बे में भी मिलेंगे कंबल चादर

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। आपको पता ही होगा कि रेलवे ने इकॉनमी थ्री एसी क्लास के नाम से एक नया डिब्बा बनाया है। इस डिब्बे को महत्वपूर्ण मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में लगाना शुरू कर दिया है। इस डिब्बे को डेवलप करने का मकसद आम लोग भी किफायती दर पर आरामदेह यात्रा कर सकें। लेकिन इन डिब्बों में अभी तक बेड रोल या लिनेन की सुविधा नहीं है। अगर आप भी ट्रेन से यात्रा करते हैं तो आपके लिए एक बड़ी खुशखबरी है। रेलवे ने हाल ही में जो एसी थ्री का इकॉनमी कोच डेवलप किया है, उसमें भी अब यात्रियों को कंबल-चादर मिलेंगे। अभी तक इस कोच में यह सुविधा नहीं है। अब रेलवे बोर्ड ने फैसला किया है कि इन डिब्बों में भी यात्रियों को बेड लिनेन मिले। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस डिब्बे को

जर्मन तकनीक वाले एलएचबी प्लेटफार्म पर विकसित किया गया है। इन डिब्बों में सामान्य एसी थ्री कोच के मुकाबले 15 फीसदी सीटें ज्यादा होती हैं। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसी महीने की 20 तारीख से थ्री एसी इकॉनमी कोच में यह सुविधा शुरू हो जाएगी। इस डिब्बे के यात्रियों को भी ठीक उसी तरह बेड लिनेन का सेट मिलेगा, जिस तरह से थ्री एसी या टू एसी के यात्रियों को मिलता है। हालांकि अभी यह तय नहीं हुआ है कि यह सुविधा फ्री में मिलेगी या चार्जेबल होगी? रेलवे बोर्ड के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि इस बारे में शीघ्र ही निर्णय ले लिया जाएगा। लिनेन की सुविधा भारतीय रेल के सिर्फ एयर कंडीशंड क्लास में मिलती है। नार्मल एसी कोच, चाहे वह राजधानी का हो, दूरंतो का हो या किसी मेल एक्सप्रेस ट्रेन का, उनमें बेड लिनेन फ्री में मिलता है। लेकिन गरीब रथ के एसी थ्री कोच में बेड लिनेन चार्जेबल है। मतलब कि उसमें यात्रियों को बेड लिनेन लेने के लिए 25 रुपये का शुल्क चुकाना पड़ता है। यात्री चाहे तो टिकट बुक कराते समय यह चार्ज चुका दें या ट्रेन में अटेंडेंट को पैसे देकर लिनेन ले लें। रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि एसी थ्री इकॉनमी क्लास में सामान्य एसीथ्री के मुकाबले 15 फीसदी सीटें 11 बर्थ ज्यादा हैं। नार्मल एसी थ्री कोच में 72 बर्थ होते हैं जबकि इसमें 83 बर्थों की व्यवस्था है। बर्थ बढ़ाने के चक्कर में इस डिब्बे में वह स्थान बनाया ही नहीं गया है, जहां कि कंबल और चादरें स्टोर की जाती हैं। इसलिए इन ट्रेनों में अभी तक कंबल चादर की सुविधा नहीं मिल पाई है। रेलवे बोर्ड के अधिकरियों का कहना है कि एसी थ्री इकॉनमी कोच में अंतिम तीन बर्थ पर किसी यात्री की बुकिंग नहीं होगी। इस डिब्बे में अंतिम तीन बर्थ का नंबर 81, 82 और 83 है। इन बर्थ पर किसी पैसेंजर की बुकिंग नहीं होगी। एडवांस रिजर्वेशन पीरियड की वजह से जिन ट्रेनों में पहले से ही इन बर्थ पर बुकिंग की जा चुकी है, उन यात्रियों को अन्य बर्थ पर एडजस्ट किया जाएगा। इन्हीं तीनों बर्थों पर बेड लिनेन का पैकेट स्टॉक किया जाएगा। इस नए एसी 3 टीयर इकनॉमी कोच की सबसे अच्छी बात यह है कि इसका किराया सामान्य एसी 3 टीयर कोच से करीब 8 फीसदी कम है।

गहलोत ने फिर कसा पीएम मोदी पर तंज

बोले - 'रेवड़ियां तो ठेले पर बिकती हैं'

जयपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे नरेगा अभियान की तर्ज पर राजस्थान में शहरों में भी अभियान की शुरूआत हो गई है। सबसे पहले महिलाओं को जॉब कार्ड बांटे गए। दरअसल, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के नाम शुरू की इस योजना में पहले दिन प्रदेशभर की 200 से ज्यादा नगरीय निकायों में 2.25 लाख लोगों को जॉब कार्ड जारी किए जा रहे हैं। इस अभियान में शहरी बेरोजगार परिवारों को साल में 100 दिन का रोजगार मिलेगा।

इस दौरान अशोक गहलोत ने कहा- जो अधिकार कर्मचारी प्रशासन शहरों के संग अभियान में पट्टे देने में आनाकानी करता है। पार्षद मेयर सहित दूसरे जनप्रतिनिधि अधिकारियों की सूची तैयार करके हमें भिजवाए। हम ऐसे अधिकारियों के खिलाफ बर्खास्त करने की भी कार्रवाई करें। सरकार ने लोगों को किसी भी तरह से के मकानों का पट्टा मिल सके। इसके लिए हमने हर तरह से संशोधन कर दिया है।

गहलोत ने रेवड़ियां बांटने के मामले में पीएम नरेंद्र मोदी के बयान पर चुटकी ली। उन्होंने कहा- हमने जोहरी बाजार में ठेले पर बिकती देखी हैं। जनता को मुफ्त इलाज और रोजगार देना रेवड़ियां नहीं सरकार की जिम्मेदारी है।

मोदी से भाइचारे की अपील करने के लिए कहा

गहलोत ने कहा- मैं चाहता हूं मोदी जी अपील करो। सभी लोग प्यार, मोहब्बत, भाईचारे, विश्वास से रहें। तब देश मजबूत होता है। मैं हिंसा बर्दाश्त नहीं करूंगा। सब लोग प्यार मोहब्बत से रहें। इसमें क्या दिक्कत है।

वहीं, इस कार्यक्रम में मेयर सोम्या गुर्जर, विधायक नरपत सिंह, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया इस कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। मंत्री प्रताप सिंह और लालचंद कटरिया भी नहीं आए। कांग्रेस विधायक गंगादेवी भी नहीं पहुंची।

दरअसल, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस अभियान की शुरुआत जयपुर में आगरा रोड स्थित खानिया की बावड़ी में श्रमदान करके की। इस मौके पर गहलोत ने रजिस्टर्ड लोगों को जॉब कार्ड भी दिए। काम के लिए औजार भी उपलब्ध करवाए। हालांकि इस सरकारी कार्यक्रम से पहले इस पर राजनीति भी देखने को मिली। जयपुर नगर निगम ग्रेटर और जयपुर नगर निगम हैरिटेज एरिया के 10 विधानसभा के 8 विधायकों का नाम निमंत्रण में विशेष अतिथि के रूप में लिखा गया, लेकिन 2 विधायकों सतीश पूनिया और नरपतसिंह राजवी के अलावा नगर निगम ग्रेटर की मेयर सौम्या गुर्जर इसमें जगह नहीं दी।

योजना में शहरी क्षेत्र के बेरोजगार व्यक्तियों को साल में 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 800 करोड़ रुपए का बजट रखा है। इसमें एक व्यक्ति को प्रतिदिन 259 रुपए मजदूरी के तौर पर दिए जाएंगे और 8 घंटे काम करना होगा।

18 से 60 वर्ष की एजग्रुप के लोग कर सकेंगे काम

योजना में 18 से 60 साल की एजग्रुप के लोगों को काम दिया जाएगा। योजना में पंजीयन जन आधार कार्ड के जरिए किया जा रहा है। एक परिवार के सदस्यों को अलग-अलग पंजीयन कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जिन परिवारों के जन आधार कार्ड उपलब्ध नहीं हैं, वे ई-मित्र या नगरपालिका सेवा केंद्र पर जन आधार के लिए आवेदन कर उसके क्रमांक के आधार पर जॉब कार्ड के लिए आवेदन कर सकेंगे।

आज अशोक गहलोत के गृह क्षेत्र जोधपुर में रहेंगे अमित शाह

राज्य के सबसे बड़े संभाग को साधने की होगी कोशिश

जोधपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह क्षेत्र जोधपुर में भाजपा के ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय स्तर की बैठक के समापन सत्र को संबोधित करेंगे। शाह जोधपुर में भाजपा के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की एक बैठक में उद्घाटन भाषण देंगे।

बीएसएफ अधिकारियों के साथ बिताएंगे रात

गृह मंत्री शुक्रवार शाम जैसलमेर के वायुसेना स्टेशन पहुंचेंगे। वह दाबला (जैसलमेर) में दक्षिण सेक्टर मुख्यालय में बीएसएफ अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे और रात बीएसएफ अधिकारी संस्थान में बिताएंगे।

भाजपा जुटा रही है पूरे संभाग से कार्यकर्ता

शुक्रवार की सुबह दो दिवसीय कार्यसमिति की बैठक का उद्घाटन मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लक्ष्मण, केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव और भाजपा की राजस्थान इकाई के प्रमुख सतीश पूनिया ने किया। ओबीसी मोर्चा की बैठक के तुरंत बाद शाह जोधपुर के दशहरा मैदान में भाजपा के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे. पार्टी बैठक के लिए पूरे संभाग से अपने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को जुटा रही है।

ओबीसी वोट बैंक को साधने की होगी कोशिश

भाजपा के एक नेता ने कहा, 'पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक ऐतिहासिक होने जा रही है।' जोधपुर में भाजपा के ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक का उद्देश्य 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में पार्टी के ओबीसी वोट बैंक को मजबूत करना है। जोधपुर गहलोत का गृहनगर है।

राजस्थान का सबसा बड़ा संभाग है जोधपुर

भाजपा चुनाव से पहले राज्य के पश्चिमी हिस्से में भी अपनी ताकत मापना चाहती है। जोधपुर, राजस्थान का सबसे बड़ा संभाग है और इसमें छह जिले जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, जालोर, सिरोही और पाली जिले शामिल हैं। 200 विधानसभा क्षेत्रों में से 33 जोधपुर संभाग में हैं, जिनमें 10 जोधपुर जिले में हैं। इनमें से भाजपा के पास फिलहाल 14, कांग्रेस के पास 17, जबकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और निर्दलीय के पास एक-एक सीट है।

चाकू की नोक पर छह साल की मासूम से रेप के बाद चेहरे को बीड़ी से दागा था, आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

भरतपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर में पॉक्सो न्यायालय ने करीब डेढ़ साल पहले छह साल की एक मासूम बच्ची से दुष्कर्म कर उसके चेहरे को बीड़ी से दागने वाले दरिंदे को गुरुवार को मरते दम तक कैद की सजा दी है। इसके साथ ही आरोपी को 50 हजार रुपये के आर्थिक दंड से दंडित किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पड़ोस में रहने वाली छह साल की मासूम से शराब के नशे में दुष्कर्म करने बाला यह दरिंदा उसे बहला-फुसला कर अपने घर में ले गया और चाकू से डरा उसके साथ दुष्कर्म किया। दो मार्च 2021 को दोपहर के समय घटी इस सनसनीखेज एवं लोमहर्षक वारदात के सम्बंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार घर के पास की दुकान से सामान लेने जा रही इस मासूम को हरी सिंह नामक यह दरिंदा रास्ते में से बहला-फुसला कर घर ले गया और दुष्कर्म करने के बाद उसने बच्ची के चेहरे को बीड़ी से जला दिया।

आरोपी के घर से बरामद हुई थी बच्ची

जब काफी देर तक बच्ची घर नहीं लौटी तो बच्ची की मां उसे ढूंढते हुए आरोपी के घर पहुंची। जहां बच्ची उसे रोती हुई मिली। बच्ची की मां ने तुरंत मथुरा गेट थाने को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू बरामद किया। बच्ची की मां ने महिला थाने में मामला दर्ज करवाया। पॉक्सो न्यायालय ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए यह सजा सुनाई की जब तक आरोपी जिंदा रहेगा तब तक वह जेल में अपना जीवन काटेगा। इसके अलावा आरोपी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

बेरोजगारों ने किया कर्मचारी चयन बोर्ड का घेराव

उपेन यादव ने की मांग

जयपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ ने आज अपनी विभिन्न मांगों को लेकर राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड का घेराव किया। महासंघ के अध्यक्ष उपेन यादव ने बताया कि बड़ी संख्या में युवा अधीनस्थ चयन बोर्ड के कार्यालय पहुंचे और बोर्ड अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा। उपेन यादव ने बताया कि ग्राम विकास अधिकारी,कंप्यूटर अनुदेशक,पशुधन सहायक भर्ती में ओबीसी,ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्रों की विसंगतियों से बाहर किए गए चयनित अभ्यर्थियों वापस लेने और विसंगतियों को सही करवाने और जूनियर असिस्टेंट का डाटा विद्युत विभाग भिजवाने,कंप्यूटर अनुदेशक दस्तावेज़ सत्यापन का शेड्यूल जारी करवाने, एवं प्रयोगशाला सहायक साइंस और jen भर्ती का परिणाम जारी करवाने की मांग को लेकर कर्मचारी चयन बोर्ड का घेराव किया।

बोर्ड के अध्यक्ष ने दिया आश्वासन

उपेन यादव ने बताया कि घेराव के बाद 10 सदस्य प्रतिनिधि मंडल की उपेन यादव के नेतृत्व में कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा से वार्ता हुई। आश्वसान दिया- ग्राम विकास अधिकारी भर्ती में ईडब्ल्यूएस,ओबीसी के अभ्यर्थियों को बाहर नहीं किया जाएगा। जिन्हें आवेदन की अंतिम तिथि तक ईडब्ल्यूएस ओबीसी प्रमाण पत्र की अनिवार्यता की वजह से बाहर किया गया था और जल्द संशोधित आदेश जारी कर दिया जाएगा। कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती एवं ग्राम विकास अधिकारी भर्ती में नवीनतम ओबीसी सर्टिफिकेट लागू करने के संबंध में कहा कि उन्होंने इस संबंध में सरकार को अभ्यर्थियों के पक्ष में पॉजिटिव लिखा है कि चयनित अभ्यर्थियों को बाहर नहीं किया जाए।अन्य भर्ती परीक्षाओं का परिणाम जल्द जारी करने का आश्वासन दिया है ।

उपेन यादव पहले भी कर चुके हैं प्रदर्शन

उल्लेखनीय है कि इससे पहले उपेन यादव के नेतृत्व में स्वायत्त शासन विभाग के सामने प्रदर्शन किया था। उपेन यादव लंबे समय से युवा बेरोजगार आयोग बनाने की भी मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उपेन यादव रीट पेपर लीक मामले में भी सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन कर चुके हैं। उपेन यादव का कहना कि राज्य सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं कर रही है।

आरसीए के चुनाव 30 सितंबर को होंगे

सीएम गहलोत के बेटे फिर करेंगे अध्यक्ष पद की दावेदारी

जयपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव 30 सितंबर को होंगे। 26 सितंबर को नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। 30 सितंबर को ही मतदान और मतगणना की जाएगी। 29 सितम्बर को प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी होगी। इस बार भी सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत के चुनाव लड़ने के पूरे आसार है। पिछली बार एसोसिएशन के चुनावों में वैभव गहलोत ने रामेश्वर डूडी को शिकस्त दी थी। करीब 3 साल बाद आरसीए के चुनाव हो रहे हैं। अभी तक कोई पदाधिकारी खुलकर सामने नहीं आया है। ऐसे में 20 सितंबर बाद ही तस्वीर साफ होगी।

20 सितंबरको चुनावी तस्वीर साफ होगी

फिलहाल आरसीए में सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत की अध्यक्षता में चुनी गई कार्यकारणी सत्ता में है। ऐसे में माना जा रहा है वैभव गहलोत दोबारा चुनाव मैदान में उतरेंगे। वहीं वैभव गहलोत के सामने अब तक कोई भी पदाधिकारी खुलकर चुनावी मैदान में नहीं आया है। ऐसे में 20 सितम्बर बाद ही चुनावी तस्वीर साफ हो सकती है। आरसीए की मौजूदा कार्यकारिणी का कार्यकाल 4 अक्टूबर को पूरा होने जा रहा है। तीन साल पहले 4 अक्टूबर 2019 में वैभव गहलोत ने आरसीए अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया था। तब उन्होंने रामेश्वर डूडी ग्रुप को चुनाव हराया था। वैभव गहलोत ने आरसीए में विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को संरक्षक बनाया था। पिछली बार वैभव गहलोत ने कांग्रेस नेता रामेश्वर डूडी को हराया था।

वैभव ने रामेश्वर डूडी ग्रुप का हराया था

कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष अमीन पठान, सचिव महेन्द्र शर्मा, कोषाध्यक्ष कृष्ण निमावत, संयुक्त सचिव महेन्द्र नाहर और कार्यकारिणी सदस्य देवाराम चौधरी हैं। मौजूदा कार्यकारिणी में से कुछ सदस्यों के दोबारा चुनाव लड़ने पर अभी असंमजस की स्थिति बनी हुई हैं। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस आरएम लोढा समिति की शिफारिशों को लागू किया गया था। बता दें कि आरसीए की मौजूदा कार्यकारिणी का कार्यकाल 4 अक्टूबर को पूरा होने जा रहा है। तीन साल पहले 4 अक्टूबर 2019 में वैभव गहलोत ने आरसीए अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया था। तब उन्होंने रामेश्वर डूडी ग्रुप को चुनाव हराया था। वैभव गहलोत ने आरसीए में विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को संरक्षक बनाया था।

600 किमी बाइक से जा रहे परिवार को ट्रैक्टर ने रौंदा

पति-पत्नी और 2 साल के बेटे की मौत जीजा का बेटा भी घायल

अजमेर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अजमेर में शुक्रवार को हुए सड़क हादसा में तीन लोगों की मौत हो गई। हाईवे पर चल रहे ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इसमें पति-पत्नी सहित 2 साल के बच्चे की मौके पर मौत हो गई। 2 घायल को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। पूरा परिवार बाइक जो दो बाइक पर सवार थे। मांगलियावास थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मांगलियावास थाने के ASI भगवान सिंह ने बताया कि शुक्रवार को सवा 11 बजे तबीजी पुलिया के पास रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रैक्टर ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। जिसमें जिला राजसमंद भीम देवगढ़ के रहने वाले रमेश (30), मांगी पत्नी रमेश (25) और उनके 2 साल के बेटे दीपक की मौके पर मौत हो गई। वहीं, बेटा संजय (4) और जीजा का बेटा प्रहलाद (16) घायल हो गए। जिन्हें जेएलएन हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। जहां उनका उपचार किया जा रहा है। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों द्वारा सभी बॉडी को जेएलएन हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

पुलिस के अनुसार मृतक रमेश अपनी पत्नी मांगी, बेटे दीपक व संजय के साथ मोटरसाइकिल पर राजसमंद से दिल्ली (करीब 600 किलोमीटर) जा रहे थे। तबीजी पुलिया के पास सड़क रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें रमेश उसकी पत्नी मांगी व बेटे दीपक की मौके पर मौत हो गई। दूसरा बेटा संजय घायल हो गया। इसके साथ ही पीछे आ रहे मृतक रमेश के जीजा बाबूलाल का बेटा प्रहलाद मौके पर पहुंचा। तीनों रिश्तेदारों को देख रही रहा था कि ट्रैक्टर असंतुलित होकर उस पर भी चढ़ गया। जिससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों घायल बच्चों को जेएलएन हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है।

जेएलएन प्रशासन द्वारा मामले की सूचना मांगलियावास थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मांगलियावास थाना पुलिस ने ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

सीएम गहलोत के जिले में छात्रों ने स्कूल पर जड़ा ताला

शिक्षकों की कमी को लेकर 400 छात्रों ने शुरू किया आंदोलन

जोधपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह जिले में शिक्षकों की कमी को लेकर छात्र आंदोलन पर उतर गए हैं। जोधपुर जिले के रजलानी गांव स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाले करीब 400 छात्र-छात्राओं ने स्कूल पर ताला लगा कर धरना शुरू कर दिया है। स्कूल में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने को लेकर छात्र-छात्राओं के साथ ग्रामीणों ने राज्य सरकार से स्कूल में रिक्त पदों पर शिक्षकों को लगाने की मांग की है।

दरसअल जोधपुर जिले के रजलानी गांव स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्यापकों के रिक्त पदों से परेशान होकर स्कूल के सभी 400 से अधिक छात्र-छात्राओं ने स्कूल पर ताला लगाकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। राजलानी के सरकारी स्कूल में अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राओं ने सुबह आते ही स्कूल के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर नारे बाजी शुरू कर धरना शुरू कर दिया।

गांव वाले बोले- जारी रहेगी तालाबंदी

स्कूल के मुख्य द्वार पर 400 से अधिक छात्र-छात्राओं के साथ उनके अभिभावकों ने भी स्कूल में शिक्षकों की कमी से परेशान होकर आंदोलन शुरू कर दिया। स्कूल के बाहर नारेबाजी करते हुए छात्र-छात्राओं ने बताया कि राजलानी स्कूल में गणित, इतिहास, हिन्दी, भूगोल विषय के शिक्षकों की कमी कई महीनों से रिक्त पड़े हैं। इन विषय के शिक्षकों की कमी से गांव पर रहने वाले स्कूली बच्चों का भविष्य खराब होता जा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक स्कूल में रिक्त स्थानों पर शिक्षकों की तैनाती नही तब तक स्कूल में तालाबंदी जारी रहेगी।

शिक्षकों की कमी से ग्रामीण भी आंदोलन में शामिल

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के साथ उनके अभिभावकों ओर ग्रामीणों ने भी आज तालाबंदी का समर्थन करने का निर्णय लिया है। छात्र-छात्राओं के साथ ग्रामीणों ने राज्य सरकार के साथ शिक्षा विभाग से गांव की स्कूल में रिक्त पड़े पदों को जल्द भरने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक सरकार गांव की स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती नहीं करेगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

ट्रक से भिड़ी रामदेवरा यात्रियों की क्रूजर, 5 की मौत

मृतकों में 7 साल का बच्चा, महिला भी; दर्शन कर जा रहे थे रींगस

नागौर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। रामदेवरा (जैसलमेर) से रींगस (सीकर) जा रही क्रूजर एक ट्रक से भिड़ गई। इस हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 12 लोग घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि क्रूजर के परखच्चे उड़ गए। 5 गंभीर घायलों को जोधपुर रेफर किया गया। घटना गुरुवार देर रात 11:30 बजे नागौर जिले की है।

जानकारी के अनुसार क्रूजर सवार सभी यात्री रामदेवरा दर्शन के लिए आए थे। गुरुवार को दर्शन कर यह रींगस की तरफ जा रहे थे। तभी बुरडी फांटा के पास सामने से आ रही ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक से भिड़ंत होते ही क्रूजर के परखच्चे उड़ गए। इनमें बैठे यात्री बुरी तरह फंस गए।

मौके पर मौजूद लोगों ने सुरपालिया थाने के पुलिस अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद क्रूजर में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। इनमें से 5 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। 12 घायलों को एंबुलेंस की मदद से नागौर के डेह अस्पताल लाया गया, जहां से उन्हें नागौर के जेएलएन अस्पताल में रेफर कर दिया गया। इनमें 5 यात्रियों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जोधपुर रेफर किया गया।

हाईवे पर जहां हादसा हुआ, वहां अंधेरा था। मौके पर पहुंची पुलिस अधिकारियों की टीम को भी समझ में नहीं आया। क्रूजर में फंसे शवों को निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मोबाइल टॉर्च की रोशनी में किसी तरह से घायलों-मृतकों को बाहर निकालना गया।

ससुरालवालों ने दामाद का अपहरण कर कुल्हाड़ी से काट डाला, 10 साल से चल रहा था दहेज प्रताड़ना का केस

अलवर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले के गोविंदगढ़ इलाके में रहने वाले एक 37 साल के शख्स की उसके ससुराल वालों ने अपहरण कर हत्या कर दी। मृतक पर पिछले 10 साल से दहेज प्रताड़ना का केस चल रहा था। मामले में मृतक के परिवार द्वारा ससुरालवालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के बाद गुरुवार को उसके साले को गिरफ्तार कर लिया गया।

मृतक नईम खान के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, उसकी नाक और पैर कुल्हाड़ी से काट दिए गए थे। दहेज प्रताड़ना मामले में अदालत में पेशी से लौटने के बाद से खान छह सितंबर से लापता था। परिवार ने उसी दिन लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि उन्हें नईम के ससुराल वालों पर उसके अपहरण का शक है। टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक, गोविंदगढ़ पुलिस स्टेशन के एक अफसर ने बताया, 'शिकायतकर्ताओं के संदेह के आधार पर हमने मृतक के बहनोई अकरम खान (36) को हिरासत में लिया। उसने पूछताछ के दौरान हत्या की बात कबूल की। जिसके बाद हमने एक खेत से मृतक का शव बरामद किया। हमने अकरम खान को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है।' पुलिस ने बताया कि अपहरण और हत्या के मामले में अन्य आरोपी फरार हैं। भरतपुर का रहने वाला था नईम

नईम के शरीर पर कई चोट के निशान थे। पुलिस ने कहा, 'ऐसा लगता है कि उसे कुल्हाड़ी से मारा गया था। उसकी नाक, पैर, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में कटे के निशान थे। प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि उसका अपहरण किया गया था और उसे बेरहमी से मार दिया गया था।' जानकारी के मुताबिक, नईम भरतपुर जिले के जुहेड़ा गांव का रहने वाला था और उसकी ससुराल अलवर के गोविंदगढ़ इलाके में थी।

'एक शाम राजा बलि एवं भगवान वामन के नाम' जागरण समपन्न

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलागुडा में अर्जुनदासजी महाराज पीचियाक धाम की असीम कृपा से क्षत्रिय सरगरा समाज मित्र मंडल के तत्वावधान में एक शाम राजा बलि एवं भगवान वामन अवतार के नाम पाँचवा विशाल जागरण आयोजित किया गया। अध्यक्ष जगदीश चौहान व राकेश झाला ने बताया कि पुजा-अर्चनाकर राजा बलि व वामन भगवान की तस्वीर पर माल्यापर्ण व साँची ज्योत प्रज्वलितकर आरती के पश्चात् भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मोहित देवड़ा ने राजस्थानी अंदाज में देर रात तक भजनों के पुष्प अर्पित किये। डांसर संतु माली, नरेन्द्र पाली ने रंगारंग सास्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जागरण के मध्य पधारे सम्मानित अतिथि अर्जुनदासजी महाराज, भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित, पत्रकार परबत सोलंकी एवं कार्यक्रम के लाभार्थी भोजन जीतू भाई, साउंड जगदीश, कलाकार मित्र मंडल, फंक्शन हॉल रमेश अन्नाराम, चाय पानी रामदयाल, साफा हिमताराम, पुजा साम्रगी डेकोरेशन डूंगाराम, कन्दोई रमेश, गोविन्द, नेमाराम, हीरालाल, विडियो/युट्युब लाईव सुनिल, मंच संचालक व्यवस्था राकेश झाला का भी आयोजकों द्वारा राजस्थानी परम्परा से विशेष सम्मान किया गया। अवसर पर मुख्यअतिथि सम्बोधन भाषण में सोहनसिंह राजपुरोहित ने आयोजकों को तेलंगाना की पावन धरा पर लगातार पाँचवे जागरण कराने पर शुभकामनाएँ देते हुए भरोसा दिलाया कि अतिशीघ्र आप सभी के सहयोग से समाज के मंदिर व भवन के जमीन की व्यवस्था के लिए वे हर सम्भव सहयोग करेंगे। मंच का संचालन देवेन्द्र धवल मुलैवा द्वारा किया गया। महाआरती व उपाध्यक्ष रमेश चौहान के धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात् जागरण का समापन्न हुआ।

बिहार महिला शक्ति की विशेष बैठक में नई कार्यकारिणी गठित

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन की इकाई बिहार महिला शक्ति की नई कार्यकारिणी का गठन बोइनपल्ली स्थित श्रीमती पिंकी सिंह (पूर्व महासचिव बिहार महिला शक्ति) के आवास पर हुआ। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कार्यकारिणी के चुनाव हेतु एक विशेष बैठक बुलाई गई जिसमें पुरानी कार्यकारिणी एवं बिहार महिला शक्ति के आम सदस्यों को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर अब तक महिला शक्ति द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए गत वर्षों में पूर्व कार्यकारिणी के कार्यों एवं सेवाओं हेतु उनकी सराहना की गई। पूर्व कार्यकारिणी ने महिला शक्ति को पिछले पाँच वर्षों से साथ रहकर सहयोग देने हेतु आभार व्यक्त किया और समाज के कार्यों के लिए नई कार्यकारिणी की आवश्यकता जताई। सर्वसम्मति से रेखा सिंह (उप्पल) अध्यक्ष, श्रीमती रेखा सिंह (बोइनपल्ली) उपाध्यक्ष, डॉ. आशा मिश्रा महासचिव, श्रीमती सुनीता यादव सह सचिव व श्रीमती अनीता सिंह कोषाध्यक्ष चुनी गई। साथ ही कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्रीमती पिंकी सिंह, श्रीमती बिनिता सिंह, श्रीमती पूनम सिंह, श्रीमती बेबी झा, श्रीमती करुणा सिंह एवं परामर्शदाता के रूप में पूर्व महिला अध्यक्ष श्रीमती सुधा राय एवं पूर्व कोषाध्यक्ष श्रीमती उषा सिंह का चुनाव किया गया। गौरतलब है कि बिहार महिला शक्ति गत पाँच वर्षों से कार्यरत है जिसमें बिहार की महिलाओं को चारदीवारी से निकालकर समाज से जोड़ने एवं विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से उनका आत्मविश्वास बढ़ाने और आपसी सौहार्द तथा मेल मिलाप बनाए रखने का कार्य कर रही है। बैठक में उपर्युक्त सदस्यों के अतिरिक्त वरिष्ठ सदस्य श्रीमती गायत्री सिंह, श्रीमती रंजू सिंह, श्रीमती रूपा सिंह, श्रीमती मधु सिंह, श्रीमती रंजना सिंह, श्रीमती कल्पना, श्रीमती नीता राय, श्रीमती रानी आदि सभी महिलाओं ने अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

नल्लापोचम्मा अम्मावरी मंदिर में मिरर मंडपम के लिए हुई भूमि पूजा

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीदेवी नल्लापोचम्मा अम्मावरी मंदिर, बापूजीनगर, बोइनपल्ली में भक्तों के लिए मिरर मंडपम निर्माण के लिए भूमि पूजा वैदिक मंत्रोच्चर के साथ की गई। इस भूमि पूजा कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष तथा बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पाना प्रताप मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्यों ने भाग लिया और भक्ति भाव से पूजा-अर्चना की। गलीपल्ली दुर्गाय्या दर्पण मंडप के दाता हैं। वेंकटेश ने इस भूमि पूजा कार्यक्रम में भाग लिया। जंपना प्रताप ने कहा कि यह दर्पण मंडप दशहरा नवरात्रि के दौरान भक्तों के दर्शन के लिए उपलब्ध रहेगा। बाद में मंडपम के दानदाताओं को जंपनना प्रताप ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में रामा राव, अजित, कल्याण, प्रेम मुदिराज, श्रीकांत, नरेंद्र, नरसिम्हा, अशोक, एन. वेंकटेश गौड़, बंडारी लक्ष्मण, आनंद, पुजारी साईकुमार शर्मा, मनोहर शर्मा शामिल हुए।

कवि कालोजी नारायण राव की आकांक्षाएं युवाओं के लिए मार्गदर्शक : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि प्रजा कवि कॉलेज नारायण राव की महत्वाकांक्षाएं युवाओं के लिए मार्गदर्शक हैं और उन्हें विज्ञान की भावना के रूप में उनकी महत्वाकांक्षाओं को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। कलोजी की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को जिला केन्द्र स्थित कलेक्ट्रेट भवन में जिला अपर कलेक्टर राजेशम के साथ उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कलोजी ने अपना पूरा जीवन तेलंगाना भाषा साहित्य की सेवा में बिताया और कलोजी की जयंती मनाना एक बड़ी बात है। कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट के कर्मचारियों, कर्मचारियों, संबंधित अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

राज्यपाल को बीजेपी से जोड़कर अपमानित किया जा रहा है : बंडी संजय

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के नेता राज्यपाल तमिलिसाई सौदरराजन को अपनी पार्टी से जोड़कर उनका अपमान कर रहे हैं। राज्य सरकार के खिलाफ राज्यपाल की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए, बंडी ने कहा कि टीआरएस पार्टी राज्यपाल की व्यवस्था का अपमान कर रही है। उन्होंने दावा किया कि टीआरएस पार्टी के नेता न तो महिलाओं का सम्मान कर रहे हैं और न ही बीआर अंबेडकर द्वारा लिखे गए संविधान का सम्मान कर रहे हैं। राज्यपाल राज्य सरकार से उनके पद का सम्मान करने और भारतीय संविधान को लागू करने के लिए कह रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार राज्य की प्रथम महिला को भाजपा नेता कहकर उनका अपमान कर रही है। ये कमेंट उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर किया। उल्लेखनीय है कि राज्य के राज्यपाल के रूप में अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा होने के मौके पर गुरुवार को राज्य की राज्यपाल ने मीडियाकर्मियों को संबोधित किया और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

जिलाधीश ने प्रत्येक छात्र के स्वास्थ्य के लिए विशेष ध्यान देने का दिया निर्देश

आसिफाबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि जिले के स्कूलों और छात्रावासों में पढ़ने वाले प्रत्येक छात्र को अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए। जिला केंद्र के समाहरणालय भवन सभागार में शुक्रवार को जिला अपर कलेक्टर चाहत बाजपई, जिला परिषद अध्यक्ष कोवालक्ष्मी, सिरपुर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक कोनेरू कोनप्पा और जिला राजस्व अधिकारी सुरेश ने जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारियों के समन्वय से जिले के प्रत्येक छात्र के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जायेगा, छात्रों के रक्त के नमूने लिये जायेंगे और जांच की जायेगी और जिन्हें जरूरत है. चिकित्सा सेवाओं को तुरंत अस्पतालों में ले जाया जाएगा। प्रत्येक मंडल में मंडल विशेष अधिकारी को संबंधित स्कूलों और छात्रावासों में छात्रों के स्वास्थ्य की स्थिति की जांच करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग और चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएं और तेलंगाना डायग्नोस्टिक सेंटरों में 5% प्रकार के परीक्षण किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिले के सभी स्कूलों में 25 हजार छात्र हैं और तीन दिन तक चिकित्सा शिविर लगाकर परीक्षाएं कराई जाएं. उन्होंने कहा कि बुखार वाले लोगों को गांधी, नीलोफर और रिम्स के अस्पतालों में भेजा गया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन छात्रों की उपस्थिति, टीचिंग, टीचिंग स्टाफ और अन्य ब्योरों पर नजर रखे। उन्होंने कहा कि शौचालय, परिसर, किचन और डाइनिंग हॉल को साफ रखने के लिए कदम उठाए जाएं।

यह सुझाव दिया जाता है कि छात्रों को उपलब्ध कराए गए मेनू को नोटिस बोर्ड पर रखा जाना चाहिए, मेनू के अनुसार भोजन परोसा जाना चाहिए और स्टॉक रजिस्टर की नियमित रूप से जांच की जानी चाहिए।सिरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के आश्रम स्कूल में करीब दस हजार छात्र हैं और उन्हें आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जाएं।संबंधित वार्डन स्थानीय हों, आर. ओ उन्होंने कहा कि पौधे को उपयोग में लेते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों के आवश्यक परीक्षण के लिए लैब टेक्नीशियन हमेशा उपलब्ध रहें और आदिवासी कल्याण छात्रावासों में स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति की जाए।इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अन्य ने भाग लिया।

गणपति विसर्जन के लिए ले जाती हुई माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर अध्यक्षा अरुणा गुप्ता, राकेश, पर्जन्यव अन्य।

गणेश विसर्जन पर राजस्थान राजपूत समाज हैदराबाद सिकंदराबाद की ओर से प्रसादी वितरण किया गया। इसमें भाग लेते हुए समाज के अध्यक्ष दीप सिंह राठौड़, अभय सिंह, रडमल सिंह, भीम सिंह, समाज के युवा अध्यक्ष गंगा सिंह चौहान, रणजीत सिंह, चंदन सिंह, किशोर सिंह, उदय सिंह, मंगल सिंह, भवानी सिंह, इंदर सिंह, गोपाल सिंह और अन्य।

एनकेएस यूथ एसोसिएशन हैदराबाद द्वारा स्थापित भगवान गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया। क्शुभ अवसर पर कांग्रेस नेता एनके सिंह का साल द्वार स्वागत किया गया। उपस्थित हैं नंद किशोर सिंह, एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरजीत सिंह, संदीप सिंह, आदित्य सिंह, निखिल कुमार, प्रशांत, सुमित और अन्य।

हरिचंदन ने 'पीएम टीबी मुक्त भारत अभियान' लॉन्च कार्यक्रम में लिया हिस्सा

विजयवाड़ा, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा शुरू किए गए 'प्रधान मंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान' कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम 2025 तक देश से तपेदिक उन्मूलन के मिशन को फिर से मजबूत करने जा रहा है और यह रोगी केंद्रित स्वास्थ्य प्रणाली की दिशा में सामुदायिक समर्थन हासिल करने की दिशा में एक कदम है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2018 में दिल्ली में आयोजित 'एंड टीबी समिट' में सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) लक्ष्य 2030 से पांच साल पहले टीबी को समाप्त करने का आह्वान किया। भारत के राष्ट्रपति ने 'नि-क्षय मित्र' भी लॉन्च किया। ', एक पहल, जो अभियान का एक महत्वपूर्ण घटक बनाती है और दाताओं को टीबी के उपचार से गुजर रहे लोगों को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। त्रिस्तरीय समर्थन में पोषण, अतिरिक्त निदान और व्यावसायिक सहायता शामिल है। नि-क्षय मित्र नामक दानकर्ता, निर्वाचित प्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों से लेकर कॉरपोरेट, गैर सरकारी संगठनों और व्यक्तियों तक के हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला हो सकते हैं।

गणेश विर्सजन उत्सव में भाग लेने नगर पधारे असम के सीएम हेमंत विश्वा सरमा तथा केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी का सम्मान करते हुए गोविंद राठी व अन्य।

जाति आधारित व्यवसायों को उच्च प्राथमिकता दे रही है सरकार : येर्राबेल्ली

मदन्नापेट टैंक में 6.32 लाख मछली के पौधे छोड़े गए

वारंगल, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायतीराज और ग्रामीण विकास मंत्री येर्राबेली दयाकर राव ने नरसमपेट विधायक पेड्डी सुदर्शन रेड्डी और अन्य के साथ शुक्रवार को जिले के नरसंपेट शहर के बाहरी इलाके मदनपेट टैंक में 6.32 लाख मछली के पौधे जारी किए हैं। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि टीआरएस सरकार जाति आधारित व्यवसायों को उच्च प्राथमिकता दे रही है और राज्य के गठन के बाद से राज्य में मछुआरा समुदाय के विकास और कल्याण के लिए 500 रुपये खर्च किए हैं। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के माध्यम से पानी की उपलब्धता के कारण, जिले में साल भर 753 टैंक भर रहे हैं। मछुआरों को इस अवसर का उपयोग करना चाहिए और मछलियों को पालना चाहिए और मछुआरा समुदाय से संबंधित महिलाओं को विपणन में प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। सरकार आपको प्रशिक्षण देने के लिए हमेशा तैयार है। मैं भी आपके साथ खड़ा रहूंगा।

एमएलसी बंदा प्रकाश ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के गतिशील और दूरदर्शी नेतृत्व से तेलंगाना का परिदृश्य पूरी तरह से बदल गया है, जिन्हें समाज के प्रत्येक वर्ग के व्यवसायों के बारे में पूरी जानकारी है। एमएलसी ने कहा कि जबकि 5,000 मछुआरे / महिला समाज हैं, संख्या को और बढ़ाया जाएगा।

यह कहते हुए कि मदन्नापेट टैंक तत्कालीन वारंगल जिले के सबसे बड़े टैंकों में से एक है, विधायक पेड्डी सुदर्शन रेड्डी ने सरकार से एक करोड़ मछली बीज वितरित करने का आग्रह किया है। मछुआरों को मुख्य केंद्रों और जंक्शनों पर मछली बेचने के लिए जगह आवंटित की जानी चाहिए और प्रत्येक मंडल में एक विपणन बिंदु स्थापित करना चाहिए। जिला कलेक्टर डॉ. बी. गोपी ने कहा कि उन्होंने जिले में कुल 753 तालाबों में दो करोड़ मछली के पौधे छोड़ने की व्यवस्था की है और वादा किया है कि वे मछुआरों के लाभ के लिए मछली के विपणन के लिए जगह आवंटित करने के लिए कदम उठाएंगे।

भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति द्वारा भाग्यनगर में भगवान गणेश की सामूहिक विसर्जन यात्रा में समिति के चारमीनार स्वागत मंच से गणेशउत्सव समितियों का स्वागत करते हुए अशोक फाउंडेशन के संस्थापक पंकज कुमार अग्रवाल व अन्य।

जिले में राष्ट्रीय एकता वज्रोत्सव समारोह सफल हो: राहुल राज

आसिफाबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि इस महीने की 16 से 18 तारीख तक सरकार द्वारा आयोजित तेलंगाना राष्ट्रीय एकता वज्रोत्सव महोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी विभागों के अधिकारी मिलकर काम करें। जिला केंद्र के समाहरणालय भवन सभागार में शुक्रवार को जिला अपर कलेक्टर चाहत बाज पाई, जिला परिषद अध्यक्ष कोवलक्ष्मी, सिरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कोनेरू कोनप्पा और जिला राजस्व अधिकारी सुरेश ने जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की. इस महीने की 16 तारीख को जिले के आसिफाबाद और सिरपुर निर्वाचन क्षेत्रों में 15 हजार लोगों के साथ एक रैली का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जिले के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और लोग भाग ले सकें। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे रैली में शामिल सभी प्रतिभागियों के लिए स्कूल के मैदान में पहुंचने और भोजन की व्यवस्था करने की व्यवस्था करें। 18 को जिला केंद्र में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा, और अधिकारियों को हैदराबाद में आदिवासी भवन और बंजारा भवन के उद्घाटन के लिए जिले से 5,000 अनुसूचित जनजातियों की भागीदारी के लिए एक सूची तैयार करने का आदेश दिया गया था, प्रत्येक से बसों की व्यवस्था करने के लिए जिले के मंडल, और बसों के प्रबंधन के लिए संबंधित मंडलों के पंचायत सचिवों की नियुक्ति करना।

उन्होंने कहा कि 18 तारीख को वज्रोत्सव समारोह के तहत शाम पांच बजे जिला केंद्र स्थित आदिवासी भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और जिले के स्वतंत्रता सेनानियों, लेखकों, कवियों और प्रमुख कलाकारों की सूची तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि समारोह को सफल बनाने के लिए सभी विभागों के अधिकारी समन्वय से पूरी व्यवस्था करें।

गणेश विसर्जन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पधारे असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा का सम्मान करते हुए शेरिलिंगमपल्ली विस क्षेत्र के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद व अन्य।

बजरंग सेना तेलंगाना टीम ने अनिरुद्ध अग्रवाल के साथ सिद्धिअंबर बाजार के अग्रसेन बैंक के पास एमएलसी बी. दयानंद के साथ अन्नप्रसादम वितरण में भाग लिया। उपस्थित हैं एनआर लक्ष्मण राव, नगर सचिव सूर्य शुक्ला व अन्य।

ऑस्ट्रेलिया का वनडे सीरीज पर कब्जा

दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड को 113 रन से हराया

लेग स्पिनर एडम जम्पा ने झटके पांच विकेट

ऑस्ट्रेलिया, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने तीन वनडे मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में गुरुवार को न्यूजीलैंड को 113 रन से हरा दिया। इसके साथ ही कंगारू टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम सिर्फ 195 रन पर सिमट गई। स्टीव स्मिथ ने सबसे ज्यादा 61 रन बनाए। मिचेल स्टार्क ने 38 रनों की पारी खेली।

न्यूजीलैंड के सात बल्लेबाज डबल फिगर में भी नहीं पहुंच सके। कप्तान केन विलियम्सन ने सबसे ज्यादा 17 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए लेग स्पिनर एडम जम्पा ने 9 ओवर में 35 रन देकर पांच विकेट लिए। मिचेल स्टार्क और शॉन एबोट ने दो-दो विकेट लिए। एक कामयाबी मार्कस स्टोइनिस को मिली। इस जीत से ऑस्ट्रेलिया को वर्ल्ड सुपर सीरीज के 10 पॉइंट्स मिले। स्ट्राक ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी जीता। ये पूरा मुकाबला ही गेंदबाजों के नाम रहा। दोनों टीम के गेंदबाजों ने पूरे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया।

तेज गेंदबाजों ने किया ऑस्ट्रेलिया को चित

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। कप्तान के फैसले को न्यूजीलैंड गेंदबाजों ने सही साबित किया। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को रन नहीं बनाने दिए। अच्छी गेंदबाजी के कारण ऑस्ट्रेलिया 50 ओवर में केवल 195 रन ही बना पाई। बाएं हाथ के गेंदबाज बोल्ट ने ऑस्ट्रेलिया के 4 विकेट अपने नाम किए। दूसरी ओर माट हेनरी ने 3 विकेट झटके।

कंगारू गेंदबाजी का कीवियों के पास कोई जवाब नहीं

न्यूजीलैंड को केवल जीत के लिए 196 रन की जरूरत थी लेकिन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी में ये लक्ष्य बहुत बड़ा लगने लगा। न्यूजीलैंड ने 14 रन के स्कोर पर ही अपने 3 विकेट गंवा दिए। इसके बाद पूरे मैच में ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। बल्लेबाजी टीम केवल 82 रन पर ढेर हो गई।

विराट की 90 मिनट की पारी से झूम उठा हिंदुस्तान

अफगानिस्तान के खिलाफ 12 चौके और 6 छक्के लगाए, किसी भी भारतीय का सबसे बड़ा स्कोर

दुबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राहत इंदौरी का मशहूर शेर है- अभी गनीमत है सब्र मेरा, अभी लबालब भरा नही हूं, वो मुझको मुर्दा समझ रहा है, उसे कहो मैं मरा नही हूं।

गुरुवार को जब विराट कोहली ने 1020 दिन के बाद दुबई क्रिकेट स्टेडियम में अपने करियर का 71वां शतक लगाया, तब उनके मन में कुछ ऐसे ही ख्याल आ रहे होंगे। फरीद मलिक की गेंद को विराट ने डीप-मिडविकेट के ऊपर से छह रनों के लिए भेजकर अपना शतक पूरा किया तो पूरा हिंदुस्तान एशिया कप से बाहर होने के गम को भूलाकर खुशी से झूम उठा। 70वें शतक से 71वें शतक का इंतजार 72 मैचों का था। उन्होंने इस दौरान 26 अर्धशतक जड़े। इसके बाद उनके शतकों का सूखा खत्म हुआ। इस खराब दौर में विराट कोहली 9 बार अपना खाता भी नहीं खोल पाए।

हालांकि, विराट के आलोचक इस शतक के बाद भी चुप नहीं हुए और कहने लगे कि अफगानिस्तान के खिलाफ शतक आया है। एशिया कप से बाहर होने के बाद शतक आया है। इसका कोई मतलब नहीं है। ये बेमतलब की सेंचुरी है। वो अब चाहें जो भी कहें, लेकिन वो रिकॉर्ड बुक से विराट की 71वीं सेंचुरी को मिटा नहीं सकते।

90 मिनट में जीता करोड़ों फैंस का दिल

अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा नहीं खेले। ऐसे में विराट को ओपनर बनने का मौका मिला। शुरुआत से ही वो अलग ही अंदाज में नजर आए। पहले ही गेंद से अटैक। जो विराट मैदान पर उतरने के बाद पहले कुछ देर समय लेते थे, वो आते ही बड़े-बड़े शॉट लगाने लगे।

ऐसा लगा मानों उनके अंदर क्रिस गेल की रूह आ गई है। 122 रन बनाने के लिए किंग कोहली ने सिर्फ 61 गेंद लिए। इस दौरान उनके बल्ले से 12 चौके और 6 छक्के निकले। उनका स्ट्राइक रेट 200 का रहा।

अब तेंदुलकर के महारिकॉर्ड से 29 कदम दूर

कोहली ने टेस्ट में अब तक 27, वनडे में 43 और टी-20 में एक शतक लगाया है। इस शतक के साथ कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के अंतरराष्ट्रीय शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। पोंटिंग ने इंटरनेशनल करियर में 71 शतक लगाए थे। टेस्ट में उन्होंने 41 और वनडे में 30 शतक लगाए। पोंटिंग ने इसके लिए 668 पारियां खेली थीं।

कोहली ने 71 शतक के लिए 522 पारियां खेली हैं। अब उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं। क्रिकेट के भगवान ने अपने करियर में 100 इंटरनेशनल शतक लगाए थे। टेस्ट में तेंदुलकर के नाम 51 शतक और वनडे में 49 शतक हैं।

किसी भी भारतीय खिलाड़ी द्वारा खेली गई सबसे बड़ी टी-20 पारी कोहली द्वारा अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई यह पारी टी-20 इंटरनेशनल में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सर्वश्रेष्ठ पारी है। उन्होंने इस मामले में रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले रोहित ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 118 रन बनाए थे।

इसके अलावा वह टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 3500 से अधिक रन बनाने वाले विराट दुनिया के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। पहले नंबर पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा हैं। उन्होंने 136 मुकाबलों में 3620 रन बनाए हैं। वहीं, कोहली के नाम 3584 रन दर्ज है।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान का मास्टर स्ट्रोक

मैथ्यू हेडन को बनाया टीम का मेंटर, दिग्गज बल्लेबाज बोले- इस बार जीतेंगे विश्व कप

2021 टी20 वर्ल्ड कप में हेडन थे पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड(पीसीबी) ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को 2022 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम का मेंटर नियुक्त किया है। बोर्ड ने इसकी घोषणा शुक्रवार को की। दिग्गज बल्लेबाज हेडन यूएई में खेले गए 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान टीम के बल्लेबाजी कोच भी रह चुके हैं। पीसीबी का कहना है कि हेडन की मौजूदगी से पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने काफी कुछ सीखा था। इसी कारण से पाकिस्तान पिछले साल खेले गए टी 20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक पहुंच पाया था। बता दें कि सेमीफाइनल में पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार मिली थी।

हेडन ने कहा 2022 का वर्ल्ड कप जीतेंगे

बाएं हाथ के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने पीसीबी के ऐलान करने के बाद अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा, "मैं दोबारा पाकिस्तान टीम के ड्रेसिंग रूम से जुड़ कर काफी खुश हूं। पाकिस्तानी टीम एशिया कप में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है और भारत के खिलाफ उनका प्रदर्शन भी अच्छा था।"

साथ ही हेडन ने पाकिस्तान की तारीफ करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि पाकिस्तान ऑस्ट्रेलिया में वर्ल्ड कप जीतने की प्रबल दावेदार है। पाकिस्तान की बैटिंग और बॉलिंग को ऑस्ट्रेलियाई कंडीशन पसंद आएगी और टीम उसे अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर पाएगी।

वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड की चुनौती

मैथ्यू हेडन पाकिस्तान टीम के साथ 15 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में जुड़ेंगे। पाकिस्तान वर्ल्ड टी 20 की शुरुआत से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर टी 20 सीरीज खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान को इंग्लैंड और अफगानिस्तान के खिलाफ दो वार्मअप मैच भी खेलने हैं। वर्ल्ड कप में पाकिस्तान का पहला मैच 23 अक्टूबर को भारत के खिलाफ है।

16 सितंबर को टी-20 वर्ल्ड कप टीम का होगा ऐलान

बुमराह और हर्षल को देना होगा फिटनेस टेस्ट पटेल ने नेट्स में गेंदबाजी शुरू की

बेंगलुरु, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में होने वाली टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा 16 सितंबर को किया जाएगा। वहीं चोट की वजह से एशिया कप से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल को भी फिटनेस टेस्ट के लिए नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में बुलाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम घोषित होने से पहले ये दोनों खिलाड़ियों के फिटनेस अपडेट जानने के लिए उन्हें एनसीए में बुलाया गया है, ताकि विशेषज्ञ यह आंकलन कर सके कि दोनों वर्ल्ड कप तक फिट हो पाएंगे या नहीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पटेल ने नेट्स में गेंदबाजी शुरू कर दी है वह वापसी करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, लेकिन बुमराह ने अभी गेंदबाजी शुरू नहीं की है। वहीं चयनकर्ता, कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ बुमराह पर अंतिम फिटनेस रिपोर्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। टी-20 वर्ल्ड कप अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होना है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड सहित वर्ल्डकप में भाग लेने वाली कई देशों ने अपनी टीमों का ऐलान कर चुकी है।

चोट की वजह से एशिया कप में नहीं थे शामिल

बुमराह और हर्षल पटेल चोट की वजह से एशिया कप में भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया था। एशिया कप में टीम इंडिया को इन दोनों के नहीं रहने की वजह से अहम मैचों में परेशानी का सामना करना पड़ा था। बुमराह साइड स्ट्रेन से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं हर्षल पसली की चोट के कारण एशिया कप से बाहर थे।

हर्षल डेथ ओवर के स्पेशलिस्ट गेंदबाज बनकर उभरे

हर्षल पटेल को पिछले साल डेब्यू करने के बाद से टी-20 में भारत के लिए डेथ ओवर गेंदबाज के रूप में उभरे हैं। 2022 में, उन्होंने 15 टी-20 में 8.76 की इकोनॉमी रेट से 19 विकेट लिए हैं। इस अवधि में भारत के लिए केवल भुवनेश्वर ने उनसे अधिक 10 मैच में 20 विकेट हासिल किए हैं। वहीं हर्षल ने आईपीएल के पिछले दो सीजन में भी कमाल की गेंदबाजी की थी। उन्होंने आईपीएल 2021 में 15 मैच में 32 विकेट झटके थे और पर्पल कैप जीती थी। वहीं, इस साल आईपीएल में हर्षल ने 15 मैच में 19 विकेट लिए थे।

यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे अल्काराज

सैम्प्रास के बाद अंतिम-4 में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने, अब टियाफोए से होगी भिड़ंत

न्यूयॉर्क, 9 सितंबर (एजेंसियां)। स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने मेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इटली के जैनिक सिनर को 5 सेट के मुकाबले में 6-3, 6-7, 6-7, 7-5, 6-3 से मात दी। यह मैच 5 घंटे, 15 मिनट तक चला। 10 सितंबर को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में अल्काराज की भिड़ंत फ्रांसिस टियाफोए से होगी।

इस जीत के साथ ही 19 साल के अल्काराज ने एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम दर्ज कर लिया है। वे पूर्व दिग्गज खिलाड़ी पीट सैम्प्रास के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए है.। यूएस ओपन के मुकाबले सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देखे जा सकते हैं।

अल्कराज बन सकते है वर्ल्ड नंबर 1 प्लेयर

अल्कराज के पास वर्ल्ड नंबर 1 टेनिस प्लेयर बनने का मौका है। अगर वे सेमीफाइनल मुकाबला जीत लेते हैं तो वे दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी बन जाएंगे। सोनी नेटवर्क की कमेंटेटर और पूर्व खिलाड़ी ऋषिका सोनकर ने भी यूएस ओपन की शुरुआत में अल्कराज को खिताब का दावेदार बताया था। अल्कराज पहले तीन में से 2 सेट हार चुके थे। इसके बाद उन्होंने आखिरी दोनों सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

16 साल बाद अमेरिकी खिलाड़ी फाइनल में

सेमीफाइनल में अल्काराज के प्रतिद्वंद्वी फ्रांसिस टियाफोए अमेरिका के हैं। 16 साल बाद कोई अमेरिकी खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के मेंस सिंगल्स के अंतिम चार में पहुंचा है। टियाफोए ने क्वार्टर फाइनल में नंबर-9 सीड आंद्रे रुबलेव को 7-6, 7-6, 6-4 से हराया।

कानपुर पहुंचे खिलाड़ियों का भगवा गमछा से किया स्वागत

एंटिनी ने लगाए गणपति बप्पा के जयकारे, हॉस्टल के खिलाड़ियों ने सचिन-युवी को किया बोल्ड

कानपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम का ग्राउंड गुरुवार शाम को एक बार फिर भारतीय क्रिकेट टीम के पुराने सितारों से जगमगा उठा। ग्राउंड पर सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह, सुरेश रैना, मुनाफ पटेल जैसे खिलाड़ी प्रैक्टिस करने उतरे। फ्लड लाइट की दूधिया रोशनी में सुरेश रैना अन्य खिलाड़ियों के साथ पसीना बहाते नजर आए। साउथ अफ्रीका टीम के कप्तान जोंटी रोड्स और स्टार गेंदबाज मखाया एंटिनी के साथ अन्य अफ्रीकी खिलाड़ी भी गुरुवार रात कानपुर पहुंचे। होटल पहुंचते ही साउथ अफ्रीका के स्टार गेंदबाज मखाया एंटिनी ने गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाए। इंडिया लीजेंड्स टीम के खिलाड़ी शाम करीब 6 बजे ग्राउंड पर पहुंचे। सभी खिलाड़ियों ने सबसे पहले वार्मअप फिर रनिंग की। सचिन, युवराज और रैना ने बॉलर्स की कई गेदों को बाउंड्री लाइन के पार पहुंचाया।

आसिफ अली और फरीद अहमद पर आईसीसी का बड़ा एक्शन

मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया; मैच के दौरान भिड़ गए थे दोनों खिलाड़ी

दुबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने पाकिस्तान के बल्लेबाज आसिफ अली और अफगानिस्तान के गेंदबाज फरीद अहमद पर एक्शन लेते हुए मैच फीस 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। दरअसल बुधवार को एशिया कप के सुपर फोर के पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच खेले गए मैच में दोनों खिलाड़ी आपस में भिड़ गए थे। जिसके बाद इन पर करवाई की मांग की जा रही थी। आईसीसी के जारी बयान के अनुसार आसिफ अली ने आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया है। उन्हें धारा 2.6 के उल्लंघन का दोषी माना गया है। इसके तहत मैच के दौरान अश्लील और अपमानजनक इशारे और गलत व्यवहार शामिल है। वहीं फरीद को भी मैच के दौरान साथी खिलाड़ियों के साथ गलत व्यवहार का दोषी माना गया है। इसलिए दोनों ही खिलाड़ियों पर आईसीसी ने जुर्माना लगाया है।

पाकिस्तान की पारी के 19वें ओवर में हुई भी आसिफ और फरीद के बीच झड़प

पाकिस्तानी पारी के 19वें ओवर में गेंदबाजी फरीद कर रहे थे। ओवर की पहली गेंद पर आसिफ ने एक रन लेकर छोर बदला और स्ट्राइक हारिस रउफ को दी। फरीद की दूसरी गेंद पर रउफ बोल्ड हो गए और तीसरी गेंद पर नए बल्लेबाज नसीम शाह ने

सिंगल लेकर आसिफ को स्ट्राइक दी। अगली ही गेंद पर आसिफ ने एक बेहतरीन छक्का जड़ा दिया। उसकी अगली गेंद पर भी आसिफ ने बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया और कैच आउट हो गए। ऐसे में फरीद ने सेलिब्रशन करते हुए आसिफ को उकसाया।

जडेजा की चोट को लेकर बड़ा खुलासा

एशिया कप के दौरान बिना इजाजत करने गए एडवेंचर एक्टिविटी, घुटना मुड़ गया

दुबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। उनकी घुटने की सर्जरी भी हुई है। अब उनकी चोट को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दुबई में एक एडवेंचर एक्टिविटी करने के दौरान जडेजा को चोट लग गई। टीम इंडिया जिस होटल में रुकी थी वहां जडेजा को एक वॉटर बेस्ड ट्रेनिंग एक्टिविटी में शामिल होने के लिए कहा गया। होटल के परिसर में स्थित 'बैकवॉटर' फैसिलिटी में इस एक्टिविटी को किया गया।

उन्हें एक विशेष प्रकार के स्की-बोर्ड पर खुद को पानी में बैलेंस करना था। यह एक एडवेंचर एक्टिविटी थी और BCCI के ट्रेनिंग मैन्युअल का हिस्सा नहीं थी। इस एक्टिविटी के दौरान जडेजा फिसले और उनका घुटना मुड़ गया।

इतने महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के दौरान जडेजा का एक एडवेंचर एक्टिविटी करना जोकि ट्रेनिंग का हिस्सा नहीं था कई बड़े सवाल खड़े करता है। जडेजा के टीम में ना होने से इनका रिप्लेसमेंट ढूंढने में मुश्किल आ सकती है। जडेजा अब मुंबई में हैं। जहां उन्होंने बीसीसीआई के कंसल्टेंट और सीनियर ओर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दिनशा व पर्दीवाला के गाइडेंस में घुटने की सर्जरी करवाई है।

2022 में 50 से ज्यादा की औसत से बना रहे थे रन

टी-20 क्रिकेट में जडेजा कमाल के फॉर्म में हैं। इस साल उन्होंने 9 मैच खेले हैं और 50.25 की औसत से 201 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 141.54 का रहा है। वहीं, गेंद से जडेजा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है।

असम सीएम के कार्यक्रम में टीआरएस नेता ने की माइक छीनने की कोशिश

हिमंत विस्व सरमा की सुरक्षा में हुई चूक, टीआरएस नेता नंदकिशोर बिलाल हिरासत में

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। असम के सीएम हिमंत विस्व सरमा के कार्यक्रम में टीआरएस नेता ने माइक छीनने की कोशिश की। इससे हैदराबाद शहर के एमजे मार्केट में तनाव व्याप्त हो गया। गणेश शोभायात्रा के तहत भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति द्वारा मोजमजाही मार्केट चौरस्ते पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा भी शामिल हुए। भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के नेता डॉ. एम. भगवंतराव कार्यक्रम के तहत स्वागत मंच पर बोल रहे थे कि इसी बीच स्थानीय टीआरएस नेता नंदकिशोर व्यास बिलाल मंच पर पहुंचे और श्री राव से माइक छीनकर तोड़ने की कोशिश करने लगे। भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के पदाधिकारी मशक्कत कर श्री बिलाल को मंच से दूर ले गए। वहां कुछ देर के लिए तनावपूर्ण माहौल रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बिलाल को हिरासत में लेकर स्थिति को नियंत्रण में किया। यह भी चर्चा है कि सरमा के कार्यक्रम में टीआरएस कार्यकर्ताओं ने भी हंगामा किया। इस घटना को असम के सीएम की सुरक्षा में बड़ी चूक माना जा रहा है। हालांकि इस पूरे घटना के दौरान कोई अप्रिय वारदात नहीं हुई। कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया था। गौरतलब है कि नंदकिशोर व्यास बिलाल गोशामहल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव भी लड़ चुके हैं। वे टीआरएस के काफी सक्रिय नेता माने जाते हैं। श्री बिलाल की बेटी पूजा व्यास बिलाल टीआरएस की अधिकृत उम्मीदवार के तौर पर बेगम बाजार से कार्पोरेटर का चुनाव लड़ चुकी है।

राष्ट्रीय राजनीति में केसीआर की परवाह कोई नहीं करेगा : असम सीएम

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने आज तेलंगाना के अपने समकक्ष के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर ने तेलंगाना के लोगों का विश्वास खो दिया है। उन्होंने दावा किया कि केसीआर देश के विभिन्न राज्यों के दौरे कर राष्ट्रीय राजनीति में आने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उन्होंने यहां के लोगों का विश्वास खो दिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि राष्ट्रीय स्तर की राजनीति में कोई भी केसीआर की परवाह नहीं करेगा। टीआरएस कभी भी राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का विकल्प नहीं बनेगी। इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने हैदराबाद में महालक्ष्मी मंदिर का दौरा किया। यहां से बाहर आने के बाद उन्होंने मीडिया से कहा कि सरकार केवल देश और प्रजा के लिए होनी चाहिए। सरकार कभी भी परिवार के लिए नहीं होनी चाहिए। देश में उदारवाद और कट्टरवाद है और इन दोनों के बीच देश में ध्रुवीकरण हमेशा से है। उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर भी निशाना साधते हुए कहा कि केसीआर भाजपा मुक्त भारत की बात बोलते हैं। उनके और हमारे बीच में अंतर है। वह बीजेपी को खत्म करना चाहते हैं। हम भारतीय राजनीतिक व्यवस्था से पारिवारिक राजनीति को खत्म करना चाहते हैं। सरमा ने कहा कि केसीआर के आह्वान के आधार पर देश कभी भी भाजपा मुक्त देश नहीं बन पाएगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर के पास बहुत पैसा है, उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि अगर उन्होंने एक राष्ट्रीय पार्टी बनाई तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। भाजपा परिवार-आधारित राजनीति को प्रोत्साहित नहीं करती है। मुख्यमंत्री केसीआर और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीच हालिया बैठक का मजाक उड़ाते हुए सरमा ने कहा कि हालांकि सभी विपक्षी दल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हैं, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दलों को एकजुट करने के लिए केसीआर की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि अगले विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा तेलंगाना में सरकार बनाएगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर टिप्पणी करते हुए, हिमंत बिस्व सरमा ने मजाक उड़ाया कि राहुल को पाकिस्तान में यात्रा करनी चाहिए क्योंकि देश को उनके पूर्वजों ने विभाजित किया था।

कड़ी सुरक्षा के बीच हैदराबाद में निकाले गये गणेश विसर्जन जुलूस

टैंकबंड में चप्पे-चप्पे पर रही पुलिस की नजर, श्रद्धालुओं के लिए पूरी व्यवस्था

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गणेश का विशाल जुलूस निकाला गया। सैकड़ों मूर्तियों को जुलूस में शहर के बीचोंबीच हुसैन सागर झील और शहर और उसके आसपास की दर्जनों अन्य झीलों में ले जाया गया।

मुख्य जुलूस शहर के दक्षिणी छोर पर बालापुर से शुरू हुआ। यह हुसैन सागर तक पहुंचने के लिए पुराने शहर और शहर के अन्य हिस्सों से गुजरते हुए लगभग 20 किमी की दूरी तय किया, जहां अधिकारियों ने विसर्जन की विस्तृत व्यवस्था की है। मुंबई के बाद विसर्जन के लिए सबसे बड़ी सभा होने का दावा करने वाले मुख्य जुलूस में कई सहायक नदी के जुलूस शामिल होंगे।

चूंकि दिन शुक्रवार की नमाज के साथ मेल खा रहा है, इसलिए पुलिस ने अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की है, खासकर सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील पुराने शहर में। मुख्य जुलूस इलाके से गुजरने के दौरान ऐतिहासिक मक्का मस्जिद और चारमीनार के पास रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के पुलिसकर्मियों और कर्मियों को तैनात किया गया था। मुस्लिम धर्मगुरुओं ने लोगों से मक्का मस्जिद या अन्य मस्जिदों में आने के बजाय अपने घरों के पास की मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा करने की अपील की है। भाजपा विधायक राजा सिंह द्वारा पोस्ट किए गए एक आपत्तिजनक वीडियो को लेकर हाल ही में हुई गड़बड़ी को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

तीन पुलिस आयुक्तों हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा की सीमा में 35,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने कहा कि शहर की पुलिस के अलावा, विभिन्न जिलों से कर्मियों को लाया गया है। वह अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ सीसीटीवी कैमरों के विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से हाल ही में उद्घाटन एकीकृत पुलिस कमान और नियंत्रण केंद्र से मुख्य जुलूस और सहायक नदी के जुलूसों की आवाजाही की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। पुलिस महानिदेशक महेंद्र रेड्डी भी हैदराबाद और राज्य के अन्य हिस्सों में राज्य पुलिस मुख्यालय से जुलूस की निगरानी कर रहे थे। पूरे राज्य में 10 लाख सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है।

हैदराबाद में मुख्य जुलूस के रास्ते में सीसीटीवी नेटवर्क के अलावा 739 कैमरे लगाए गए हैं। दस ड्रोन, चार कैमरा माउंटेड वाहन और दो मोबाइल कमांड कंट्रोल सेंटर बड़े पैमाने पर निगरानी प्रणाली का हिस्सा हैं। कई त्वरित प्रतिक्रिया दल, डॉग स्क्वायड और चेन स्नैचिंग टीमों और एसएचई टीमों को भी तैनात किया गया है।

ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी) ने विसर्जन को सुचारू रूप से चलाने के लिए विस्तृत व्यवस्था की। हुसैन सागर और शहर और उसके आसपास 50 से अधिक अन्य झीलों और कृत्रिम तालाबों में 40,000 से अधिक मूर्तियों का विसर्जन किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि 3 फीट से अधिक ऊंची 9,523 मूर्तियों का शुक्रवार को विसर्जन किया जाएगा। प्रक्रिया अगले दिन भी जारी रह सकती है। खैरताबाद गणेश, शहर की 50 फीट ऊंची मूर्ति भी हुसैन सागर झील में रात 7 बजे के आस पास विसिर्जित कर दी गई ।

विशाल जुलूस ने पूरे शहर में हाहाकार मचा दिया है। अदालतों द्वारा प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की मूर्तियों के विसर्जन पर रोक के मद्देनजर हुसैन सागर झील में विसर्जन को लेकर विवाद के कारण अतिरिक्त सुरक्षा उपाय भी किए गए हैं। तेलंगाना सरकार ने स्पष्ट किया है कि उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार केवल मिट्टी से बनी मूर्तियों को हुसैन सागर में विसर्जित करने की अनुमति होगी। विसर्जन जुलूस को देखते हुए, राज्य सरकार ने तीन जिलों- हैदराबाद, रंगा रेड्डी और मेडचल मलकाजगिरी में सभी सरकारी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित कर दिया है।

बालापुर गणेश लड्डू ने नीलामी का रिकॉर्ड तोड़ा, 24.60 लाख रुपए में खरीदा गया

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोकप्रिय बालापुर गणेश लड्डू ने इस साल अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया और शुक्रवार को यहां गणेश विसर्जन जुलूस की शुरुआत से पहले हुई खुली नीलामी में 24.60 लाख रुपये की कमाई की। बालापुर गणेश उत्सव समिति ने 21 किलो के लड्डू की नीलामी सुबह साढ़े नौ बजे शुरू की। इसे बालापुर निवासी वी. लक्ष्मा रेड्डी ने खरीदा था। लड्डू की नीलामी 1,116 रुपये की बोली के साथ शुरू हुई। नीलामी में करीब 10 श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। लक्ष्मा रेड्डी ने इसे 24.60 लाख रुपये की रिकॉर्ड राशि से खरीदा है। एक नियम है कि नीलामी में लड्डू हासिल करने वाले स्थानीय लोगों को अगले साल पैसे का भुगतान करना होता है जबकि गैर-स्थानीय लोगों को मौके पर भुगतान करना पड़ता है। इस साल, लड्डू को पिछले वर्ष 2021 की तुलना में 5,70,000 रुपये अधिक मिले। नीलामी कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी और पूर्व विधायक तीगला कृष्ण रेड्डी सहित कई राजनेताओं ने भाग लिया। पहली बार, दोनों तेलुगु राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित बोलीदाताओं ने नीलामी में भाग लिया। नीलामी की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उत्सव समिति के सदस्यों ने वी. लक्ष्मा रेड्डी का अभिनंदन किया और उन्हें लड्डू के साथ दो किलोग्राम चांदी की प्लेट भेंट की। इस बीच, नीलामी के शांतिपूर्ण संचालन के लिए पुलिस ने व्यापक बंदोबस्त किए। विशेष पूजा-अर्चना के बाद बालापुर गणेश को विसर्जन के लिए एक विशाल जुलूस में ले जाया गया। लड्डू की नीलामी की परंपरा 1994 में बालपुर गणेश उत्सव समिति के गठन के साथ शुरू हुई थी। पहली बोली में, लड्डू की नीलामी की गई और कोलानू मोहन रेड्डी ने 450 रुपये में खरीदा था। बाद में, उन्हें अगले वर्ष 1995 में 4,500 रुपये में मिला। इसी तरह, कोलानू कृष्ण रेड्डी ने 1996 में 18,000 रुपये और 1997 में 28,000 रुपये में लड्डू हासिल किया। फिर, कोलानू मोहन रेड्डी ने 1998 में 51,000 रुपये में, कल्लम प्रताप रेड्डी ने 1999 में 65,000 रुपये में, कललेम अंजी रेड्डी ने 2000 में 66,000 रुपये में लड्डू हासिल किया। जी रघुनंदन चारी 2001 में 85,000 रुपये में, कंदादा माधव रेड्डी 2002 में 1.05 लाख रुपये, चिगिरिंटा बालरेड्डी 2003 में 1.55 लाख रुपये, कोलानू मोहन रेड्डी 2004 में 2.01 लाख रुपये, ई. शेखर 2005 में 2.08 लाख रुपये में, चिगिरिंटा तिरुपति रेड्डी को 2006 में 3 लाख रुपये, जी रघुनंदन चारी को 2007 में 4.15 लाख रुपये, कोलानू मोहन रेड्डी को 2008 में 5.07 लाख रुपये, सरिता 2009 में 5.10 लाख रुपये, कोडाली श्रीधर बाबू 2010 में 5.35 लाख रुपये में, कोलानू ब्रदर्स 2011 में 5.45 लाख रुपये, पन्नाला गोवर्धन रेड्डी 2012 में 7.5 लाख रुपये में, तीगला किस्ता रेड्डी 2013 में 9.26 लाख रुपये में, सिंगरेड्डी जयहिंद रेड्डी 2014 में 9.50 लाख रुपये में, कोलानू मदन मोहन रेड्डी 2015 में 10.32 लाख रुपये में, स्काईलैब रेड्डी में 2016 में 14.65 लाख, 2017 में नागम तिरुपति रेड्डी ने 15.60 लाख रुपये , टी. श्रीनिवास गुप्ता 2018 में 16.60 लाख रुपये, कोलानू रामी रेड्डी 2019 में 17.60 रुपये में, कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में कोई कार्रवाई नहीं की गई। 2021 में मैरी शशांक रेड्डी और एमएलसी रमेश यादव ने संयुक्त रूप से 18.90 लाख रुपये में लड्डू खरीदा। इस साल इसे 24.60 लाख रुपये में बेचा गया है। लड्डू नीलामी से अर्जित राशि बालपुर गांव में विभिन्न विकास गतिविधियों पर खर्च की जाएगी।

टब गिरने से एससीसीएल कर्मचारी की मौत

मंचेरियल, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मध्यरात्रि की त्रासदी में, सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) का एक 55 वर्षीय कर्मचारी गलती से गुरुवार की रात श्रीरामपुर में एसआरपी 1 भूमिगत खदान के तहत मौके पर टब में फंस गया और उसकी मौत हो गई। मृतक कर्मचारी की पहचान खदान में कार चलाने वाले बंदर राजलिंगु और श्रीरामपुर कस्बे के मूल निवासी के रूप में हुई है।

भूमिगत से सतह तक कोयले की ढुलाई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले टब के गिरने से राजलिंगू को गंभीर चोटें आईं, जिसके परिणामस्वरूप उनकी तत्काल मृत्यु हो गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के समय वह खदान के सबसे गहरे बिंदु पर काम कर रहा था। ऑपरेटर के परिवार में पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा है।

इस बीच, सुरक्षा उपाय करने में विफल रहने पर ट्रेड यूनियनों ने एक करोड़ रुपये के मुआवजे और एससीसीएल के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर धरना दिया। भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष यादगिरी सत्तैया ने राज्य के स्वामित्व वाली कोयला कंपनी के खिलाफ गुस्सा व्यक्त किया और ऑपरेटर की मौत के लिए अधिकारियों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया।

हिमायत नगर में गिरी गणेश प्रतिमा

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर से एक गणेश मूर्ति विसर्जन के लिए टैंकबंड ले जाते समय हिमायतनगर में गिर गई। शहर में भारी बारिश के कारण मूर्ति पूरी तरह से भीगने के कारण अप्रत्याशित घटना हुई। मूर्ति को नवजीवन फ्रेंड्स एसोसिएशन द्वारा कर्मघाट के टीकेआर कॉलेज में स्थापित किया गया था। इसकी ऊंचाई 20 फीट थी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.